THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 211 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.6 2082 मंगलवार, 28 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से देश को संदेश देंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का नेतृत्व करेंगे। यहां स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी इस समारोह का केंद्रबिंदु रहेगा। इस मौके पर राष्ट्रीय एकता दिवस को भव्य तरीके से मनाने की तैयारी है, जिसमें देश की एकता, अनुशासन और वीरता का अद्भुत प्रदर्शन होगा। हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार पटेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह आयोजन विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह उनकी 150वीं जयंती है। इस अवसर पर एक सांस्कृतिक उत्सव और राष्ट्रीय एकता परेड आयोजित होगी, जिसमें सुरक्षा बल अपनी वीरता और समर्पण का प्रदर्शन करेंगे।

> चुनाव आयोग का बड़ा एलान

12 राज्यों में होगा दूसरे चरण का एसआईआर

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर का फेज-1 खत्म हो गया है, अब इसका दूसरा चरण शुरू होगा। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण सफल तरीके से किया गया है। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने आगे कहा कि बिहार के लोगों ने एसआईआर पर भरोसा जताया है। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे फेज में देश के 12 राज्यों में यह अभियान चलाया जाएगा।

पूरे देश में एसआईआर चरणबद्ध तरीके से होगा। जिन 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश में एसआईआर किया जाना है। इसमें अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुद्दुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इन राज्यों में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 51 करोड़ हैं, जबकि यहां 5 लाख 33 हजार से ज्यादा पोलिंग स्टेशन और बीएलओ तैनात किए जाएंगे।

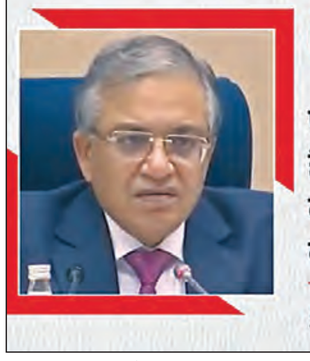

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण सफल तरीके से किया गया है। एसआईआर का पहला चरण खत्म हो गया है। अब इसका दूसरा चरण शुरू होगा। दूसरे चरण में 12 राज्यों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त

21 साल पहले किया गया था आखिरी एसआईआर :

इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि देश में 21 साल पहले आखिरी विशेष गहन पुनरीक्षण किया गया था। उन्होंने साफ किया कि एसआईआर में सभी योग्य मतदाताओं को जोड़ा जाएगा और अयोग्य मतदाताओं को वोटर लिस्ट से बाहर किया जाएगा। सीईसी ने आगे कहा कि चुनावों से पहले एसआईआर किया जाना सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने बताया कि हर घर पर बीएलओ तीन बार जाएंगे और मतदाताओं की जानकारी जुटाएंगे। इस दौरान बीएलओ की जिम्मेदारी होगी कि कोई भी योग्य मतदाता इस अभियान न छूटे और कोई भी अयोग्य मतदाता नहीं जुड़े। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि जिन राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया होनी है, वहां रात 12 बजे मतदाता सूची फ्रीज हो गयी। उन्होंने ये भी बताया कि इस प्रक्रिया के दौरान दूसरे राज्यों में प्रवास करने वाले मतदाता ऑनलाइन फॉर्म भर सकेंगे।

विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची में सुधार करना और इसमें नए मतदाताओं का समावेश करना है। इसमें नामों की जांच, पुराने मतदाताओं की पुष्टि, और आवश्यक संशोधन शामिल होंगे। आयोग ने बताया कि यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होगी। एसआईआर के तहत मतदाता सूची में त्रुटियों को दूर कर नए मतदाताओं को शामिल किया जाएगा। जिससे चुनावों में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित हो सके। बता दें कि देश के पांच राज्यों में साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसमें असम, तमिलनाडु, पुद्दुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। >14

जस्टिस सूर्यकांत होंगे देश के अगले मुख्य न्यायाधीश

> सीजेआई गवई ने कानून मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने केंद्रीय कानून मंत्रालय को अगले मुख्य न्यायाधीश के लिए जस्टिस सूर्यकांत के नाम का प्रस्ताव भेजा है। दरअसल, सीजेआई गवई ने 23 नवंबर को पद से मुक्त हो रहे हैं।

वरिष्ठता के हिसाब सूची में पहले नंबर पर जस्टिस सूर्यकांत

न्यायमूर्ति सूर्यकांत भारत के मुख्य न्यायाधीश के बाद सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं और भारतीय न्यायपालिका के प्रमुख बनने की कतार में अगले स्थान पर हैं। नियुक्ति के बाद, न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को अगले मुख्य न्यायाधीश बनेंगे और 9 फरवरी, 2027 तक लगभग 15 महीने तक इस पद पर बने रहेंगे।

जस्टिस सूर्यकांत की शिक्षा-कानून क्षेत्र का अनुभव :

10 फरवरी 1962 को हिसार जिले के पेट्वर गांव में जन्मे सूर्यकांत का बचपन साधारण परिवेश में बीता। उन्होंने प्रारंभिक पढ़ाई गांव के स्कूल से पूरी की और गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, हिसार से 1981 में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से 1984 में कानून (एलएलबी) की पढ़ाई पूरी की। इसी वर्ष उन्होंने हिसार के जिला न्यायालय में वकालत शुरू की और 1985 में चंडीगढ़ स्थित पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में प्रैक्टिस शुरू की। जल्द ही उन्होंने सांविधानिक, सेवा और नागरिक मामलों में अपनी गहरी समझ और सशक्त दलीलों से पहचान बनाई।

उनकी न्यायिक यात्रा सामाजिक मुद्दों से जुड़ी रही। वे सार्वजनिक संसाधनों के संरक्षण, भूमि अधिग्रहण, मुआवजे, पीड़ितों के अधिकार, आरक्षण और सांविधानिक संतुलन जैसे विषयों में संवेदनशील दृष्टिकोण रखते रहे। उनके फैसलों ने सामाजिक न्याय, सांविधानिक मर्यादा और नागरिक अधिकारों को मजबूती दी।

साइक्लोन मोन्था का असर शुरू, केरल में 2 की मौत

लोगों को सुरक्षित जगह पर भेजा जा रहा, आंध्र, बंगाल-तमिलनाडु में रेड अलर्ट

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में बना साइक्लोन मोन्था तेजी से पूर्वी तट की ओर बढ़ रहा है। ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश और तूफान का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने इन राज्यों के कई जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है।

आंध्र प्रदेश डिजास्टर मैनेजमेंट के प्रमुख प्रखर जैन ने कहा कि साइक्लोन मोन्था तट के करीब पहुंचना शुरू हो गया है। तटीय जिलों में बारिश और तेज हवा चल रही हैं। यह 18 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है और 28 अक्टूबर की शाम या रात काकीनाड़ा तट से टकरा सकता है। केरल में भारी बारिश और तेज हवाओं से निचले इलाकों में पानी भर गया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। आईएमडी ने पांच जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अलप्पुझा में एक मछुआरे की नाव पलटने और एर्नाकुलम में एक व्यक्ति की बिजली गिरने से जान चली गई। ओडिशा सरकार ने तटीय इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है। आठ जिलों मलकानगिरी, कोरापुट, नबरंगपुर, रायगढ़, गजपति, गंजम, कालाहांडी और कंधमाल में 128 रेस्क्यू टीमें तैनात की गई हैं। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों को प्राथमिकता दी जा रही है। राहत केंद्रों में खाना, दवा, रोशनी और पालतू जानवरों की व्यवस्था की गई है। सभी स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र 30 अक्टूबर तक बंद रहेंगे। ओडिशा-ओडिशा के मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि एनडीआरएफ, ओडीआरएएफ और फायर सर्विस की 128 टीमें (करीब 5,000 कर्मी) तैनात कर दी गई हैं।

विकास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता कोई भी देश : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भारतीय रक्षा विनिर्माता सोसायटी (एसआईडीएम) के वार्षिक सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, यह सच्चाई है कि कोई भी देश अनुसंधान और विकास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। चाहे अमेरिका हो, चीन हो या दक्षिण कोरिया.. जो भी देश आगे गए हैं, वो अनुसंधान और विकास की वजह से ही गए हैं।

सरकार का काम समान अवसर प्रदान करना

उन्होंने आगे कहा, सीखने के लिए तो हमें कहीं से भी किसी से भी सीखना चाहिए। हम तो 'आनो भद्रा क्रतवो यन्तु विश्वत:' की सोच को मानने वाले लोग हैं। दुनिया में अगर कहीं भी अच्छा अभ्यास हो रहा है, तो उसको अपनाने में हमें पीछे नहीं रहना चाहिए। जैसा कि मैने कहा है कि सरकार का काम एक लेवल प्लेइंग फील्ड (समान अवसर प्रदान करना) देना है और आपको लेवल प्लेइंग फील्ड मिल रही है। लेकिन खेलना तो आप लोगों को ही है। खेल का अभ्यास भी करते रहिए। मैं चाहता हूं आप ऐसा खेलें कि पूरी दुनिया दर्शक बनकर आपकी ओर देखें। राजनाथ सिंह ने कहा, हाल ही में पहलगाम हमले के बाद जिस तरह हमने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। उसके बाद स्थितियां कुछ ऐसी बनीं थी कि युद्ध हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा था। हालांकि, हमारी सेनाएं किसी भी स्थिति में अपनी सीमाओं की रक्षा करने में पूरी तरह तैयार थीं। लेकिन मैं बस यह कहना चाहता हूं कि दुनिया में शांति और कानून-व्यवस्था में अनिश्चितता तो बढ़ ही गई है। इसलिए उस अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए हमें हर डोमेन का सावधानी से विश्लेषण करते हुए अपने कदम उठाने होंगे। आज रक्षा और युद्ध क्षेत्र में जो परिवर्तन हो रहे हैं, उनसे केवल स्वदेशीकरण के माध्यम से ही निपटा जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, यह भी मैं कहना चाहूंगा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार मैं आप सबके बीच आया हूं।

तो उससे संबंधित कुछ बातें भी मैं आपके सामने रखना चाहूंगा। सबसे पहले मैं हमारी सेनाओं के साथ-साथ आप सभी औद्योगिकी योद्धाओं को भी हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, हम सबने देखा कि आकाश मिसाइल प्रणाली, ब्रह्मोस, आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली और अन्य कई प्रकार के स्वदेशी उपकरणों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से अपना पराक्रम दिखाया।

'भाजपा अपने पैरों पर मजबूती से खड़ी है'

किसी के समर्थन की आवश्यकता नहीं : अमित शाह

मुंबई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को मुंबई स्थिति भाजपा कार्यालय के भूमि पूजन समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि जनसंघ की स्थापना के बाद से हमने हमेशा संगठन की अवधारणा के आधार पर अपनी पार्टी के कामकाज को स्वीकार किया है। हमने हमेशा सिद्धांतों के आधार पर अपनी नीतियां बनाई हैं। हमने देश और इसके लोगों के सर्वोत्तम हित में सबसे कठिन लड़ाई लड़ी है।

सोमवार को मुंबई में भारतीय जनता पार्टी के नए मुख्यालय के भूमि पूजन के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वह स्थान जहां ये तीन उद्देश्य पूरे होते हैं, वह भाजपा कार्यालय है। भाजपा महाराष्ट्र में अपने पैरों पर मजबूती से खड़ी है और उसे किसी के समर्थन की आवश्यकता नहीं है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा भारत की एकमात्र राजनीतिक पार्टी है, जहां एक बूथ अध्यक्ष आगे चलकर पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। मैं इसका सबसे बड़ा उदाहरण हूं। मैंने 1981 में भाजपा में बूथ अध्यक्ष के रूप में अपनी यात्रा शुरू की और मेरी पार्टी ने मुझे पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने का मौका दिया।

हमारी पार्टी वंशवाद पर नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर काम करती है

शाह ने कहा कि यह बताता है कि हमारी पार्टी वंशवाद पर नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर काम करती है। जो कड़ी मेहनत करता है और पार्टी के सिद्धांतों पर आगे बढ़ता है, जो काम करता है, वही पार्टी में बड़ा नेता बन सकता है। हमने साबित कर दिया है कि देश में वंशवाद की राजनीति नहीं चलेगी और केवल प्रदर्शन की राजनीति ही स्वीकार की जाएगी। मोदी जी इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं।

अमित शाह ने कहा, मुझे खुशी है कि भाजपा न केवल राज्य में मजबूत हुई है, बल्कि हमारी परंपरा को भी आगे बढ़ाया है।

यह वही धरती है जहां जनसंघ का जनता दल में विलय हुआ और भाजपा का गठन हुआ। अटल जी ने एक बार कहा था, अंधेरा छंटेगा, कमल खिलेगा।

हम भाग्यशाली थे कि 1996 में अटल जी प्रधानमंत्री बने और अब लगातार तीन जीत के बाद पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। यह गर्व की बात है कि भाजपा अब तक 18 वर्षों से सत्ता में है और आज एक पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री पद पर आसीन है।

राष्ट्रपति-'डिजिटल अरेस्ट' नागरिकों के लिए सबसे खतरनाक खतरों में से एक

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि तकनीक ने पुलिसिंग के क्षेत्र में व्यापक बदलाव ला दिया है और 'डिजिटल गिरफ्तारी' नागरिकों के लिए सबसे भयावह खतरों में से एक बन गई है। राष्ट्रपति भवन में उनसे मिलने आए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि लोगों, खासकर वंचित वर्ग को पुलिस को एक भयावह संस्था के रूप में नहीं, बल्कि एक सहारे के स्रोत के रूप में देखना चाहिए। राष्ट्रपति ने इस दौरान कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और हमें अपनी आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने और तेज करने के लिए लगातार बढ़ते सार्वजनिक और निजी निवेश की आवश्यकता है।

'सात नए इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोजेक्ट्स को सरकार की मंजूरी'

> पांच हजार से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) के तहत सात नए प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि सरकार को इस योजना के तहत कुल 249 प्रस्ताव मिले थे, जिनमें से प्रारंभिक चरण में 7 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है।

इन प्रोजेक्ट्स में प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) यानी मदरबोर्ड बेस, कैमरा मॉड्यूल, कॉपर लैमिनेट और पॉलीप्रोपाइलीन फिल्म्स (जो कैपेसिटर और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स में उपयोग होती हैं) के निर्माण से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सचिव एस कृष्णन ने बताया कि इन सात प्रोजेक्ट्स में कुल 5,532 करोड़ का निवेश किया जाएगा। इससे लगभग 5,195 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब तक 1.15 लाख करोड़ मूल्य के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं, जो देश में बढ़ती इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षमताओं का संकेत है। सरकार की यह पहल 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों को और बल देगी। इस योजना के तहत देश में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स का घरेलू उत्पादन बढ़ाने, आयात पर निर्भरता घटाने, और भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में स्थापित करने पर जोर दिया जा रहा है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन हब बनता जा रहा है।

मोबाइल फोन से लेकर सेमीकंडक्टर और अब कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग तक, भारत का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाई जाए। इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) के पहले चरण की आवेदन प्रक्रिया 30 सितंबर को समाप्त हो चुकी है, जबकि कैपिटल इक्विपमेंट्स के लिए आवेदन की विंडो अभी खुली हुई है।

एस. जयशंकर और मलेशियाई विदेश मंत्री की द्विपक्षीय बैठक, म्यांमार के ताजा हालात पर की चर्चा

कुआलालंपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कुआलालंपुर में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान अपने मलेशियाई समकक्ष मोहम्मद हाजी हसन के साथ बैठक की। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग में चल रही प्रगति पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने म्यांमार की वर्तमान स्थिति पर भी चर्चा की।

इस बार मलेशिया 26-28 अक्टूबर तक कुआलालंपुर में आसियान शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहा है। कुआलालंपुर में आयोजित इस शिखर सम्मेलन का विषय "समावेशीपन और स्थिरता" है। म्यांमार गृहयुद्ध की स्थिति से घिरा हुआ है। साल 2021 में म्यांमार में सेना ने लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार का तख्तापलट किया था। इसके बाद से वहां पर अराजकता की स्थिति बनी हुई है। वहां सेना पर आम नागरिकों को प्रताड़ित करने के आरोप लगाए जाते रहे हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, मलेशिया के विदेश मंत्री मोहम्मद हाजी हसन के साथ गर्मजोशी भरी मुलाकात हुई। आसियान और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। हमारे बीच द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति पर चर्चा हुई। म्यांमार की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

एस. जयशंकर कुआलालंपुर में 20वें पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि ये सम्मेलन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने और क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा।

इससे पहले, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात की और पीएम मोदी की ओर से हार्दिक बधाई दी।

आवारा कुत्तों पर अधिकतर राज्यों-यूटी ने नहीं दिए हलफनामे

सुप्रीम कोर्ट का मुख्य सचिवों को पेश होने का आदेश

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आवारा कुत्तों के मामले स्वत: संज्ञान वाली याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को होने वाली सुनवाई में पेश होने का आदेश दिया। दरअसल, कोर्ट ने पाया कि आवारा कुत्तों की समस्या पर नोटिस जारी किए जाने के बावजूद अधिकतर राज्यों ने अब तक हलफनामे नहीं दायर किए हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य सचिवों को पेशी का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों- जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की विशेष बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि अब तक सिर्फ दिल्ली महानगपालिका (एमसीडी), पश्चिम बंगाल और तेलंगाना ने ही आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर हलफनामे दाखिल किए हैं। बता दें कि 22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने जब इस मामले पर सुनवाई की थी, तब सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को हलफनामे दाखिल करने के लिए कहा गया था।

क्या था सुप्रीम कोर्ट का पिछला आदेश :

सर्वोच्च न्यायालय ने 22 अगस्त को आवारा कुत्तों के मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की सीमाओं से आगे बढ़ाते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस मामले में पक्षकार बनाने का निर्देश दिया था। अपने 22 अगस्त के आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर ने आवारा कुत्तों को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए थे। अदालत ने कुत्तों को नसबंदी और दवा देने के बाद छोड़ने का आदेश दिया था।

अगले साल की हो सकती है क्वॉड बैठक

मोदी होंगे मेजबान-ऑस्ट्रेलिया के पीएम ने जताई उम्मीद

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने उम्मीद जताई है कि क्वॉड देशों की अगली बैठक अगले साल की पहली तिमाही में हो सकती है। उन्होंने चार देशों- भारत, अमेरिका, जापान के साथ ऑस्ट्रेलिया के गठजोड़ वाले इस समूह को एक अहम मंच करार दिया। गौरतलब है कि भारत में इसी साल क्वॉड सम्मेलन होना था। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैये और जापान में जारी सियासी उठापटक के चलते अब इस बैठक की उम्मीद कम ही है। अल्बनीज ने आसियान सम्मेलन के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, क्वॉड एक अहम फोरम है, जो ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान और भारत को जोड़ता है। मुझे उम्मीद है कि इसकी बैठक अगले साल की पहली तिमाही में होगी।

बांग्लादेश ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अपना हिस्सा दिखाया

ढाका, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने शनिवार को पाकिस्तानी जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को एक विवादित किताब गिफ्ट की। 'आर्ट ऑफ ट्रायम्फ' नाम की इस किताब के कवर पर छपे नक्शे में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को बांग्लादेश का हिस्सा दिखाया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने अभी तक इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। शमशाद मिर्जा पाकिस्तानी सेना में आसिफ मुनीर के बाद दूसरे सबसे ताकतवर अधिकारी हैं। माना जा रहा है कि मुनीर के बाद मिर्जा ही पाकिस्तानी सेना प्रमुख बनेंगे।

आर्ट ऑफ ट्रायम्फ एक आर्ट बुक है, जिसमें बांग्लादेश में जुलाई-अगस्त 2024 के छात्र-जन आंदोलन के दौरान बने ग्रैफिटी (दीवारों पर बनी चित्रकारी) और बाकी चित्रों को दिखाया गया है। पिछले साल सितंबर में अंतरिम प्रमुख सलाहकार यूनुस ने इसे जारी किया था। फिलहाल यह किताब अभी सार्वजनिक तौर पर बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है। बांग्लादेश के नेता पहले भी इस किताब को गिफ्ट के तौर पर इस्तेमाल करते रहे हैं। सितंबर 2024 में यूनुस ने कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो को यह किताब गिफ्ट की थी। इस किताब को गिफ्ट में देना एक राजनीतिक और कूटनीतिक संकेत माना जाता है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक यह किताब अब तक 12 से ज्यादा विदेशी नेताओं और अधिकारियों को गिफ्ट की जा चुकी है।

भारत में पहली बार होगी विमान दुर्घटना जांचकर्ताओं की बैठक

बनेगी रणनीति

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत पहली बार राजधानी दिल्ली में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विमान दुर्घटना (एपीएसी) जांचकर्ताओं की बैठक होने जा रही। नागरिक उड्डयन मंत्रालय (डीजीसीए) की तरफ से विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) इस बैठक की मेजबानी करेगा।

बैठक में बनेगी रणनीति

देश के नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू 28 अक्टूबर को इस बैठक का उद्घाटन करेंगे। एशिया-प्रशांत दुर्घटना जांच समूह (एपीएसी-एआईजी) की 28 से 31 अक्टूबर तक चलने वाली इस बैठक में लगभग 90 अंतरराष्ट्रीय विमान दुर्घटना जांचकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद है। इस बैठक में विमान दुर्घटना जांच के विभिन्न पहलुओं, प्रक्रियाओं और रिपोर्टिंग पर खुली बातचीत होगी।

विमान दुर्घटना जांच से जुड़ों विषयों पर चर्चा

इस दौरान 28 और 29 अक्तूबर को एक कार्यशाला में विमान दुर्घटना जांच से जुड़ों विषयों पर चर्चा होगी। इसमें एएआईबी, डीजीसीए के अधिकारी और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी भाग लेंगे। वहीं, एशिया प्रशांत क्षेत्र में आईसीएओ के सदस्य देशों के प्रतिनिधि और एएआईबी के अधिकारी 30 और 31 अक्तूबर को चर्चा करेंगे। एएआईबी भारतीय हवाई क्षेत्र में संचालित होने वाले विमानों से जुड़ी सुरक्षा घटनाओं को दुर्घटनाओं, गंभीर घटनाओं या हादसों के रूप में वर्गीकृत करने के लिए जिम्मेदार है। आम तौर पर इस बैठक की मेजबानी एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) का कोई देश ही करता है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के आईसीएओ के सदस्य देशों के प्रतिनिधि, कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ इस सालाना बैठक में भाग लेते हैं।

सीजेआई पर जूता उछालने वाले वकील के खिलाफ नहीं होगी अवमानना की कार्रवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-मन नहीं है

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने सोमवार को कहा कि वे मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई पर जूता उछालने की कोशिश करने वाले वकील के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई करने के इच्छुक नहीं हैं।

पीठ ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश खुद ही आरोपी वकील के खिलाफ कार्रवाई करने से इनकार कर चुके हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि 'अदालत में नारेबाजी करने और जूता उछालना यकीनन अदालत की अवमानना है, लेकिन ये संबंधित न्यायाधीश पर निर्भर करता है कि वे कानून के तहत कार्रवाई करते हैं या नहीं।'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-वे इस मामले को बेवजह तूल नहीं देना चाहते

पीठ ने कहा कि 'अवमानना का नोटिस जारी करने से उस वकील को चर्चा ही मिलेगी, जिसने मुख्य न्यायाधीश की तरफ जूता उछाला। इससे घटना को बेवजह का तूल मिलेगा।' पीठ ने कहा कि इस घटना को अपने आप ही खत्म होने देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) की याचिका पर सुनवाई के दौरान पीठ ने यह टिप्पणी की।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने आरोपी वकील राकेश किशोर के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई करने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। सर्वोच्च अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए अदालत दिशा-निर्देश जारी करेगी। पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से विभिन्न अदालतों में जूता उछालने की घटनाओं का की जानकारी देने को कहा है। इससे पहले 16 अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी, दूसरों की गरिमा और सत्यनिष्ठा की कीमत पर नहीं दी जा सकतीं। पीठ ने बेलगाम सोशल मीडिया के खतरे को लेकर भी आगाह किया और कहा कि इस तरह की घटनाएं पैसा कमाने के धंधे से ज्यादा कुछ नहीं हैं।

बार काउंसिल ने आरोपी वकील का लाइसेंस रद्द किया

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई पर जूता उछालने की घटना 6 अक्तूबर को हुई थी। यह घटना उस वक्त हुई, जब सीजेआई एक मामले पर सुनवाई कर रहे थे। सीजेआई की एक टिप्पणी से नाराज होकर कथित तौर पर आरोपी वकील ने इस घटना को अंजाम देने की बात कही। घटना के बाद सीजेआई ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने से इनकार कर दिया, लेकिन बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने आरोपी वकील का लाइसेंस रद्द कर दिया। इस मामले की पूरे देश में चर्चा हुई और प्रधानमंत्री मोदी ने इस घटना की कड़ी निंदा की और मुख्य न्यायाधीश से इस मुद्दे पर बात भी की थी।

सीमावर्ती इलाकों में बाड़ लगाने के लिए किसानों को मिलेगा मुआवजा

गृह मंत्रालय ने जारी की राशि

जम्मू/हीरानगर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जम्मू, सांबा और कठुआ जिले सीमावर्ती इलाकों के हजारों किसानों के लिए राहत वाली खबर है। इन जिलों के ऐसे किसानों को उनकी भूमि का मुआवजा मिलेगा जिसे बीएसएफ ने बाड़ लगाने के लिए अधिग्रहीत किया था।

बीएसएफ ने 113 गांवों में 13,145 कनाल भूमि अधिग्रहीत कर 135 फुट चौड़ी बाड़ लगाई है। इनमें बड़ी संख्या में किसानों को मुआवजा नहीं मिला था। अब गृहमंत्री ने मुआवजे की राशि जारी की है जो मंडलायुक्त जम्मू के माध्यम से संबंधित जिलों के डीसी को भेजी जाएगी। मार्च में हुए विधानसभा सत्र में यह मुद्दा उठा था। विजयपुर के विधायक ने प्रश्नकाल सत्र में प्रश्न पूछा था। भाजपा विधायक सुरजीत सलाथिया, देवेंद्र कुमार मन्याल और सीपीआईएम के विधायक तारिगामी सहित कई अन्य विधायकों ने इस पर चिंता जताई थी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने खुद जवाब दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा था कि मुआवजे के तौर पर 155.08 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इसमें 144 करोड़ रुपये उन किसानों को वितरित किए हैं जिनकी भूमि अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर बाड़ लगाने से प्रभावित हुई थी। कहा था कि सिर्फ 11 करोड़ रुपये वितरित किए जाना बाकी बचे हैं।

किसान अपने दस्तावेज तैयार रखें

भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) से सटे लौंडी और बोबिया पंचायतों के निवासियों को राहत मिलेगी। वे मुआवजे का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। विजयपुर के विधायक विजय शर्मा ने बताया कि औपचारिकताएं पूरी होने के बाद प्रभावित परिवारों को मुआवजा मिलना शुरू होगा। भूमि अधिग्रहित होने के बाद किसान खेतीबाड़ी से वंचित हो गए थे। लौंडी और बोबिया के किसानों को उनका हक मिलेगा। जल्द ही राजस्व प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रभावित परिवार आवश्यक दस्तावेज समय पर जमा करें ताकि विलंब न हो। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि कठुआ, सांबा और जम्मू जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले लोगों के लिए यह सुखद सूचना है। गृह मंत्रालय के हस्तक्षेप पर बीएसएफ ने 135 फुट चौड़ी बाड़ और सीमा निगरानी चौकी के विकास के लिए अधिग्रहीत भूमि के मुआवजे के भुगतान के लिए धनराशि जारी कर दी है।

विजय ने करूर रैली हादसे के पीड़ित परिवारों से की मुलाकात, मदद का दिया आश्वासन

चेन्नई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के करुर में अभिनेता और टीवीके अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय की 27 सितंबर को हुई रैली में अचानक हुई भगदड़ में 41 लोग अपनी जान गंवा बैठे थे, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे शामिल थे। राज्य भर में इस घटना ने भारी चिंता और गुस्सा पैदा किया और आम जनता के साथ-साथ राजनीतिक नेताओं की भी आलोचना हुई।इन सबके बीच सोमवार को विजय ने करूर हादसे में अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों से मुलाकात की। ये मुलाकात महाबलीपुरम के एक निजी रिजॉर्ट में तय की गई, ताकि परिवारों को सुरक्षित और आरामदायक माहौल मिल सके।

विजय ने इस मुलाकात में हर परिवार से व्यक्तिगत रूप से बात की और उनकी तकलीफ को समझने की कोशिश की। उन्होंने परिवारों को भरोसा दिलाया कि उनके बच्चों की पढ़ाई और चिकित्सा खर्च वह पूरी तरह से वहन करेंगे। बातचीत के दौरान विजय ने कहा, "इस कठिन समय में मैं आपके साथ हूं। आपका दुख मेरा भी दुख है।" टीवीके पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि यह मुलाकात पूरी तरह निजी रखी गई थी और इसमें केवल पार्टी के करीबी लोग ही शामिल थे। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना था कि परिवारों को सीधे तौर पर संवेदना मिले और उनकी तत्काल जरूरतों को पूरा किया जा सके।

पार्टी के सूत्रों के अनुसार, पीड़ित परिवारों को चेन्नई लाया गया। लगभग 38 परिवारों को निजी बसों के माध्यम से लाया गया, जबकि कुछ परिवार हवाई जहाज से पहुंचे। टीवीके सूत्रों के अनुसार, प्रत्येक परिवार को पहले उनके घर से लेकर करूर में एक साझा स्थान पर लाया गया, जहां से सभी को एक साथ सड़क मार्ग से महाबलीपुरम भेजा गया। पूरे प्रबंध की निगरानी करूर, कोयंबटूर और इरोड जिलों के सचिवों ने की। पार्टी ने सुनिश्चित किया कि परिवारों को यात्रा के दौरान कोई असुविधा न हो और उन्हें पूरा सम्मान और देखभाल मिले। दरअसल, विजय ने शुरू में योजना बनाई थी कि वे खुद करूर जाकर हर परिवार से उनके घर पर मिलेंगे।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर के पहले बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

17 आईएएस सहित कुल 64 अधिकारियों का तबादला

कोलकाता, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले सोमवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ। निर्वाचन आयोग की बैठक की खबर आने के साथ ही राज्य प्रशासन में हलचल मच गई। अब चर्चाएं तेज हो गई हैं कि क्या बंगाल में जल्द ही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू होने वाला है। इसी सियासी सरगर्मी के बीच नबान्न ने बड़ा प्रशासनिक बदलाव करते हुए एक ही दिन में 17 आईएएस अधिकारियों सहित कुल 64 अधिकारियों का तबादला कर दिया। सूत्रों के अनुसार, मुर्शिदाबाद, पुरुलिया, दार्जिलिंग, मालदा, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और कोचबिहार समेत कई जिलों के जिलाधिकारियों (डीएम) को बदला गया है। इतनी बड़ी संख्या में एक साथ जिला अधिकारियों का तबादला राज्य में अभूतपूर्व माना जा रहा है।

मुख्य तबादलों में

उत्तर 24 परगना के डीएम शरद कुमार द्विवेदी को स्वास्थ्य एवं जनकल्याण विभाग में भेजा गया है। दक्षिण 24 परगना के डीएम सुमित गुप्ता को कोलकाता नगर निगम के म्यूनिसिपल कमिश्नर पद पर नियुक्त किया गया है। एचआईडीसीओ के डीएम शशांक सेठी को उत्तर 24 परगना का नया जिला शासक बनाया गया है। कूच बिहार के डीएम अरविंद कुमार मीणा अब दक्षिण 24 परगना के डीएम होंगे। मुर्शिदाबाद के डीएम राजर्षि मित्रा को एचआईडीसीओ की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सीएम मान ने बुलाई कैबिनेट की बैठक-श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी समागम का राष्ट्रपति को न्योता

चंडीगढ़, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 28 अक्तूबर को सीएम आवास में सुबह 10 बजे कैबिनेट की बैठक बुलाई है। बैठक में शहीदी दिवस को बड़े स्तर पर मनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रस्तावों व आनंदपुर साहिब में विशेष विधानसभा सत्र बुलाने को मंजूरी दी जा सकती है। प्रदेश में 24वां जिला बनाने के प्रस्ताव पर भी कैबिनेट की बैठक में चर्चा हो सकती है।

पंजाब सरकार शहीदी दिवस बड़े स्तर पर मना रही है। 25 अक्तूबर को दिल्ली के गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में अरदास से समारोहों की शुरुआत हो गई है। आनंदपुर साहिब में पहली बार नौंवे पातशाह के जीवन, शिक्षाओं और शहादत पर आधारित शो होगा। रोजाना 11 हजार से अधिक श्रद्धालुओं आएंगे। टेंट सिटी स्थापित की जा रही है। इस समागम के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुख्यमंत्री भगवंत मान आज मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री मान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व समागम में शामिल होने का निमंत्रण देंगे।

सिद्धारमैया बोले-अगर आलाकमान चाहेगा तो मैं 5 साल तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री बना रहूंगा

बंगलूरू, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को कहा कि वह कांग्रेस आलाकमान के फैसले के अधीन, अगर वह चाहेंगे तो पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए पद पर बना रहूंगा। माना जा रहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार के ढाई साल पूरे होने वाले हैं। ऐसे में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें लगाई जा रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से सीआईसी नियुक्तियों की शॉर्टलिस्ट सार्वजनिक करने से किया इनकार

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों के पद के लिए चुने गए उम्मीदवारों के नामों का सार्वजनिक खुलासा करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को सूचना आयोगों में खाली पदों को जल्द भरने का निर्देश भी दिया है।

याचिका में क्या कहा गया

वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने याचिकाकर्ता अंजलि भारद्वाज और अन्य की ओर से कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें सूचना आयोगों को निष्क्रिय बना रही हैं। उन्होंने बताया कि, केंद्रीय सूचना आयोग में इस समय कोई मुख्य सूचना आयुक्त नहीं है। 10 में से 8 सूचना आयुक्तों के पद खाली हैं। लगभग 30,000 मामले लंबित पड़े हैं। प्रशांत भूषण ने अदालत से यह निर्देश देने की मांग की कि केंद्र सरकार चयनित उम्मीदवारों के नाम सार्वजनिक करे ताकि जनता आपत्ति या सुझाव दे सके।

केंद्र सरकार का जवाब

केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने कहा कि चयन समिति ने कुछ नामों को शॉर्टलिस्ट किया है और अब वे प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति के पास भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि यह समिति अगले दो से तीन हफ्तों में नामों को मंजूरी दे देगी, इसलिए अदालत को कोई निर्देश जारी करने की आवश्यकता नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

अदालत ने कहा कि वह केंद्र को नाम सार्वजनिक करने का निर्देश नहीं देगी, लेकिन सभी राज्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके राज्य सूचना आयोगों (एसआईसी) में खाली पद जल्द से जल्द भरे जाएं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, 'हम मामला निपटा नहीं रहे हैं। हर दो हफ्ते में सुनवाई होगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आदेशों का पालन हो रहा है।'

झारखंड सरकार का पक्ष

झारखंड सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील अरुणाभ चौधरी ने बताया कि विपक्ष के नेता की अनुपस्थिति के कारण नियुक्ति प्रक्रिया में देरी हुई थी, लेकिन अब प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और जल्द ही सभी रिक्तियां भरी जाएंगी।

पहले कोर्ट ने क्या दिए थे आदेश?

इससे पहले जनवरी 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा था कि सभी खाली पद तुरंत भरे जाएं। फिर नवंबर 2024 में कोर्ट ने फिर नाराजगी जताई और केंद्र व राज्यों से प्रगति रिपोर्ट मांगी। 2019 का फैसले के अनुसार, कोर्ट ने तीन महीने के भीतर नियुक्तियां पूरी करने का निर्देश दिया था और कहा था कि चयन समिति के सदस्यों के नाम वेबसाइट पर सार्वजनिक किए जाएं। अदालत ने यह भी कहा था कि केवल नौकरशाहों को ही नियुक्त करने की परंपरा खत्म होनी चाहिए, और समाज के कई क्षेत्रों के योग्य लोगों को भी शामिल किया जाना चाहिए।

क्यों महत्वपूर्ण है यह मामला?

सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार कहा है कि अगर सूचना आयोगों में नियुक्तियां समय पर नहीं होंगी, तो सूचना का अधिकार कानून बेकार कागज बनकर रह जाएगा। अंजलि भारद्वाज और अन्य याचिकाकर्ताओं का कहना है कि नियुक्तियों में देरी से पारदर्शिता खत्म हो रही है और लोगों का सूचना पाने का अधिकार प्रभावित हो रहा है।

फर्जी एसएसबी जवान की हरकत-पहले सगाई, फिर बनाया संबंध-लूटे लाखों रुपये

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। खटीमा में एक युवक ने खुद को एसएसबी जवान बताकर युवती से सगाई करने के बाद होटल में शारीरिक संबंध बना लिए। यही नहीं युवती व परिजनों से 2,77,000 लाख रुपये ठग लिए। अदालत के आदेश पर पुलिस ने आरोपी व उसके परिजनों विरुद्ध केस दर्ज किया है। पीड़िता ने अदालत में दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि ग्राम देवरी निवासी आकाश सिंह वर्ष 2021 में उसके माता-पिता से मिला था और उसके लिए विवाह का रिश्ता लेकर आया था। उसके माता-पिता ने मना कर दिया दिया।

इस पर आकाश, उसकी माता विमला देवी व छोटी बहन अंजलि ने बताया था कि युवक एसएसबी में कार्यरत है। उसने अपनी एसएसबी की ड्रेस व डीआईजी से ईनाम लेते कूटरचित आदि फोटो भी दिखाई। इसके बाद वे आए दिन उससे शादी का दबाव बनाने लगे थे। इस पर उसके माता-पिता ने सितंबर 2022 को उसकी आकाश के साथ सगाई कर दी थी। इसके बाद आकाश आए दिन ड्यूटी पर होने, नेटवर्क फेल होने की बात कहकर उससे व उसकी बहन से अपनी बहन व अपने मित्रों के मोबाइल नंबरों पर गूगल-पे कराने लगा। आकाश ने नौकरी से सस्पेंड होने के कारण खाता सीज हो जाने व जुर्माना जमा करने के लिए रुपये न होने की बात कहकर उससे 3,00,000 रुपये मांगे। उसने उधार लेकर 2,00,000 रुपये आकाश को दे दिये।

खबरें जरा हट के

सड़कों पर बिकती है बीवियां, दूर-दूर से खरीदने आते हैं मर्द, खुद मां लगाती है बोली!

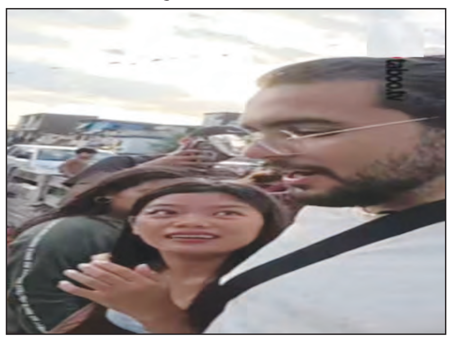

फिलीपींस की चमकती-दमकती सड़कों के पीछे छिपी एक ऐसी काली दुनिया का पर्दाफाश हुआ है, जो मानवता को शर्मसार कर देगी. यहां सड़क किनारे ना सिर्फ खाने-पीने की चीजें बिकती हैं, बल्कि जवान लड़कियां भी 'बीवियों' के रूप में नीलाम की जाती हैं. एक वायरल वीडियो ने इस हकीकत को दुनिया के सामने ला खड़ा किया है. इंस्टाग्राम के अकाउंट से शेयर इस वीडियो में एक अरब मूल का शख्स सड़क पर खड़ी एक 21 साल की फिलिपिनो लड़की को खरीदता नजर आया. लड़की की मां खुद अपनी बेटी की 'बोली' लगाती है और बदले में ऑनलाइन पैसे लेती है. मात्र एक हजार डॉलर यानी करीब 88 हजार इंडियन करेंसी में ये सौदा पूरा हो गया. वीडियो में शख्स पेमेंट के बाद लड़की को अपने साथ अमेरिका ले जाने की बता करता नजर आया.

हकीकत या फसाना

वीडियो में शख्स खुद कैमरे पर दावा करता नजर आया कि ये फिलीपींस है, जहां 1,000 डॉलर में बीवी मिल जाती है. इसके बाद शख्स ने एक महिला को ऑनलाइन एक ट्रांसफर किये और उसके बाद महिला की बेटी से शादी की बात कही. शख्स ने दावा किया कि ये मजाक नहीं, असल जिंदगी है. वह सड़क किनारे एक झोपड़ी के पास रुकता है, जहां मां-बेटी इंतजार कर रही होती हैं. मां लड़की को सजाती है, जैसे कोई सामान तैयार कर रही हो. शख्स लड़की का हाथ थामकर चला जाता है, जबकि मां पीछे मुस्कुराती नजर आई. हालाँकि, वीडियो देखने के बाद अभी भी कई लोगों को ऐसा लग रहा है कि ये सब स्क्रिप्टेड है.

हैरान रह गए लोग – ये दृश्य इतना खौफनाक है कि देखने वाले की रूह कांप गई. फिलीपींस, जो अपनी खूबसूरत बीचेज, हॉस्पिटैलिटी और कैथोलिक संस्कृति के लिए जाना जाता है, आज मानव तस्करी के इस काले अध्याय से जूझ रहा है. शख्स का दावा है कि ये प्रथा यहां आम है, खासकर गरीब इलाकों में. मनीला के स्लम एरिया से लेकर प्रांतीय शहरों तक, परिवार आर्थिक तंगी में अपनी बेटियों को 'बेच' देते हैं. माएं खुद बोली लगाती हैं, क्योंकि शिक्षा और नौकरी के अवसर ना के बराबर है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिलीपींस में हर साल हजारों लड़कियां विदेशी पर्यटकों या अमीरों के हाथों बिकती हैं.

हेलमेट नहीं मिला तो शख्स ने सिर पर पहन लिया ये, बंदे का जुगाड़ देख हंसी नहीं रुकेगी!

सोशल मीडिया पर भारतीयों के देसी जुगाड़ हमेशा सुर्खियों में रहते हैं. हाल ही में एक ऐसा ही मजेदार वीडियो वायरल हो गया है. इस वीडियो में एक युवक ने कुछ ऐसा कर दिखाया, जिसे देखकर लोग हैरान भी हैं और हंस भी रहे हैं. दरअसल, युवक ने बाइक चलाते समय हेलमेट की जगह एक पुराने टीवी का बाहरी खोल सिर पर पहन लिया है. यह वीडियो एक्स पर शेयर किया गया है. बता दें, कि कैप्शन में लिखा गया है, कि अगर आपके पास हेलमेट नहीं है, तो पुरानी खराब टीवी से भी काम चला सकते हैं.वीडियो में दिखता है कि युवक बाइक पर बैठा है और चलाने से पहले टीवी का कवर सिर पर चढ़ा लेता है, जो देखने में बेहद अजीब लेकिन मनोरंजक लगता है. अब तक इस वीडियो को 15 हजार से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और सैकड़ों लोगों ने इसे लाइक किया है. यूजर्स ने इस पर दिलचस्प प्रतिक्रियाएं दी हैं. बता दें, कि ऐसे में एक यूजर ने लिखा, कि दुर्घटना के वक्त ये जान बचाने के बजाय सिर में ही घुस जाएगा. तो दूसरे ने टिप्पणी की,यह मजेदार और हल्का-फुल्का संदेश है सुरक्षा और संसाधनों दोनों पर सोचने को मजबूर करता है.तीसरे ने लिखा,ऐसे जुगाड़ बाहर नहीं जाने चाहिए. जबकि चौथे ने मजाक में कहा,ऐसे तेजस्वी दिमाग को भारत रत्न मिलना चाहिए. कुल मिलाकर, वीडियो ने लोगों को हंसी से लोटपोट कर दिया है, लेकिन साथ ही यह भी याद दिलाया है कि असली हेलमेट की जगह कोई जुगाड़ काम नहीं आ सकता.'

ऐसा होता है विदेशों का पितृ-पक्ष! कब्र से निकाल लेते हैं लाश-पोंछते हैं एक-एक हड्डियां

मेक्सिको के दक्षिण-पूर्वी कोने में बसा छोटा सा शहर पोमुच बसा है. यहां की आबादी महज 9600 है. यहां हर साल एक ऐसा रिवाज निभाया जाता है जो दुनिया को हैरान कर देता है. यहां डे ऑफ द डेड (मृतकों का दिन) से ठीक एक हफ्ता पहले, परिवार कब्रिस्तान पहुंचते हैं, कब्रें खोदते हैं और मृत परिजनों की हड्डियां बाहर निकालते हैं. इसके बाद धूप की तपिश में वे एक-एक हड्डी को पोंछते हैं, ब्रश से साफ करते है. लाश पर बचे हुए बालों को कंघी से झाड़ते हैं और नई सफेद चादर में लपेटकर वापस रख देते हैं. यह दृश्य डरावना लगता है, लेकिन पोमुच वासियों के लिए यह भावुक पुनर्मिलन है. उन्हें मृतकों से बातें करना, यादें ताजा करना और उन्हें 'सुंदर' बनाने का प्रेमपूर्ण कर्तव्य लगता है. भारत में जहां मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार से आत्मा को मुक्ति देने की परंपरा है, वहीं यहां मृत्यु को जीवन का हिस्सा बनाकर उत्सव का रूप दिया जाता है. यह रिवाज 'चू बा'अक' (हड्डी साफ करना) के नाम से जाना जाता है जो माया सभ्यता और कैथोलिक प्रभाव का अनोखा मिश्रण है. पोमुच, कैम्पेचे राज्य में स्थित यह शहर, प्राचीन माया संस्कृति का गढ़ रहा है. सदियों पुराना यह रिवाज मृतकों की स्मृति को जीवित रखने का माध्यम है. स्थानीय लोग मानते हैं कि हड्डियों को साफ ना करने पर मृत आत्मा नाराज हो सकती और परिवार को दुर्भाग्य का सामना करना पड़ सकता है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
मंगलवार, 28 अक्टूबर, 2025 3

सुविचार: सफलता हाथों की लकीरों में नहीं, माथे के पसीने में होती है! व्यक्ति अपने कर्मों से महान बनता है, ना की अपने जन्म से!

तेलंगाना प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना के लिए लागत और कुशल विकल्पों पर विचार : उत्तम

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने डॉ.बी.आर. अंबेडकर प्राणहिता-चेवेल्ला सुजला श्रावंथी परियोजना को तकनीकी और वित्तीय रूप से टिकाऊ तरीके से पुनर्जीवित करने के लिए लागत-कुशल विकल्पों पर विचार किया है। सोमवार को सचिवालय में सिंचाई परियोजनाओं पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, मंत्री ने कहा कि सरकार ने सुंडिला लिंक के माध्यम से एक संशोधित संरेखण की व्यवहार्यता का अध्ययन किया है, जिससे परियोजना व्यय में लगभग 10 से 12 प्रतिशत की कमी आ सकती है, भूमि अधिग्रहण में लगभग आधी कमी आ सकती है, और पिछली योजनाओं की तुलना में लगभग 1,500 से 1,600 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। उन्होंने कहा कि संशोधित संरेखण से कोयला-आधारित भूवैज्ञानिक क्षेत्रों को भी हटाया गया है, जिनकी वजह से पिछले मार्ग पर काम रुका हुआ था।

मंत्री ने कहा कि सरकार का व्यापक उद्देश्य लंबे समय से लंबित इस परियोजना का इस तरह पुनर्गठन करना था जिससे तकनीकी सुदृढ़ता, वित्तीय विवेकशीलता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी सुनिश्चित हो सके और साथ ही गोदावरी नदी का पानी तेलंगाना के ऊपरी और सूखाग्रस्त क्षेत्रों तक पहुंचाने का मूल लक्ष्य भी पूरा हो सके। मंत्री ने कहा, संशोधित सुंडिला लिंक को एक व्यावहारिक और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प के रूप में परखा गया। यह मौजूदा बुनियादी ढांचे का अधिक कुशलता से उपयोग करते हुए कोयला-आधारित संरचनाओं से संबंधित प्रारंभिक चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम प्रतीत हुआ। तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन पूरा होने के बाद सरकार एक सुविचारित निर्णय लेगी। मूल योजना में, तुम्मिडीहट्टी बैराज पर प्राणहिता नदी से पानी खींचकर 71 किलोमीटर लंबी नहर प्रणाली के माध्यम से येल्लमपल्ली बैराज तक पहुंचाया जाना था। हालांकि, परियोजना को बड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ा जब संरेखण के साथ कोयला परतों का पता चला, जिससे सुरंग बनाना जोखिम भरा और महंगा हो गया। नए प्रस्ताव में तुम्मिडीहट्टी और सुंडिला बैराजों के बीच एक सीधा संपर्क स्थापित करने का सुझाव दिया गया था, जिसमें कोयला क्षेत्रों को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया था।

विभागीय अध्ययनों में पाया गया कि यह मार्ग तकनीकी रूप से व्यवहार्य और आर्थिक रूप से मजबूत साबित हो सकता है, हालांकि विस्तृत डीपीआर और जमीनी सत्यापन अभी भी जारी है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, सुंदिला की ओर संरेखण को स्थानांतरित करके, कई भूवैज्ञानिक कठिनाइयों से बचा जा सकता है। यह मार्ग नहरों और सुरंगों की लंबाई को कम कर सकता है, निर्माण को सरल बना सकता है और पर्यावरणीय मंजूरी की आवश्यकता को कम कर सकता है। मंत्री ने कहा कि सिंचाई विभाग को पहले के सर्वेक्षणों को फिर से मान्य करने और व्यवहार्यता डेटा को अद्यतन करने के लिए नए भू-तकनीकी और स्थलाकृतिक अध्ययन करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने आगे कहा, हर कदम तकनीकी योग्यता और आर्थिक तर्क द्वारा निर्देशित होगा। अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि संशोधित संरेखण से लगभग 1,500 से 1,600 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है, जिसका मुख्य कारण छोटी संरचनाएं, कम खुदाई और मौजूदा पंपिंग बुनियादी ढांचे का पुन: उपयोग है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भूमि अधिग्रहण में लगभग 50 प्रतिशत की कमी आ सकती है, जिससे मुआवजे और पर्यावरणीय शमन में पर्याप्त बचत होगी।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि सरकार सामर्थ्य, कार्यक्षमता और पारिस्थितिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य सिंचाई क्षमता से समझौता किए बिना व्यय को अधिकतम करना था। हमारा ज़ोर टिकाऊ, ऊर्जा-कुशल डिज़ाइन पर था जिससे किसानों को दशकों तक लाभ हो। मंत्री ने अधिकारियों को हाइड्रोलिक मॉडलिंग, पर्यावरणीय आकलन, लागत-लाभ विश्लेषण और ऊर्जा आवश्यकताओं को शामिल करते हुए एक अद्यतन विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए एक संशोधित और व्यापक सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया। संशोधित डीपीआर, एक बार पूरा हो जाने पर, विचार-विमर्श के लिए राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा।

उत्नूर में वन बीट अधिकारी की मौत पर दलित संगठनों का प्रदर्शन

आदिलाबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दलित संगठनों के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को उत्नूर मंडल मुख्यालय में विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें हाल ही में आत्महत्या करने वाले वन बीट अधिकारी (एफबीओ) वाघमारे गौतम के परिवार को 20 लाख रुपये का मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की मांग की गई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि गौतम की मौत के बाद परिवार आर्थिक संकट में है और उनके घर का कोई कमाने वाला सदस्य नहीं बचा है। उन्होंने वन विभाग से तुरंत सहायता देने की अपील की।

संगठन के प्रतिनिधियों ने उत्नूर वन रेंज कार्यालय के अधिकारियों से मुलाकात की और जिला वन अधिकारी बी. प्रशांत पाटिल से फ़ोन पर बातचीत करते हुए मांग रखी कि गौतम के परिवार को जल्द से जल्द आर्थिक मदद और एक सदस्य को नौकरी दी जाए। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि मुआवजा स्वीकृत करने और परिवार को सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके बाद प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया। कार्यकर्ताओं ने प्रशासन की सकारात्मक प्रतिक्रिया के लिए आभार व्यक्त किया।

कोमटिरेड्डी ने धान और कपास की पूरी खरीद का आश्वासन दिया

कपास खरीद कार्यों का आकलन करने के लिए समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन निर्माण तथा छायांकन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सोमवार को आश्वासन दिया कि सरकार जिले के किसानों द्वारा उत्पादित धान और कपास का एक-एक दाना खरीदेगी और एक भी कट्ठा बिना खरीदे नहीं छोड़ेगी। मंत्री ने भुवनगिरी कलेक्ट्रेट में चल रहे धान और कपास खरीद कार्यों का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों से अब तक खरीदे गए धान की मात्रा के बारे में विस्तृत जानकारी ली और उन्हें निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि किसानों द्वारा लाए गए धान का वजन किया जाए, उसे ढका जाए और तुरंत मिलों तक पहुंचाया जाए, खासकर लगातार हो रही बारिश को देखते हुए। मंत्री ने कहा, किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। सरकार नमी के मानकों को पूरा करने वाला पूरा धान खरीदेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि खरीद कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को खरीद केंद्रों पर स्टॉक जमा होने से रोकने के लिए प्रतिदिन दो पालियों में लदान और परिवहन करने का निर्देश दिया। कोमटिरेड्डी ने बताया कि सरकार ने धान की फसल को बारिश से बचाने के लिए तिरपाल कवर उपलब्ध कराए हैं और किसानों को इन्हें अपने पास रखने की सलाह दी। अगले कुछ दिनों में और बारिश होने के पूर्वानुमान के मद्देनजर, उन्होंने किसानों से अपनी उपज की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानी बरतने का आग्रह किया। बैठक में भोंनगिरि के सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी, सरकारी सचेतक और अलेयर के विधायक भीरला इलैया, जिला कलेक्टर हनुमंत राव, डीसीपी अक्षांश यादव, अतिरिक्त कलेक्टर वीरा रेड्डी (राजस्व) और भास्कर राव (स्थानीय निकाय), एसीपी राहुल रेड्डी और अन्य जिला अधिकारी (एनएसएस) उपस्थित थे।

प्रेम में असफल युवक ने की आत्महत्या

शादी से इनकार के बाद लिया चरम कदम

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रेम में असफलता से आहत 26 वर्षीय युवक ने रविवार को शमशाबाद में आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान वानापर्थी जिले के निवासी वी. मधु के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, मधु अपने परिवार के साथ रोजगार की तलाश में शमशाबाद आकर इंद्र रेड्डी कॉलोनी में रह रहा था और दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करता था। वह एक महिला से प्रेम करता था और उससे शादी करना चाहता था। हाल ही में जब उसने विवाह प्रस्ताव रखा, तो महिला ने इनकार कर दिया। इससे मानसिक रूप से टूटकर मधु ने पास के एक शेड में लोहे की छड़ से फांसी लगाकर जान दे दी। आरजीआईए पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जुबली हिल्स उपचुनाव से पहले 100 से अधिक लोग हिरासत में

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव से पहले शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हैदराबाद पुलिस ने बड़ा एहतियाती कदम उठाते हुए कांग्रेस विधायक उम्मीदवार नवीन यादव के पिता चिन्ना श्रीशैलम यादव और कई अन्य उपद्रवी तत्वों सहित 100 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने यह कार्रवाई चुनाव आयोग के निर्देशों पर की, क्योंकि हाल ही में नवीन यादव की नामांकन रैली में कई उपद्रवी लोगों के शामिल होने की सूचना मिली थी।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, बोराबंडा पुलिस थाना क्षेत्र में 74 बदमाशों को और मधुरानगर क्षेत्र में चिन्ना श्रीशैलम के भाई रमेश यादव सहित 19 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने या सार्वजनिक शांति भंग करने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, उन्होंने बताया कि चुनाव अवधि के दौरान संदिग्ध गतिविधियों और उपद्रवी तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

डीजीपी ने पुलिस महानिरीक्षक को पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने पर बधाई दी

तेलंगाना पुलिस को उपाधि समर्पित : एम. रमेश

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने पुलिस महानिरीक्षक श्री एम. रमेश को बधाई दी, जिन्हें उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान करने के लिए योग्य घोषित किया गया है। पुलिस महानिरीक्षक ने 'तेलंगाना राज्य में पुलिस व्यवस्था के प्रदर्शन पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव' शीर्षक से व्यवसाय प्रबंधन विषय के अंतर्गत शोध प्रबंध प्रस्तुत किया।

तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने एम. रमेश की शैक्षणिक उपलब्धि की सराहना की और पुलिस व्यवस्था एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित समकालीन विषय पर शोध करने के उनके प्रयासों की सराहना की।

पुलिस महानिरीक्षक एम. रमेश ने कहा कि यह पीएचडी तेलंगाना पुलिस विभाग को समर्पित है। आईजीपी श्री रमेश ने अपने विभाग के कर्मियों के लिए शोध किया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि प्रौद्योगिकी का उपयोग करके वे वांछित कार्य-जीवन संतुलन प्राप्त कर सकते हैं। उन्हें उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा उनके शोध प्रबंध के लिए प्रबंधन में पीएचडी से सम्मानित किया गया, जिसका शीर्षक था 'तेलंगाना राज्य में पुलिसिंग के प्रदर्शन पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव'।

अध्ययन में पता चला है कि कैसे सीसीटीवी, एआई-आधारित एनालिटिक्स, टीएससीओपी, हॉक आई और एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली जैसे तकनीकी उपकरणों ने क्षेत्र संचालन, पारदर्शिता और नागरिक जुड़ाव को बढ़ाया है। यह अपराध का पता लगाने और सेवा दक्षता में सुधार के लिए एएफआईएस (स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली), एएनपीआर (स्वचालित नंबर प्लेट पहचान) और डिजिटल पासपोर्ट सत्यापन जैसी प्रणालियों के प्रभाव पर प्रकाश डालता है।

पूर्व तट रेलवे
विज्ञापन की ई-नीलामी
नीलामी सूचीपत्र सं. CAT-HyB-004
लॉट सं./श्रेणी: HyB-OnB-131662-25-1 (Hybrid NFR - On-board Hybrid)
विवरण: ट्रेन सं. 12805/12806 विशाखापट्टणम (VSKP)-लिंगमपल्ली (LPI)-विशाखापट्टणम (VSKP) जन्मभूमि सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस में ऑनबोर्ड यात्रियों के लिए मुफ्त में LIFESTYLE MAGAZINE का वितरण।
लॉट शुरू होने की तारीख एवं समय: 05.11.2025 को 1100 बजे।
लॉट बंद होने की तारीख एवं समय: 05.11.2025 को 1130 बजे।
दर इकाई: वार्षिक लाइसेंस शुल्क, ट्रिप/दिन: 800। न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2, लॉट की स्थिति: प्रकाशित सूचीपत्र में नया।
ऊपरोक्त ई-निविदा सूचना की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर
PR-729/Q/25-26

CLASSIFIEDS

नाम व जन्म, दिनांक में बदलाव

चक्रकोल्ला सुंदरम्मा धर्मपत्नी:स्व. नाईक चकरा कोल्ला रामदास ए. नं. 13934714w, # 14/145, अल्ली बेग स्ट्रीट, प्रोद्दूर (VI, पीओ, एम), वाईएसआर कडप्पा (जिला) 516360, यह बयान करती हूं कि, आर्मी रिकार्ड में मेरा नाम & जन्म दिनांक-चक्रकोल्ला सुंदरम्मा तथा 1-1-1958 के स्थानपर जे. सुंदरम्मा तथा 1-1-1957 विवरित है। देखें -एफिडविट दि.12-04-2025 समक्ष नोटरी पब्लिक (आं.प्र.सरकार)

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

केटीआर ने मस्कट में फंसे प्रवासी को भारत वापस लाने में की मदद

दो महीने से परेशानी झेल रहे बालसानी गौरैया सुरक्षित लौटे घर

राजन्ना-सिरसिला, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने एक बार फिर मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए मस्कट में फंसे एक खाड़ी प्रवासी की घर वापसी में मदद की। थंगल्लापल्ली मंडल के बसवापुर गांव के निवासी बालसानी गौरैया दो महीने पहले रोजगार की तलाश में मस्कट गए थे, लेकिन वहां एक एजेंट द्वारा धोखा देने के बाद वे मुश्किलों में फंस गए।

गौरैया को न केवल वादा किया गया वेतन नहीं मिला, बल्कि कंपनी ने उनका पासपोर्ट भी जब्त कर लिया था, जिससे वे पूरी तरह असहाय हो गए। कठिन परिस्थितियों में उन्होंने अपनी समस्या बताते हुए एक सेल्फी वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे स्थानीय व्हाट्सएप ग्रुपों में साझा किया। वीडियो देखने के बाद केटीआर ने तुरंत कदम उठाया और 12 अक्टूबर को मस्कट स्थित भारतीय दूतावास को पत्र लिखकर गौरैया की रिहाई और भारत वापसी सुनिश्चित करने की अपील की। उनके हस्तक्षेप के बाद गौरैया का पासपोर्ट वापस कर दिया गया और यात्रा के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता की व्यवस्था भी की गई। सोमवार सुबह गौरैया हैदराबाद हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां परिवार से मिलकर वे भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वे दोबारा भारत लौट पाएंगे। गौरैया ने समय पर मदद के लिए केटीआर के प्रति आभार जताया और इस प्रयास में सहयोग देने वाले सामाजिक कार्यकर्ता शेख मोहम्मद को भी धन्यवाद दिया।

धन कई गुना करने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। धन को कई गुना करने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बीते 21 अक्टूबर को गंडीमैसम्मा एक्स रोड, महावीर कॉम्प्लेक्स में हुई घटना का पुलिस ने खुलासा किया है।

आरोपियों की तलाश के लिए तुरंत अपराध दल और सीसीएस, मेडचल को तैनात किया गया। डीसीपी मेडचल जोन एन. कोटि रेड्डी ने बताया कि आरोपियों की तलाश करते हुए, 26 अक्टूबर को शाम के समय गंडीमैसम्मा में आरोपी मोहम्मद इरफान, गुगोलोथ रविंदर, कविरा साईं बाबा और ठाकुर मनोहर सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

इन आरोपियों में कुछ का पुराना इतिहास रहा है। डीसीपी ने बताया कि आरोपियों ने शुरूआत में निर्दोष व्यक्ति को निशाना बनाया और उसे विश्वास दिलाया कि अगर वह बारिश पूजा करेगा। इस दौरान पूजा में रखी धनराशि पूजा पूरी होने के बाद कई गुना बढ़ जाएगी। बारिश पूजा के बाद, आरोपी उसे प्रसाद के रूप में मिठाई और बादाम के दूध में नशीला पदार्थ मिलाकर देते हैं। प्रसाद खाने के बाद, जब व्यक्ति बेहोश हो जाता है, तो आरोपी उक्त राशि लेकर भाग जाते हैं। मोहम्मद इरफान से 8,50,000 रुपये नकद, देशी हथियार और चाकू बरामद किया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी एवं बरामदगी चौधरी शंकर रेड्डी सहायक. पुलिस आयुक्त, मेडचल डिवीजन के पर्यवेक्षण में पी.सतीश, इंस्पेक्टर पीएस डंडीगल, के एम.बालरेड्डी डीआई, पी. किरण डीआई मेडचल, पी. डाली नायुडू सीसीएस इंस्पेक्टर, मेडचल, एसआईपी डीएन ईश्वर, क्राइम स्टाफ एचसी ई. वेंकटैया, पीसी जे. रजनीकांत, पीसी बी.बाल रेड्डी, एचजी लचैया द्वारा की गई।

बीआरएस नेता कोप्पुला ईश्वर और कोरुकंती चंदर गिरफ्तार

मंत्री अदलुरी लक्ष्मण को खुले मंच पर बहस की दी थी चुनौती, पुलिस से हुई झड़प

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सोमवार को राजनीतिक माहौल उस समय गर्मा गया जब बीआरएस के वरिष्ठ नेता कोप्पुला ईश्वर और विधायक कोरुकंती चंदर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों नेता राज्य सचिवालय के पास स्थित 125 फुट ऊंची डॉ.बी.आर. अंबेडकर प्रतिमा के सामने प्रदर्शन करने पहुंचे थे, जहां पुलिस ने उन्हें रोक लिया। दोनों नेता अपने समर्थकों के साथ मंत्री अदलुरी लक्ष्मण को बीआरएस और कांग्रेस सरकारों के कामकाज की तुलना पर खुली बहस की चुनौती देने पहुंचे थे। इससे पहले ईश्वर ने सार्वजनिक रूप से लक्ष्मण को चुनौती दी थी कि वे बीआरएस के दस साल के शासन और कांग्रेस के दो साल के शासन की उपलब्धियों पर आमने-सामने चर्चा करें।

जवाब में मंत्री अदलुरी लक्ष्मण ने कहा था कि वे बहस के लिए तैयार हैं, लेकिन केवल बीआरएस के वरिष्ठ नेता टी. हरीश राव के साथ। उन्होंने टिप्पणी की थी, अगर हरीश राव में हिम्मत है, तो वे चर्चा के लिए आएं। मैं अपने घर पर तैयार हूं, लेकिन कोप्पुला ईश्वर के साथ बहस नहीं करूंगा, क्योंकि मैंने उन्हें हराया है। सोमवार को कोप्पुला ईश्वर और कोरुकंती चंदर जब अपने समर्थकों के साथ अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर पहुंचे तो वहां पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान पुलिस और बीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद दोनों नेताओं को हिरासत में लेकर पास के पुलिस थाने में ले जाया गया।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बीआरएस के वरिष्ठ नेता टी. हरीश राव ने कहा कि कोप्पुला ईश्वर तो बहस के लिए स्थल पर पहुंचे थे, लेकिन मंत्री लक्ष्मण खुद आने के बजाय पुलिस भेज दी। उन्होंने कहा, अगर कांग्रेस सरकार में हिम्मत है तो चर्चा से क्यों डर रही है? जनता जानना चाहती है कि दो साल में क्या किया गया। हरीश राव ने आगे कहा कि सरकार के भीतर भी मतभेद और असंतोष हैं, और यह कैबिनेट की बैठकों में भी साफ दिखाई दे रहा है।

टीजीएसआरटीसी सुरक्षित यात्रा में अग्रणी : वाई. नागी रेड्डी

प्रबंध निदेशक ने एसी और नॉन-एसी बसों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नूल के निकट हाल ही में हुई निजी ट्रैवल बस दुर्घटना के मद्देनजर, प्रबंध निदेशक वाई. नागी रेड्डी ने एक बार फिर टीजीएसआरटीसी द्वारा यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुरक्षित परिवहन सेवाओं का निरीक्षण किया।

सोमवार को उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ मियापुर-1 डिपो का निरीक्षण किया। मियापुर-1 डिपो में लहरी स्लीपर, लहरी एसी स्लीपर कम सीटर, राजधानी और सुपर लग्जरी बसों का निरीक्षण किया गया और अग्नि सुरक्षा के लिए उनमें लगे अग्नि संसूचन अलार्म और अग्नि शमन प्रणालियों की कार्यप्रणाली की जांच की गई।

इसके अतिरिक्त, आपातकालीन स्थितियों में यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए अपनाए जाने वाले मानक प्रोटोकॉल विधियों की समीक्षा कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ की गई। यात्रा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में चालकों को कई निर्देश दिए गए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने के आदेश दिए कि सभी बसों में आपातकालीन द्वार, खिड़कियां तोड़ने के लिए आवश्यक संख्या में ब्रेकर, अग्निशामक यंत्र आदि हर समय उपलब्ध हों। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए, उन्होंने बसों के रवाना होने से पहले यात्रियों को स्वागत संदेश के साथ सुरक्षा संबंधी जानकारी देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई दुर्घटना होती है, तो सबसे पहले यात्रियों को बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यात्रियों को सुरक्षित परिवहन सेवाएं प्रदान करने के लिए कर्मचारियों को हमेशा कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि टीजीएसआरटीसी यात्रियों को सुरक्षित यात्रा प्रदान कर रहा है और सुरक्षित यात्रा पर कई लोगों की जान निर्भर करती है।

जीपीओ रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

मुल्कालापल्ली में एसीबी की कार्रवाई, 15,000 रुपये लेते पकड़ा गया अधिकारी

कोत्तागुडेम, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुल्कालापल्ली मंडल में सोमवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने पुसुगुडेम राजस्व क्लस्टर के ग्राम परिपालन अधिकारी (जीपीओ) बनवथ श्रीनिवास नाइक को 15,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, आरोपी जीपीओ ने वेमुकुंटा गांव के सर्वे नंबर 254/एए में 2.30 एकड़ कृषि भूमि के पंजीकरण और पट्टादार पासबुक जारी करने के लिए शिकायतकर्ता से कुल 60,000 रुपये की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने पहले 30,000 रुपये फ़ोनपे के जरिए और 10,000 रुपये नकद दिए थे। इसके बाद आरोपी ने शेष 20,000 रुपये की मांग की और 15,000 रुपये लेने पर राजी हुआ।

एसीबी ने पूर्व नियोजित जाल बिछाया और तहसीलदार कार्यालय में रिश्वत लेते हुए श्रीनिवास नाइक को गिरफ्तार कर लिया। एसीबी खम्मम रेंज के डीएसपी वाई रमेश ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि अधिकारी ने संभवतः अपने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर यह रिश्वत मांगी थी। उन्होंने कहा कि मामले की गहन जांच जारी है और अन्य संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

आरोपी को वारंगल स्थित एसीबी और एसपीई मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा। यह राज्य में पहला मामला है जब किसी ग्राम परिपालन अधिकारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। गौरतलब है कि पिछली सरकार ने भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद वीआरओ/वीआरए प्रणाली को समाप्त कर दिया था, लेकिन वर्तमान कांग्रेस सरकार ने सितंबर में इन अधिकारियों को ग्राम परिपालन अधिकारी (जीपीओ) के रूप में पुनः नियुक्त किया था।

सीएम योगी ने की घोषणा

मुस्तफाबाद का नाम होगा 'कबीरधाम'

लखीमपुर खीरी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद स्थित विश्व कल्याण आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने 'स्मृति प्राकट्योत्सव मेला-2025' में भाग लिया और पूज्य संतों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में प्रदेश के धार्मिक स्थलों का पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है, जबकि पहले यही पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री बनाने में लगता था।

उन्होंने मुस्तफाबाद का नाम बदलकर कबीरधाम रखने की घोषणा की।सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकारों में अयोध्या को फैजाबाद, प्रयागराज को इलाहाबाद और कबीरधाम को मुस्तफाबाद बनाया गया था। हमने इन स्थलों की पहचान वापस लौटाने का कार्य किया है। विपक्ष इसे सेक्युलरिज्म के नाम पर करता था, जबकि यह पाखंड है। कबीरधाम आश्रम में आयोजित इस भव्य आयोजन में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रभक्ति, सनातन परंपरा, विरासत के सम्मान और विकास की दिशा में सरकार की उपलब्धियों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। सीएम योगी ने कहा कि संत कबीरदास जी की वाणी आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रही है। उन्होंने निर्गुण भक्ति की वह धारा प्रवाहित की जो समाज की विसंगतियों को तोड़कर आत्मा और परमात्मा का संबंध सरल शब्दों में आमजन को समझाने में सफल रही।

सीएम योगी ने कहा कि 'गुरु गोविंद दोनों खड़े काके लागूं पांव...' यह दोहा आज भी हमें गुरु के महत्व का स्मरण कराता है। संतों की वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी सैकड़ों वर्ष पूर्व थी। 'कबीरदास जी ने उस दौर में समाज की जातीय विषमताओं पर प्रहार कर कहा था, 'जाति पाति पूछे न कोई, हरि को भजे सो हरि का होई।' यह वाणी हमारे समाज की एकता और अखंडता की आधारशिला है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि देश की एकता को तोड़ने वाली शक्तियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। आज भी समाज विरोधी ताकतें आस्था पर प्रहार करने और जाति के नाम पर विभाजन करने की कोशिश कर रही हैं। अगर हम समय रहते अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानेंगे तो ये बीमारियां कैंसर की तरह समाज को खोखला कर देंगी।

सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रभक्ति ही सभी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने कहा कि लखीमपुर खीरी जैसे सीमावर्ती जिलों में भी विकास की नई धारा बह रही है। गांव-गांव सड़कें बन रही हैं, मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो रही है, एयरपोर्ट का विस्तार किया जा रहा है और ईको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि गोला गोकर्णनाथ धाम और कबीरधाम जैसे धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार से आस्था और पर्यटन दोनों को बल मिल रहा है। सीएम योगी ने संत असंगदेव जी महाराज के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे धर्म, नशा मुक्ति और राष्ट्र चेतना का अद्भुत कार्य कर रहे हैं। उन्होंने नशा मुक्ति पर बोलते हुए कहा कि नशा नाश का कारण है। विदेशी ताकतें हमारे युवाओं को बर्बाद करने की साजिश रच रही हैं। फोन का इस्तेमाल सीमित करें और आत्मविकास पर ध्यान दें।

जात-पात देश की गुलामी का कारण रहा; लखीमपुर के कबीरधाम से दिया एकजुटता का संदेश

लखीमपुर खीरी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद स्थित कबीरधाम पर पहुंचे। उन्होंने यहां कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एकजुटता का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कबीरदास ने जातीयता पर प्रहार किया। जाति की विसंगितयों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा था कि जात-पात पूछे ना कोई, हरि को भजे सो हरि का होइ। मुख्यमंत्री ने कहा कि जात-पात देश की गुलामी का कारण रहा था। जाति के नाम पर समाज का विभाजन हुआ था। इस विभाजन से उबारने के लिए उस समय गुरु रामानंद, कबीरदास, रविदास समेत अनेक संतों ने समाज को नई दिशा दी। उनकी वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितना उस समय थी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज भी समाज की आस्था पर प्रहार हो रहे हैं। जातीय आधार पर समाज को विभाजित करने की साजिश हो रही है। कुछ न कुछ ऐसी टिप्पणी होती हैं, जो भारत और भारतीयता को अपमानित करती हैं।

लखनऊ में अंसल कंपनी पर 18 लाख की ठगी का मामला

सुशांत गोल्फ सिटी थाने में केस दर्ज, अब तक 285 एफआईआर

लखनऊ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित अंसल कंपनी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। सुशांत गोल्फ सिटी थाने में अंसल कंपनी के खिलाफ ठगी का एक और मामला दर्ज हुआ है।

कंपनी के अधिकारियों पर करीब 18 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। चिनहट निवासी पीड़ित रेखा सिंह ने इस मामले में सुशांत गोल्फ सिटी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। इस तरह अंसल ग्रुप के खिलाफ दर्ज एफआईआर की संख्या बढ़कर 285 के पार पहुंच गई है। दरअसल पीड़िता रेखा सिंह ने बताया कि उनके पिता बब्बन सिंह ने साल 2014 में सुशांत गोल्फ सिटी अंसल के सेक्टर-एन, पॉकेट नंबर-1, प्लॉट संख्या N-1/50 में 194 वर्गगज का प्लॉट खरीदा था। इसके एवज में लगभग 18 लाख रुपये का भुगतान चेक और डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से किया था। पीड़िता के मुताबिक, उनके पिता ने कई बार अंसल कार्यालय जाकर कब्जा दिलाने की मांग की थी। लेकिन कंपनी के कर्मचारियों ने हर बार झूठे आश्वासन देकर मामला टाल दिया था। पीड़िता रेखा सिंह ने बताया कि साल 2022 में उनके पिता का निधन हो गया था। इसके बाद से उन्होंने खुद कंपनी से संपर्क किया था, लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं निकला है।

पीड़िता का कहना है कि लगातार टालमटोल और वादाखिलाफी से वह मानसिक रूप से बेहद परेशान हैं।

इस संबंध में उन्होंने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में तहरीर देकर अंसल गोल्फ सिटी लखनऊ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। सुशांत गोल्फ सिटी थाने में धारा 420 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

आग का गोला बना रेस्टोरेंट

बचाओ-बचाओ चिल्ला रही थी भीड़, लपटों में घिरीं तीनों मंजिल; सड़क तक भी फैल गई

मुरादाबाद, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद में छुट्टी का दिन होने के कारण लोग परिवार समेत परी रेस्टोरेंट में खाना खाने आए थे। म्यूजिक के बीच खाने का लुत्फ उठा रहे लोगों में अचानक धुएं का गुबार देख दहशत छा गई। जब तक कुछ समझ पाते आग की लपटें नजदीक पहुंचने लगीं। देखते ही देखते सुकून भरे माहौल में बदहवासी छा गई। आग का गोला बने रेस्टोरेंट की पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल पर मौजूद लोगों ने बाहर निकलना चाहा, लेकिन कोई रास्ता नहीं मिला। आग विकराल होती जा रही थी। मौत सिर पर देख लोग नीचे कूद पड़े। कोई टिन शेड पर गिरा, कोई खंभे का सहारा लेकर कूद गया। नीचे गिरे लोगों में कई चोटिल हो गए। आग की लपटों में घिरे रेस्टोरेंट को देख बाहर भी भीड़ लग गई थी। अंदर फंसे ग्राहकों को कूदता देख भीड़ बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगी। किसी तरह लोग सुरक्षित नीचे आए, तब लोगों ने राहत की सांस ली।

कानपुर में बच्ची के साथ चाचा ने किया था दुष्कर्म

पुलिस ने मुठभेड़ में कर दिया लंगड़ा

कानपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर से रिश्तों को कलंकित करने वाली शर्मनाक घटना सामने आई है। पांच साल की बच्ची से उसके पारिवारिक चाचा ने दुष्कर्म किया था। आरोपी बच्ची को चारपाई से उठा ले गया था। दुष्कर्म के बाद शौचालय में फेंककर भाग गया था। रविवार रात पुलिस ने मुठभेड़ में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। पुलिस आरोपी के पास से तमंचा और कारतूस भी बरामद किया है। घाटमपुर थाना क्षेत्र स्थित एक गांव निवासी युवक भाई दूज के मौके पर पत्नी और तीन साल के बेटे को लेकर ससुराल गया था। पांच साल की बेटी को उसकी दादी और चाचा के पास छोड़ गया था। बीती शुक्रवार रात बच्ची दादी के साथ घर के बाहर सो रही थी। जानकारी के मुताबिक, आधी रात के करीब किसी ने बच्ची के साथ हैवानियत की। इसके बाद उसे बाथरूम में फेंक कर फरार हो गया। शनिवार सुबह जब बच्ची के चाचा उठे और बाथरूम में गए तो बच्ची की हालत देखकर चीख पड़े।

पारिवारिक चाचा ने किया था दुष्कर्म

दुष्कर्म की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब जांच पड़ताल की तो सामने आया कि पड़ोस में रहने वाले पारिवारिक चाचा ने अनुराग उर्फ सुलखान ने वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने सुलखान के खिलाफ रेप और पॉक्सो की धारा में रिपोर्ट की। दुष्कर्म के आरोपी अनुराग उर्फ सुलखान की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें तलाश में जुटी थीं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस रविवार देर रात रतनपुर बलाहापारा के जंगलों में तलाश कर रही थी।

जंगल में छिपा था आरोपी

पुलिस ने आरोपी अनुराग उर्फ सुलखान की घेराबंदी की तो उसने फायर झोंक दिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली आरोपी के दाहिने पैर में जा लगी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपी को पुलिस ने घाटमपुर सीएचसी में भर्ती कराया है। घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत के मुताबिक, आरोपी के जंगल में छिपे होने की सूचना थी। जब टीम ने उसकी घेराबंदी की तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में घायल होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

छठ घाट बनाने के दौरान गंगा में डूबे चार मासूम

भागलपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियों के बीच भागलपुर से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। नवगछिया अनुमंडल के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र के नवटोलिया गांव में छठ घाट बनाने के दौरान गंगा नदी में डूबने से चार बच्चों की मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, सोमवार की दोपहर गांव के कुछ बच्चे गंगा किनारे छठ घाट तैयार करने पहुंचे थे। घाट की सफाई और सजावट के बाद चारों बच्चे नदी में स्नान करने लगे। इस दौरान एक बच्चा अचानक गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए बाकी तीनों बच्चे भी नदी में उतर गए, लेकिन वे सभी तेज धारा में बह गए और देखते ही देखते पानी में समा गए।

प्यार-धोखा और कत्ल : पेट्रोल से लगाई आग, फिर सिलिंडर से किया धमाका-क्राइम सीरीज देख लिव-इन पार्टनर का मर्डर

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के गांधी विहार इलाके में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रहे रामकेश मीणा (32) की हत्या के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। हत्याकांड को उसकी लिव इन पार्टनर ने अपने पूर्व प्रेमी और एक अन्य के साथ अंजाम दिया था। पुलिस जांच में चौंकाने वाले राज खुले हैं।

पुलिस ने मामले में मृतक रामकेश की लिव-इन पार्टनर, जो एक फोरेंसिक की छात्र है, और उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमृता चौहान (21), सुमित कश्यप (27) और संदीप कुमार (29) के रूप में हुई है। सभी मुरादाबाद जिले (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले हैं। उत्तरी जिला के तिमारपुर इलाके में 5 अक्टूबर की रात यूपीएससी की तैयारी कर रहे

छात्र रामकेश मीणा (32) की मौत आग लगने से नहीं हुई थी। उसकी हत्या की गई थी। पुलिस ने हत्या की इस सनसनीखेज वारदात को सुलझाते हुए रामकेश के साथ सहमति संबंध में रहने वाली युवती समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, रामकेश के पास अमृता के अश्लील वीडियो और फोटो एक हार्ड डिस्क में थे। बार-बार मांगने पर वह उनको नहीं दे रहा था। इसी बात पर अमृता ने अपने पूर्व प्रेमी सुमित के साथ मिलकर रामकेश की हत्या की साजिश रची। पांच अक्तूबर की रात को उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी गई। हत्या करने के बाद पेट्रोल डालकर कमरे में आग लगा दी। बाद में रसोई से एलपीजी सिलिंडर को खोलकर उसे भी आग में रख दिया गया। आग लगाने से पहले आरोपियों ने हार्ड डिस्क, ट्रॉली बैग व अन्य सामान कमरे से ले लिया। पुलिस ने इसको बरामद कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। युवती से सुनाई साजिश की कहानी पूछताछ में अमृता ने अपराध कबूल करते हुए घटनाक्रम की जानकारी दी। उसने बताया कि वह मृतक रामकेश मीणा के साथ मई 2025 से सहमति संबंध में रह रही थी। अश्लील फोटो और वीडियो डिलीट करने को कहा तो वह तैयार नहीं हुआ। यह बात उसने अपने पूर्व प्रेमी सुमित कश्यप को बताई। हत्या में सुमित ने अपने दोस्त संदीप को शामिल किया। 5-6 अक्तूबर की रात तीनों ने रामकेश की गला दबाकर हत्या कर दी। बाद में कमरे में पेट्रोल और शराब डालकर शव को आग के हवाले कर दिया।

तेजस्वी के 'वक्फ कानून कूड़ेदान में फेंक देंगे' वाले बयान पर भाजपा-जदयू का पलटवार

पटना, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के महागठबंधन की सरकार बनने के बाद वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंकने वाले बयान पर जदयू और भाजपा ने पलटवार किया।

बिहार जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के बयान पर हैरानी जताई और उन्हें संविधान की एक कॉपी देने की सलाह दे दी।जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून संसद से पारित हो गया, सुप्रीम कोर्ट ने विचार कर इस पर मुहर लगा दी। क्या राज्य सरकार को ऐसा अधिकार है? नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए आगे कहा कि जब वक्फ की संपत्ति लूटी जा रही थी और लालू यादव मौन बैठे हुए थे, इसका अपराध उन्हें कबूल करना चाहिए। पटना अंजुमन इस्लामिया हॉल को खंडहर बना दिया गया था, नीतीश कुमार ने उसे शीशमहल बना दिया। वक्फ की संपत्ति का अगर विकास देखना है तो पटना में विभिन्न इमारतें बनाई गई हैं।

इधर, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने तेजस्वी यादव द्वारा सत्ता में आने पर वक्फ बिल फाड़कर कूड़ेदान में फेंकने की घोषणा पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश की संसद द्वारा पारित बिल फाड़ने की घोषणा करना तेजस्वी यादव के अमर्यादित, असंसदीय और संविधान विरोधी आचरण को दर्शाता है। जब विपक्ष में रहकर वे इस प्रकार का व्यवहार कर रहे हैं तो सत्ता में आने पर अराजकता और आतंक फैलाने के अलावा कुछ भी नहीं करेंगे।

सिन्हा ने आगे कहा कि राजद-कांग्रेस के चयनित तुष्टिकरण और जंगलराज की पराकाष्ठा के दौर में तेजस्वी यादव का लालन-पालन हुआ है। लिहाजा उनसे लोकतांत्रिक परिपाटी के ज्ञान और संसदीय मर्यादा की उम्मीद करना बेमानी है। पूरा देश इस बात से वाकिफ है कि वक्फ संशोधन बिल एक बहुप्रतीक्षित मांग और सुप्रीम कोर्ट के बार-बार निर्देशित करने पर देश की संसद द्वारा पारित हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एनडीए सरकार का स्पष्ट सिद्धांत है कि वोट बैंक के लिए हम कोई कानून नहीं लाएंगे क्योंकि कानून न्याय और लोगों के कल्याण के लिए होता है।

रास्ता खाली कराने को लेकर दलित परिवार पर हमला, मुकदमा दर्ज

बस्ती, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बस्ती में मंदिर दर्शन से लौट रहे एक दलित परिवार पर विशेष समुदाय के लोगों ने हमला कर दिया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, दलित परिवार ऑटो से मंदिर से लौट रहा था, तभी रास्ते में विशेष समुदाय के लोग बकरियां चरा रहे थे। रास्ता खाली कराने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई।देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि विवाद मारपीट में तब्दील हो गया। विशेष समुदाय के लोगों ने दलित परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में दलित परिवार के कई सदस्य घायल बताए जा रहे हैं।

एएमयू में दाखिला से वंचित विद्यार्थियों को जौहर यूनिवर्सिटी में मिलेगा मौका, आजम खान ने किया तय

अलीगढ़, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में दाखिला से वंचित विद्यार्थियों को मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी रामपुर में मौका मिलेगा। एएमयू के एनआरएससी क्लब के पूर्व सीनियर हाल गुलजार अहमद की जौहर यूनिवर्सिटी के चांसलर व पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान से रामपुर में हुई मुलाकात में इस पर सहमति बनी।

गुलजार अहमद ने बताया कि आजम खान ने कहा कि मेरा मकसद उस तालीम के चिराग को रोशन करना था, जिसका ख्वाब सर सैयद ने देखा था।

इसके लिए मुझे कुर्बानी देनी पड़ी है। यह अलीग बिरादरी की जिम्मेदारी है कि वह जौहर यूनिवर्सिटी को आगे बढ़ाने का काम करें। जिनके पास शिक्षा का शौक तो है, लेकिन तालीम का जरिया नहीं है। ऐसे सभी बच्चों के लिए यूनिवर्सिटी के दरवाजे खुले हुए हैं। गुलजार अहमद ने यूनिवर्सिटी के उप कुलपति प्रो. जहीरउद्दीन से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि जल्द ही एएमयू के स्कूलों और प्रदेश के कई जगहों पर मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की एक टीम दौरा करेगी, जिससे बच्चों को यहां दाखिला कराया जा सके।

श्रीराम जन्मभूमि में सप्त मंडप समेत सभी मंदिरों का निर्माण पूरा

ध्वजदंड और कलश भी स्थापित

अयोध्या, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य मंदिर समेत परकोटे के छह मंदिरों शिव, गणेश, हनुमान, सूर्य, मां भगवती, मां अन्नपूर्णा और शेषावतार मंदिर का निर्माण पूरा हो गया है।

साथ ही इन सभी पर ध्वजदंड और कलश भी स्थापित कर दिया गया है। यह जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय ने दी। इसके अलावा सप्त मंडप (महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य, निषाद राज, शबरी, ऋषि पत्नी अहिल्या) का निर्माण भी पूरा हो गया है। संत तुलसीदास का मंदिर भी पूरा हो गया है। गिद्ध राज जटायु और गिलहरी भी स्थापित हो गई है। इसके साथ ही दर्शनार्थियों की सुविधा और व्यवस्था से सीधे जुड़े सभी कार्य पूरे कर लिए गए

बिहार चुनाव में तेजप्रताप बने तेजस्वी यादव के लिए गले की फांस : राजीव रंजन

पटना, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इसी क्रम में जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने लालू यादव के दोनों बेटों तेजप्रताप और तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि तेजप्रताप यादव अब तेजस्वी यादव के लिए गले की फांस बन गए हैं।

जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, तेजप्रताप का बागी रुख अपनाना तेजस्वी यादव के नेतृत्व पर एक बड़ा सवाल उठाता है। जो व्यक्ति अपने परिवार को एकजुट नहीं रख सकता, जो गठबंधन को एक साथ नहीं बांध सकता, वह राज्य का नेतृत्व क्या करेगा? यह सच है कि किसी गठबंधन ने किसी को मुख्यमंत्री का चेहरा बना दिया, लेकिन जब जनता की मुहर लगती है तब ही कोई मुख्यमंत्री बन पाता है। वहां कोई वैकेंसी नहीं है। नीतीश कुमार एक बार फिर राज्य के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता

ने आरजेडी महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी के बयान 'तेजस्वी को जननायक बनने में समय लगेगा' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, जननायक कोई सोने की चम्मच लेकर नहीं बन पाता है। तेजस्वी यादव की पहचान क्या है? अगर वे लालू यादव के बेटे न होते, तो नौजवानों की एक बड़ी फौज में शामिल होते, किसी पार्टी के कार्यकर्ता होते या नौकरी के लिए लाइन में खड़े होते। उन्होंने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर थे, जो एक गरीब परिवार में जन्मे और शिखर तक का सफर तय किया। उनकी पूरी जिंदगी बेदाग रही, वे आम लोगों के जीवन की बेहतरी के लिए लड़ते रहे। कर्पूरी जी जैसा बनना इतना आसान लक्ष्य नहीं है।

राजीव रंजन ने 2 नवंबर को पटना में होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली पर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बिहार आना खुशियों का अवसर है। जब भी वे आए हैं, बिहार के लिए खास सौगात लेकर आए हैं। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की इस जोड़ी का मुकाबला करने की ताकत विपक्ष में नहीं है।

बदायूं में जामा मस्जिद या नीलकंठ महादेव मंदिर?

कोर्ट ने बढ़ाई तारीख-अगली सुनवाई 25 नवंबर को

बदायूं, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं में नीलकंठ महादेव मंदिर और जामा मस्जिद विवाद मामले की सुनवाई टल गई है। कोर्ट ने अगली तारीख 25 नवंबर निर्धारित की है। यह प्रकरण 2022 से विचाराधीन है, जिसमें अखिल भारतीय हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश पटेल मुख्य वादी हैं। उनके साथ अन्य अधिवक्ता और हिंदूवादी नेता भी पक्षकार बने हुए हैं। वादी पक्ष का दावा है कि जामा मस्जिद के स्थान पर पहले नीलकंठ महादेव मंदिर था, जिसे आक्रांताओं ने मस्जिद में बदल दिया। उनका कहना है कि मूल शिवलिंग आज भी बदायूं के दरीबा क्षेत्र स्थित एक मंदिर में सुरक्षित है। पुरातत्व विभाग की रिपोर्ट कोर्ट में पेश हो चुकी है। इंतजामिया कमेटी की ओर से बहस जारी है। उनका तर्क है कि यह स्थान सदियों से मस्जिद ही रहा है और कभी मंदिर नहीं था। साथ ही मामला सुनवाई योग्य नहीं है। फिलहाल मुस्लिम पक्ष की दलीलें चल रही हैं।

'मैंने कभी जरांगे के खिलाफ कुछ नहीं कहा, मराठा-ओबीसी एकता की जरूरत'

मंत्री पंकजा मुंडे का बडा बयान

बीड, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे ने आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे का समर्थन किया और अपील की कि मराठा और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों को मिलकर अपने मतभेद सुलझाने चाहिए। बीड जिले के परली में रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुंडे ने कहा, पिछले साल लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने जो बयान दिए, उनको गलत तरीके से पेश किया गया और उन्होंने कभी भी मनोज जरांगे के खिलाफ कुछ नहीं कहा।

'मेरे भाषण को गलत समझा गया'

कार्यक्रम में मनोज जरांगे भी मौजूद थे। इस दौरान पंकजा मुंडे ने मराठा और ओबीसी समुदायों के बीच मित्रता और एकता की बात की और दोनों पक्षों से बढ़ते सामाजिक मतभेदों को मिटाने की अपील की। मुंडे ने कहा, मैंने मनोज जरांगे के खिलाफ कुछ नहीं कहा है। मेरे लोकसभा चुनाव के दौरान के भाषण को गलत समझा गया। अगर वह फिर से अनशन पर बैठते हैं, तो मैं बतौर कैबिनेट मंत्री उनसे मिलने जाने को तैयार हूं, लेकिन मैं कानून की मर्यादा से बाहर कोई कदम नहीं उठाऊंगी।

'गलत का समर्थन नहीं करूंगी'

ओबीसी समुदाय से आने वाली पंकजा मुंडे ने कहा कि उनके पिता दिवंगत गोपीनाथ मुंडे एक समावेशी और जनता के हित में काम करने वाले नेता थे और वह उनके आदर्शों पर चलना चाहती हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई व्यक्ति मेरे ही समुदाय से क्यों न हो, लेकिन अगर उसका रुख गलत है, तो मैं उसका समर्थन नहीं करूंगी।

सरकारी आदेश से ओबीसी नेताओं में नाराजगी

दो सितंबर को महाराष्ट्र सरकार ने हैदराबाद गजट लागू करने को लेकर एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी किया था, जिसके तहत मराठा समुदाय के योग्य सदस्य कुणबी जाति के प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर सकते हैं। इससे मराठा समुदाय को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में ओबीसी वर्ग के तहत आरक्षण का लाभ मिल सकेगा। यह आदेश तब जारी किया गया था, जब मनोज जरांगे ने 29 अगस्त से मुंबई में पांच दिन का अनशन किया था। हालांकि, इस फैसले के बाद ओबीसी समुदाय के नेताओं में असंतोष दिखाई दिया।

छह महीने में 360 करोड़ की तस्करी-दिल्ली कस्टम्स ने 74 लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली कस्टम्स ने पिछले छह महीनों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 360 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सोने और मादक पदार्थों की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में 74 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जब्त किए गए सामानों में 26.269 किलोग्राम सोना और 239 किलोग्राम नशीले पदार्थ शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत 362.71 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। दिल्ली कस्टम्स ने एक्स सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अब तक 26.269 किलोग्राम सोना जब्त किया गया है।

कॉन्ट्रैक्ट मैरिज आइल्टस पास लड़की से शादी

पति ने 33 लाख खर्च कर भेजा कनाडा और फिर मिला धोखा

हलवारा, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब से कनाडा गई नई नवेली दुल्हन ने पति को ठुकरा दिया। आरोप है कि लड़की को विदेश भेजने के लिए ससुरालियों ने 33 लाख रुपये खर्च किए थे। कनाडा पहुंचने के बाद लड़की ने पति से रिश्ता ही तोड़ दिया। रायकोट सदर पुलिस ने ससुराल से 33 लाख की धोखाधड़ी के आरोपी में मोगा के गांव धूलकोट निवासी युवती हरमनप्रीत कौर, उसकी मां करमजीत कौर और पिता रंजीत सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया है। दविंदर सिंह निवासी बोपाराय खुर्द ने मामले में जिला लुधियाना ग्रामीण पुलिस प्रमुख एसएसपी डॉ. अंकुर गुप्ता को 12 अगस्त को शिकायत की थी। एसएसपी के आदेश पर केस दर्ज किया गया है। दविंदर सिंह ने शिकायत में बताया कि वे अपने बेटे लवप्रीत सिंह को कनाडा भेजने के लिए आईलेट्स पास लड़की की तलाश कर रहे थे। वे कॉन्ट्रैक्ट मैरिज के जरिये बेटे को कनाडा भेज पीआर करवाना चाहते थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात हरमनप्रीत कौर और उनके परिवार के साथ हुई। उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट मैरिज का एग्रीमेंट कर लिया।

वोडाफोन-आइडिया को एजीआर विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने दी बड़ी राहत

सरकार को बकाया मांगों पर विचार की अनुमति

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र को दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की एजीआर से जुड़ी याचिका पर विचार करने की अनुमति दे दी।

कंपनी ने दूरसंचार विभाग की 2016-17 तक की अवधि के लिए अतिरिक्त समायोजित सकल राजस्व (एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू या एजीआर) मांगों को रद्द करने का निर्देश देने के लिए अदालत का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यह मुद्दा सरकार के नीतिगत अधिकार क्षेत्र में आता है।

सरकार की वोडाफोन-आइडिया में 49 फीसदी हिस्सेदारी

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने वोडाफोन-आइडिया की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया। याचिका में दूरसंचार विभाग (डीओटी) की ओर एजीआर-संबंधित मांगों को चुनौती दी गई थी। कंपनी ने तर्क दिया कि ये अतिरिक्त दावे अस्थिर थे क्योंकि एजीआर बकाया पर शीर्ष अदालत के 2019 के फैसले से देनदारियां पहले ही साफ हो चुकी थीं। सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि सरकार के पास अब वोडाफोन आइडिया में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है और लगभग 20 करोड़ उपभोक्ता इसकी सेवाओं पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में केंद्र उपभोक्ता हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कंपनी की ओर से उठाए गए मुद्दों की जांच करने को तैयार है।

सुनवाई के दौरान कंपनी और केंद्र की ओर से क्या कहा गया?

पीठ ने कहा कि याचिका 2016-17 के लिए अतिरिक्त एजीआर मांगों को रद्द करने और सभी बकाया राशि का व्यापक रूप से पुनर्मूल्यांकन करने के लिए आगे निर्देश देने की मांग के लिए दायर की गई है। पीठ ने कहा, सॉलिसिटर जनरल ने बताया है कि परिस्थितियों में आए बदलाव को ध्यान में रखते हुए, जिसमें केंद्र की ओर से 49 प्रतिशत इक्विटी हासिल करना और 20 करोड़ ग्राहकों की ओर से याचिकाकर्ता की सेवाओं का उपयोग करना शामिल है, केंद्र याचिकाकर्ता (कंपनी) द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच करने को तैयार है।

सीजेआई ने आदेश में कहा, मामले की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने कंपनी में पर्याप्त इक्विटी डाली है और इसका 20 करोड़ ग्राहकों पर सीधा असर होगा। हमें केंद्र की ओर से इस मुद्दे पर पुनर्विचार करने और उचित कदम उठाने में कोई समस्या नहीं दिखती है। पीठ ने साफ किया है कि यह मुद्दा केंद्र सरकार के नीतिगत अधिकार क्षेत्र में आता है। अदालत ने कहा, ऐसा कोई कारण नहीं है कि सरकार को ऐसा करने से रोका जाए।

इस नजरिए के साथ हम रिट याचिका का निपटारा करते हैं। वोडाफोन आइडिया की ओर से पेश सीनियर अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि वित्त वर्ष 2016-17 के लिए दूरसंचार विभाग की 5,606 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मांग अस्थिर थी, क्योंकि बकाया राशि का निर्धारण सुप्रीम कोर्ट के 2019 के फैसले के बाद पहले ही किया जा चुका था।

चंडीगढ़ को दहलाने की साजिश

ब्लास्ट के लिए पाकिस्तान से आया था ढाई किलो आरडीएक्स, दिवाली पर होना था धमाका

अमृतसर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकवादी मनप्रीत सिंह उर्फ टिड्डी ने ज्वाइंट इंटेरोगेशन में बताया कि पकड़े गए आरडीक्स को चंडीगढ़ पहुंचाना था और दिवाली पर ब्लास्ट को अंजाम देना था।

इसके निर्देश यूके और आर्मेनिया में बैठे आतंकियों से मिलने थे। सुरक्षा एजेंसियों ने दिवाली को देखते हुए सतर्कता काफी बढ़ा दी थी जिस वजह से टिड्डी ने आरडीएक्स को छिपाकर रख दिया था। सुरक्षा एजेंसियों की सख्ती की वजह से आतंकी इस विस्फोटक को समय पर निकाल नहीं पाए। इस साजिश को पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई के माध्यम से विदेशी आतंकियों के जरिये अंजाम दिया जाना था जिसे स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल ने विफल कर दिया। गौरतलब है कि आरडीएक्स, आईईडी और पिस्तौल को पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से अजनाला के पास फेंका गया था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे दो दिन के रिमांड पर भेज दिया गया है।

टिड्डी को चंडीगढ़ में पहुंचाना था आरडीएक्स

पूछताछ में खुलासा हुआ है कि दोनों आईईडी मनप्रीत सिंह उर्फ टिड्डी ने चंडीगढ़ पहुंचानी थीं। आगे किसे डिलीवरी देनी थी, इसके बारे में अभी पता नहीं चला है। विस्फोटक की डिलीवरी लेने वाले आतंकी का नाम उसे मौके पर ही विदेश में बैठे आतंकियों से पता चलना था। मनप्रीत सिंह के मोबाइल की भी जांच की जा रही हैं। सुरक्षा एजेंसियों को पता चका है कि आरोपी आतंकी संगठन बीकेआई के हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा के साथ सीधे बात करता था।

दिल्ली दंगा मामला : सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को लगाई फटकार

31 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली दंगों के मामले में आरोपी उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली पुलिस को कड़ी फटकार लगाई।

अदालत ने कहा कि जब पिछली तारीख पर पुलिस को जवाब दाखिल करने का पर्याप्त समय दिया गया था, तो फिर अब तक जवाब क्यों दाखिल नहीं किया गया? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पिछली सुनवाई के दौरान उसने स्पष्ट रूप से कहा था कि सोमवार को मामले की सुनवाई होगी। अदालत ने सवाल किया, जब याचिकाकर्ता पहले ही 5 साल जेल में बिता चुके हैं, तब भी पुलिस की ओर से जवाब दाखिल न करना बेहद गंभीर लापरवाही है।अदालत ने कहा कि अब इस मामले में और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 31 अक्टूबर तय की है और तब तक दिल्ली पुलिस को अपना जवाब हर हाल में दाखिल करने का निर्देश दिया है।

यह मामला पहले भी सुप्रीम कोर्ट में उठ चुका है। दरअसल, याचिकाकर्ताओं ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें उनकी जमानत याचिकाएं 2 सितंबर को खारिज कर दी गई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने 22 सितंबर को हुई सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा था।

हालांकि, पुलिस की ओर से अब तक कोई जवाब पेश नहीं किया गया, जिससे अदालत ने नाराजगी जाहिर की। अदालत ने साफ कहा कि यह मामला वर्षों से लंबित है और याचिकाकर्ता पहले से ही लंबे समय से जेल में हैं, इसलिए अब इस पर निर्णायक सुनवाई जरूरी है।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि विरोध या प्रदर्शन के नाम पर साजिशन हिंसा को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने माना था कि दंगों की घटनाएं योजनाबद्ध थीं, जिनका उद्देश्य समाज में विभाजन और अशांति फैलाना था।

हाईकोर्ट ने उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, मोहम्मद सलीम खान, शिफा-उर-रहमान, अतर खान, अब्दुल खालिद सैफी और शादाब अहमद की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। वहीं, एक अन्य आरोपी तसलीम अहमद की याचिका भी 2 सितंबर को अलग पीठ ने खारिज की थी।

जैन ट्रस्ट की संपत्ति बिक्री को लेकर हुए विवाद के बाद पीछे हटे बिल्डर

सौदा रद्द करने की मांग

पुणे, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुणे में जैन ट्रस्ट की संपत्ति की बिक्री को लेकर हुए विवाद के बाद सौदे में शामिल बिल्डर ने कदम पीछे खींच लिए हैं। दरअसल बिल्डर ने ट्रस्ट को एक ईमेल भेजकर सौदा रद्द करने की मांग की है। बिल्डर और गोखले लैंडमार्क एलएलपी के पार्टनर विशाल गोखले ने जैन ट्रस्ट सेठ हीराचंद नेमचंद स्मारक ट्रस्ट को भेजे एक ईमेल में लिखा है कि वे इस सौदे से पीछे हट रहे हैं और उन्होंने बिक्री सौदा रद्द करने की मांग की। बिल्डर ने ईमेल में लिखा कि सौदे को लेकर सार्वजनिक तौर पर कई भ्रामक और झूठी अफवाहें चल रही हैं। दावा किया जा रहा है कि सौदे में अनियमितताएं हुई हैं। कई लोगों ने इस ईमेल के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर साझा किए हैं।

क्या है पूरा मामला

पुणे के पॉश इलाके मॉडल कॉलोनी में स्थित 12 हजार वर्ग मीटर जगह में जैन धर्मशाला और श्री भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर स्थित है। इस जगह का मालिकाना हक सेठ हीराचंद नेमचंद स्मारक ट्रस्ट नामक एक चैरिटेबल संस्था के पास है, जिसकी स्थापना साल 1958 में हुई थी। बीते दिनों जैन ट्रस्ट ने इस जमीन का सौदा गोखले कंस्ट्रक्शन्स कंपनी के साथ 311 करोड़ रुपये में किया। हालांकि इस सौदे का विरोध शुरू हो गया और कई छात्र, धार्मिक संगठन और स्थानीय लोग इसके विरोध में उतर आए। लोगों ने इस सौदे के अवैध बताया और दावा किया कि ट्रस्ट जमीन को नहीं बेच सकती। सोमवार को इस मामले में राजनीति भी शुरू हो गई।

सतारा आत्महत्या मामले में नया मोड़-डॉक्टर पर लगा फर्जी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देने का आरोप

सतारा, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सतारा में बीते दिनों एक महिला डॉक्टर द्वारा आत्महत्या करने के मामले में नया मोड़ आया है। दरअसल एक महिला ने दावा किया है कि आत्महत्या करने वाली डॉक्टर ने उसकी बेटी की फर्जी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट तैयार की थी और इसके लिए उस पर भारी दबाव था। महिला ने डॉक्टर के आत्महत्या मामले की विस्तृत जांच करने की मांग की है।

महिला का दावा-मृतक डॉक्टर ने दी थी फर्जी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट

भाग्यश्री मारूती पचांग्ने नामक महिला ने दावा किया है कि उसकी बेटी दीपाली पचांग्ने की प्राकृतिक मौत नहीं हुई थी बल्कि उसकी हत्या की गई थी, लेकिन सतारा में आत्महत्या करने वाली डॉक्टर ने उनकी बेटी की फर्जी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट तैयार की थी। भाग्यश्री ने बताया कि उसकी बेटी की शादी एक आर्मी अफसर अजिंक्य निंबालकर से हुई थी। भाग्यश्री का दावा है कि उसकी बेटी को ससुराल में लगातार शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ता था। इसी से परेशान होकर उसने 19 अगस्त को आत्महत्या कर ली थी। अब महिला का दावा है कि उसकी बेटी की मौत आत्महत्या से नहीं हुई थी बल्कि उसकी हत्या हुई थी। भाग्यश्री ने बताया कि उनकी बेटी की मौत के एक महीने बाद उन्हें पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिली। गौरतलब है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट उसी महिला डॉक्टर ने तैयार की, जिसने हाल ही में सतारा के एक होटल में आत्महत्या कर ली। महिला ने आरोप लगाया कि उनके दामाद अजिंक्य ने अपने राजनीतिक और पुलिस अधिकारियों से संबंधों के जरिए इस मामले को दबा दिया। भाग्यश्री ने कहा कि 'मेरी बेटी छह माह की गर्भवती थी और उसकी एक डेढ़ साल की बेटी भी थी।

राजनीतिक जनसभाओं के लिए 10 दिनों में एसओपी बनाए सरकार, करूर हादसे पर हाईकोर्ट का सख्त निर्देश

चेन्नई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया है कि वे 10 दिनों के भीतर राज्य में राजनीतिक पार्टियों की जनसभाओं और रोडशो के लिए एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) तैयार करें। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस जी अरुल मुरुगन की पीठ ने करूर भगदड़ हादसे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के दौरान ये निर्देश दिए। बीती 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में अभिनेता और तमिलगा वेत्री कषगम के नेता विजय की रैली में भगदड़ हो गई थी, जिसमें 41 लोगों की मौत हुई थी। सुनवाई के दौरान एडिश्नल एडवोकेट जनरल जे रविंद्रन ने पीठ को बताया कि जब तक SOP नहीं बन जाती, तब तक किसी भी राजनीतिक पार्टी को रैलियां/रोडशो करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। हालांकि उन्हें सार्वजनिक बैठकें करने से नहीं रोका जाएगा।

भारत ने पोलियो को मात दी, दो बूंदों ने बदल दी तस्वीर, टीकों ने बचाई 15 करोड़ जानें

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कभी मानवता पर अभिशाप बनी पोलियो जैसी बीमारी अब इतिहास के पन्नों में समाने को है। चिकित्सा विज्ञान, वैश्विक सहयोग और सामुदायिक जागरूकता की बदौलत आज पूरी दुनिया पोलियो-मुक्त भविष्य के एक कदम और करीब पहुंच चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, अब केवल दो देश अफगानिस्तान और पाकिस्तान में जंगली पोलियो वायरस के मामले बचे हैं। यह उपलब्धि न सिर्फ विज्ञान की बल्कि मानवता की भी विजय है। द लैंसेट में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार पिछले 50 वर्षों में टीकाकरण अभियानों ने 15.4 करोड़ लोगों की जान बचाई है। यानी हर मिनट छह जीवन। इनमें से 2 करोड़ से अधिक बच्चे पोलियो से लकवाग्रस्त होने से बचे। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि पोलियो समेत 14 अन्य बीमारियों के टीकों ने वैश्विक शिशु मृत्यु दर में 40 प्रतिशत से अधिक कमी लाई है। सदी के मध्य में जब पोलियो महामारी की तरह फैल रहा था, तब अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ. जोनास साल्क ने पहली प्रभावी पोलियो वैक्सीन विकसित की। बाद में डॉ. अल्बर्ट सबिन ने ओरल पोलियो वैक्सीन (ओपीवी) तैयार की, जिसने वैश्विक स्तर पर इस अभियान को और सरल बना दिया। भारत के पोलियो-मुक्त सफर, दो बूंदों से इतिहास की धारा बह निकली। भारत में कभी पोलियो महामारी का रूप ले चुका था। पर 1995 में शुरू हुए पल्स पोलियो अभियान ने देश के स्वास्थ्य इतिहास को हमेशा के लिए बदल दिया।

दो-तीन साल में बंद हो सकता है निगरानी नेटवर्क

11 साल पहले पोलियो से मुक्ति पाने के बाद भारत में जल्द ही निगरानी नेटवर्क बंद हो सकता है। केंद्र सरकार आगामी दो से तीन साल में राष्ट्रीय पोलियो निगरानी नेटवर्क को बंद करने की योजना बना रही है जिसे लेकर डॉक्टरों ने चिंता जताई है। 1990 में विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मिलकर पोलियो की निगरानी के लिए राष्ट्रव्यापी नेटवर्क स्थापित किया जिसमें 280 से केंद्र संचालित हो रहे हैं। यहां से तीव्र फ्लेसिड पैरालिसिस (एएफपी) की रिपोर्टिंग के जरिए पोलियो वायरस पर निगरानी रखी जा रही है।

अमेरिका से 50 हरियाणवी डिपोर्ट

हाथ-पैर में डली बेड़ियां, बंदूक लिए खड़े थे अमेरिकी जवान-पीड़ितों की जुबानी

कैथल, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कैथल पुलिस अमेरिका से डिपोर्ट हुए लोगों को सुबह दिल्ली से लेकर कैथल पहुंची। युवकों के आने की सूचना के बाद उनके घरों में हताशा छा गई। डिपोर्ट होने वाले लोगों में अधिकतर युवा जमीन बेचकर अमेरिका में डॉलर कमाने की चाह में गए थे। अब छह से सात महीने की जेल काटने के बाद खाली हाथ मायूस होकर वापस लौटना पड़ा। नाम न छापने की शर्त पर कैथल शहर निवासी ने बताया कि अमेरिका से डिपोर्ट होकर आने वाले जहाज में अमेरिका सेना के जवान बंदूक लेकर सीटों के पास खड़े हुए थे। लोगों के हाथों व पांव में बेड़िया लगाई हुई थी। अमेरिकी जवान अंग्रेजी में लोगों को गालियां दे रहे थे। वह आप बीती बताते हुए भावुक हो गया। अमेरिका जाने के लिए अधिकतर युवाओं ने आधा एकड़ से दो एकड़ तक जमीन बेच दी थी या कर्ज लिया हुआ है। अब वह इस नुकसान की भरपाई कैसे कर पाएंगे। डिपोर्ट हुए लोगों ने सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की है। आंकड़ों के मुताबिक, कैथल के कई गांवों के दो हजार के करीब युवा अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड जा चुके हैं। फरवरी के महीने में भी 12 लोग कैथल के डिपोर्ट हुए थे।

डिपोर्ट होने वालों की संख्या 26 पहुंची

रविवार को 14 नए लोग आए हैं। इससे डिपोर्ट होने वालों की संख्या 26 पहुंच हो गई है। डिपोर्ट होने वाले लोगों ने बताया कि एक जहाज दो नवंबर को आएगा। अभी कुल 50 के करीब लोग जहाज से आए हैं। सभी लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड जांचकर परिजनों को सौंप दिया है। कैथल जिला में पिछले 101 दिनों में ठगी के 23 मामले आए हैं।

यमुनानगर के ये लोग हुए डिपोर्ट

अभिषेक, सागर, सूर्य प्रताप और हर्ष। पानीपत-रोहतक के युवक भी शामिल पानीपत के साहिल भी करीब 50 लाख रुपये खर्च करके जुलाई 2024 में डंकी रूट से अमेरिका पहुंचे थे। अब उन्हें भारत डिपोर्ट किया गया है। इसके साथ ही रोहतक के सन्नी को भी डिपोर्ट किया गया है।

अंबाला के ये लोग हुए डिपोर्ट

मुलाना से हरदेश, टपरी गांव निवासी साहिल, मुलाना निवासी तौशिक, नारायणगढ़ के गांव खानपुर लबाना निवासी गुरसेव, नग्गल के गांव जगौली निवासी हरजिंद्र सिंह शामिल हैं।

गुहला चीका निवासी डेढ़ साल जेल में रहा डिपोर्ट होकर आए गुहला चीका ब्लॉक के निवासी के परिजन ने बताया कि उनके चाचा का लड़का व उसकी पत्नी करीब पौने दो साल पहले कनाडा गए थे। कनाडा से वे अमेरिका चले गए। वहां उन्हें जेल में बंद कर दिया। पत्नी जेल से बाहर निकल गई जबकि वह डेढ़ साल जेल में ही बंद रहा। रात को पुलिस का फोन आया था कि अमेरिका से भाई को लाया जा रहा है।

एक किला ढाई कनाल जमीन बेच गया था विदेश

अमेरिका से डिपोर्ट हुए एक युवक ने बताया कि नौ जनवरी 2024 को वह दिल्ली से ब्राजील गया था। 57 लाख रुपये एजेंट को दिए थे। रुपयों का इंतजाम करने के लिए एक किला ढाई कनाल जमीन बेचकर वह गया था। तभी से वह अमेरिका की जेल में पड़ा हुआ था। कुछ पैसे ब्याज पर लेकर दिए थे। पैनामा के जंगल से वह गया था। वह 14 महीने जेल काट कर वापस अपने जिला कैथल में आया है। जंगल, नदियां, रेगिस्तान और खतरनाक रास्तों से होकर चार से छह महीने में अमेरिका गया था।

युवाओं ने किसी एजेंट की शिकायत नहीं की

डीएसपी संदीप कुमार ने बताया कि फिलहाल इनमें से किसी भी युवा की ओर से किसी एजेंट के खिलाफ शिकायत नहीं दी गई है। अगर शिकायत मिलेगी तो उस पर कार्रवाई होगी। उनका कहना है कि महीनों की कैद और अत्याचार झेलने के बाद इनकी वापसी उन सभी युवाओं के लिए चेतावनी है जो बिना वैध प्रक्रिया के विदेश जाने का सपना देखते हैं। कानूनी प्रक्रिया से बाहर जाकर विदेश जाना न केवल अपराध है बल्कि जान का भी जोखिम है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि गलत तरीके से विदेश जाने के झांसे में न आएं और अपना वक्ता और पैसा बर्बाद न करें।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 28 अक्टूबर- 2025

स्वच्छ शहर पर 'गंदा धब्बा'

बीते दिनों देश के सबसे स्वच्छ शहरों में शुमार इंदौर पर गंदा धब्बा तब लग गया जब ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट खिलाड़ियों से खुलेआम छेड़छाड़ की गई। हालांकि आरोपी अकील खान को पकड़ कर जेल भेज दिया गया है। लेकिन देश को शर्मसार करने वाली इस घटना में मोड तब आया जब मध्य प्रदेश के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने यह कह कर हलचल मचा दी कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को अपने होटल से बाहर निलते समय स्थानीय अधिकारियों को सूचित करना चाहिए था। मंत्री जी ने अनुसार भारत में क्रिकेटरों के लिए हद दर्जे तक की दीवानगी है। इसलिए उन्हें घूमते समय सावधानी बरतनी चाहिए थी। खास बात तो यह है कि इस शर्मसार करने वाली घटना को पहले तो पुलिस ने दबाने की कोशिश की। लेकिन मीडिया में खबरें आने के बाद पुलिस ने सफाई दी कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। महिला खिलाड़ियों से छेड़छाड़ तब हुई जब वे एक कैफे में टहलने निकलीं। आरोप है कि इसी दौरान अकील ने बाइक से उनका पीछा किया और उनके साथ छेड़छाड़ की। इस घटना के बाद इंदौर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। इस घटना के बाद मंत्री जी का तर्क है कि यह घटना अधिकारियों और खिलाड़ियों के लिए एक सबक होनी चाहिए ताकि भविष्य में बेहतर संचार और सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित किए जा सकें। मंत्री ने जिक्र किया कि उन्होंने इंग्लैंड में एक प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी के साथ हुई ऐसी ही घटना देखी थी कि कैसे प्रशंसकों ने एक होटल में उस खिलाड़ी के कपड़े फाड़ दिए थे। वहीं, इस घटना को लेकर कांग्रेस नेता मुकेश नायक ने कैलाश विजयवर्गीय को घेरते हुए कहा है कि क्या लड़कियां इंदौर में सुरक्षा लेकर घूमने जाएंगी। मुंबई में तो बेटियां रात दो बजे घूमती हैं, वहां कोई छेड़छाड़ नहीं होता है। मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था की साइकोलॉजिकल प्रजेंस नहीं है। यही कारण है कि अपराधी बेखौफ होकर इस तरह की घटना को अंजाम देते हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी महिलाओं के खिलाफ बढ़ रही हिंसा और अत्याचार पर चिंता जाहिर की है। हास्यास्पद तो यह है कि उस पर नियंत्रण करने के बजाय भाजपा और उसके मंत्री बयानबाजी में लगे हुए हैं। जाहिर है केवल बयानबाजी करने से प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था नहीं सुधरेगी। ऐसे में सवाल है कि क्या कोई भी लड़की इस शहर में निकलेगी तो पुलिस को बताकर जाएगी। पुलिस एस्कॉर्ट करते हुए उन्हें घुमाएगी। क्या पुलिस को उन इलाकों में सजग नहीं होना चाहिए था। क्या उन्हें नहीं पता था कि यहां विदेशी टीमें रुकी हुई हैं। देश की अंतरराष्ट्रीय फजीहत के बाद महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा अब बढ़ा दी गई है। गौरतलब है कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पहली बार ऐसी बात नहीं कर रहे हैं। वह पहले भी बेतुकी बातें करते रहे हैं। लड़कियों के पहनावे से लेकर उनके संस्कार तक पर सुझाव देते रहते हैं। इन्हीं बेतुके तर्कों के सहारे अपनी नाकामियों को छुपाने की कोशिश में लगे रहते हैं। मगर एक घटना से इंदौर पर सवाल नहीं उठा सकते हैं। इंदौर की जिंदादिली और वहां का सामाजिक तानाबाना इतना मजबूत है कि किसी की गलत बयानबाजी से इस शहर को धब्बा नहीं लग सकता।

पुलिस के चरित्र को बचाने की जरूरत है

मनोज कुमार अग्रवाल

हालांकि पुलिस विभाग पर लोगों की सुरक्षा का जिम्मा होने के नाते उनसे अनुशासित होने की अपेक्षा की जाती है, परन्तु आज देश में चंद पुलिस कर्मी अपनी अनुशासनहीनता और ड्यूटी में लापरवाही बरतने के कारण आलोचना के पात्र बनने के साथ-साथ अपने विभाग की बदनामी का कारण भी बन रहे हैं। लगातार इस तरह की वारदातों की झड़ी लगी हुई है जिसमें पुलिस की ट्रेनिंग पर सवाल खड़े करती है कि आखिर पुलिस वाले आमजन के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों करते हैं। इन के चयन और प्रशिक्षण में कहाँ कमी रह जाती है। आपको बता दें कि 9 मई को 'दीदारगंज' थाना (पटना, बिहार) के अधिकारियों ने एक रिश्वतखोर ट्रैफिक निरीक्षक 'अभिनंदन कुमार' को एक आटो चालक से 10,000 रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।24 जून को 'मेरठ' (उत्तर प्रदेश) में ट्रैफिक पुलिस के दारोगा 'सुमित वशिष्ठ' को एक दुकान से कपड़ों के 4 बैग चुराते हुए पकड़ा। दुकानदार द्वारा उच्चाधिकारियों से शिकायत करने पर दारोगा को लाइन हाजिर कर दिया गया। 27 जून को 'वाराणसी' (उत्तर प्रदेश) के 'मंडुवाडीह' इलाके में एंटी क्रप्शन विभाग की टीम ने पुलिस कमिश्नरेट के एक दारोगा और एक सिपाही को एक व्यक्ति से 15,000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा।9 अगस्त को 'अमरोहा' (उत्तर प्रदेश) के 'रजबपुर' थाना क्षेत्र में चाय की कैंटीन चलाने वाले पिता-पुत्र द्वारा 5 पुलिस वालों को 'महीना' देने से इंकार करने पर पुलिस वालों द्वारा पिता-पुत्र को दौड़ा-दौड़ा कर पीटने के मामले में 2 सिपाहियों को निलंबित तथा 3 अन्य को लाइन हाजिर किया गया। 26 सितम्बर को 'चित्तूर' (आंध्र प्रदेश) में थाने में पुलिस से सहायता मांगने पहुंची महिला को किसी पेय में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश करने के बाद उससे बलात्कार करने के आरोप में एक पुलिस कांस्टेबल 'उमा शंकर' तथा होमगार्ड 'किरण कुमार' को गिरफ्तार किया गया। 1 अक्तूबर को 'तिरुवनमलाई' (तमिलनाडु) में एक ट्रक को रोक कर तलाशी लेने के बहाने उसमें सवार 2 महिलाओं से बलात्कार करने के आरोप में 2 कांस्टेबलों 'सुरेश राज' तथा 'सुंदर' को गिरफ्तार किया गया। 9 अक्तूबर को 'सिवनी' (मध्य प्रदेश) में 'नागपुर' से 'जबलपुर' ले जाए जा रहे 'हवाला' के 2.96 करोड़ रुपए जब्त करने के लिए अपने स्टाफ के साथ पहुंची एस.डी.ओ. पी. (सब डिवीजनल आफिसर आफ पुलिस) 'पूजा पांडे' का इतने पैसे देख कर मन बेईमान हो गया और वह पूरे पैसे डकार गई। खबर फैली तो 10 अक्तूबर को उसने 1.45 करोड़ रुपयों की जब्ती दिखा दी। इस सिलसिले में 'पूजा पांडे' व 4 अन्य को गिरफ्तार किया गया। 14 अक्तूबर को 'गाजियाबाद' (उत्तर प्रदेश) में नशे में धुत 2 पुलिस कर्मियों ने एक कैंटीन में खाना खाने के दौरान मस्ती में आकर गालियां बकनी शुरू कर दीं और कैंटीन के एक कर्मचारी को पीट-पीट कर लहू लुहान कर दिया। 16 अक्तूबर को सी.बी.आई. ने रोपड़ रेंज के डी.आई.जी. 'हरचरण सिंह भुल्लर' को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया। उस पर विचौलिए 'किरशानू' के जरिए 5 लाख रुपए रिश्वत लेने का आरोप है। सी.बी.आई. को उसकी कोठी की तलाशी के दौरान करीब 5 करोड़ की नकदी के अलावा अन्य सम्पत्तियों सम्बन्धी दस्तावेज और गोला बारूद भी मिला है। और अब 21 अक्तूबर को 'जोधपुर' (राजस्थान) के एक होटल में रात के समय खाना खाने पहुंचे सिपाहियों ने किसी बात पर विवाद हो जाने के कारण होटल के एक कर्मचारी को बालों से घसीट कर बुरी तरह पीट कर घायल कर देने के आरोप में पीड़ितों ने पुलिस में शिकायत करवाई। 21 अक्तूबर को ही 'कूचबिहार' (पश्चिम बंगाल) में दीवाली मना रहे बच्चों और महिलाओं को एक पुलिस अधिकारी ने बुरी तरह पीट डाला।हालांकि पुलिस की नौकरी ज्वाइन करते समय विभाग द्वारा पुलिस कर्मियों को ईमानदारी के साथ काम करने के अलावा जनता की सुरक्षा करने की शपथ दिलाई जाती है लेकिन नौकरी ज्वाइन करने के बाद कुछ पुलिसकर्मी इस शपथ को दरकिनार कर मनमानी करने लगते हैं।

पटेल की मुट्ठी में समा गया बिखरा भारत

सुरेश गांधी

भारत के इतिहास में यदि किसी व्यक्ति ने अखंडता, दृढ़ता और राष्ट्रनिर्माण के शिलालेख पर अपना नाम अमिट अक्षरों में अंकित किया है, तो वह हैं सरदार वल्लभभाई पटेल, भारत के आयरन मैन, लौह पुरुष, और राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार। उन्होंने न केवल अपनी चट्टान जैसी दृढ़ इच्छाशक्ति, राजनीतिक विद्वता व कठोर परिश्रम से भारत के राजनीतिक एकीकरण का अद्भुत कार्य किया, बल्कि प्रशासनिक ढांचे को ऐसा स्वरूप दिया, जो आज भी लोकतांत्रिक शासन की रीढ़ है। आजादी के बाद जब भारत सैकड़ों रियासतों में बंटा था, तो उसी सरदार ने अपनी लौह इच्छाशक्ति से उन्हें एक सूत्र में पिरो दिया। 562 रियासतों का भारत में विलय कर उन्होंने इस राष्ट्र की आत्मा को एक देह दी। यह केवल राजनीति नहीं, एक तपस्वी की तपस्या थी, जहां शक्ति और नीति दोनों ने हाथ मिलाया। गृहमंत्री के रूप में उन्होंने आई.सी.एस. को भारतीय रूप देकर आई.ए.एस. बनाया और कहा, "नौकरशाही को राजभक्ति नहीं, देशभक्ति सिखानी होगी।" प्रधानमंत्री पद पर उनका सर्वसम्मति से चयन हुआ था, पर गांधीजी की इच्छा पर उन्होंने सहज भाव से नेहरू का नाम स्वीकार कर लिया। यह त्याग नहीं, बल्कि राष्ट्र सर्वोपरि भावना का उदाहरण था। सरदार पटेल ने अपने कर्म से बताया कि देशभक्ति भाषणों में नहीं, निर्णायक कर्म में होती है। उनके जाने के बाद भी उनका विचार जीवित है, भारत एक ध्वज, एक संविधान और एक राष्ट्र के रूप में रहेगा। आज जब हम "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" का नारा दोहराते हैं, तो वह दरअसल उसी लौह पुरुष की प्रतिध्वनि है, जिसने अपने संकल्प से बिखरे भारत को एक कर दिया। उनकी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवल मूर्ति नहीं, बल्कि एक चेतना है, जो हर भारतीय को यह स्मरण कराती है कि "यदि इरादे अटूट हों, तो इतिहास झुकता है।"

किसान पुत्र से लौह पुरुष बनने की यात्रा

31 अक्तूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में एक कुर्मी परिवार में जन्मे वल्लभभाई पटेल के पिता झवेरभाई पटेल 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के योद्धा थे। वीरता, परिश्रम और सादगी उनके संस्कार में जन्म से ही थे। बचपन से ही अन्याय और असत्य के प्रति उनमें बेचैनी थी। नडियाद के विद्यालय में ही उन्होंने अन्याय के विरुद्ध पहला आंदोलन किया, जब एक शिक्षक छात्रों पर अपनी पुस्तकों को खरीदने का दबाव डालते थे, तो उन्होंने छात्रों को संगठित कर विरोध किया। विद्यालय कई दिनों तक बंद रहा और अंततः शिक्षक को झुकना पड़ा। बालक वल्लभभाई ने तभी बता दिया था कि वे किसी अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाने वाले हैं।

अद्भुत संयम और दृढ़ता

वल्लभभाई की दृढ़ता का उदाहरण उनके जीवन के हर मोड़ पर मिलता है। वकालत के दौरान एक बार जब अदालत में जिरह करते हुए उन्हें अपनी पत्नी झवेरबाई के निधन का तार मिला, तब भी उन्होंने मुकदमा पूरा किया और फिर शांत भाव से अपने जीवन के सबसे बड़े दुःख को स्वीकार किया। यह उनका व्यक्तिगत नहीं, बल्कि कर्तव्यनिष्ठा का चरम उदाहरण था।

17 घंटे पढ़ने वाला विद्यार्थी

विदेश में अध्ययन के दौरान वे दिन में 17 घंटे तक पुस्तकालय में अध्ययन करते। इस परिश्रम का फल उन्हें तब मिला जब उन्होंने वकालत की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की और ब्रिटिश अध्यापकों ने उन्हें "असाधारण मेधा का छात्र" कहा। इंग्लैंड में रहकर भी उन्होंने कभी अपने देश और उसकी पीड़ा को नहीं भुलाया।

अहिंसक योद्धा का उदय

भारत लौटने के बाद उनका संपर्क महात्मा गांधी से हुआ। गांधीजी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों ने पटेल के भीतर छिपे राष्ट्रसेवक को जागृत किया। 1918 का खेड़ा सत्याग्रह उनके सार्वजनिक जीवन की पहली बड़ी परीक्षा थी। भयंकर सूखे से त्रस्त किसानों ने कर माफी की मांग की थी, पर अंग्रेज सरकार ने इंकार कर दिया। तब पटेल ने किसानों से कहा, "कर मत दो, यह अन्याय है। जब तक राहत नहीं मिलेगी, तुम कर नहीं दोगे।" उनकी यह पुकार आंदोलन बन गई और अंततः ब्रिटिश सरकार को झुकना पड़ा। यह पटेल की पहली बड़ी विजय थी, जिसने उन्हें जनता के बीच "सरदार" बना दिया।

बारदोली से 'सरदार' बनने तक

1928 का बारदोली सत्याग्रह उनके नेतृत्व का दूसरा नाम बन गया। जब अंग्रेजों ने किसानों पर कर बढ़ाने की नीति थोपी, तो पटेल ने जनसंगठन की ऐसी मिसाल पेश की, जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दी। वहां की महिलाओं ने उन्हें संबोधित किया, "सरदार, आप हमारे प्रहरी हैं।" यही संबोधन आगे चलकर उनके नाम के साथ स्थायी हो गया, सरदार पटेल। खेड़ा और बारदोली सत्याग्रहों ने पटेल को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित कर दिया। वे गांधीजी के निकटतम सहयोगियों में शामिल हो गए। असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन, हर संघर्ष में पटेल अग्रिम पंक्ति में रहे। 1931 में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने और गांधी-इरविन समझौते की प्रक्रिया में उनका निर्णायक योगदान रहा। अंग्रेजी कारावास की दीवारें भी उनके इरादों को नहीं झुका सकीं। उनकी आवाज किसान की थी, पर दृष्टि राष्ट्र की।

अद्भुत साहस और सेवा का उदाहरण

1917 में जब अहमदाबाद में प्लेग फैला, तो लोग अपने घर छोड़ भाग गए। लेकिन सरदार नगर में डटे रहे, स्वयं सफाई कर्मियों के साथ सड़कों और मुहल्लों की सफाई की। इस कर्मठता से उन्होंने जनता को बताया कि सच्चा नेता वही है जो संकट में सबसे आगे खड़ा हो। लौह पुरुष का सबसे बड़ा कार्य, भारत का एकीकरण. आजादी के बाद भारत का मानचित्र सैकड़ों टुकड़ों में बंटा था, 562 देसी रियासतें, जिनमें से कुछ स्वतंत्र रहना चाहती थीं। प्रधानमंत्री नेहरू और महात्मा गांधी के विश्वासपात्र के रूप में सरदार पटेल को यह कठिन जिम्मेदारी सौंपी गई। उनकी सूझबूझ, दृढ़ता और वीपी मेनन के सहयोग व अपनी राजनीतिक दूरदर्शिता, कूटनीति और अदम्य इच्छाशक्ति से यह कर दिखाया। कश्मीर, जूनागढ़ और हैदराबाद जैसे राज्यों ने जब भारत में शामिल होने से इंकार किया, तो पटेल ने कूटनीति, संवाद और आवश्यकता पड़ने पर शक्ति, तीनों का प्रयोग किया। खास यह है कि हैदराबाद का निजाम स्वतंत्र रहना चाहता था, जूनागढ़ के नवाब ने पाकिस्तान का साथ लिया और भोपाल के नवाब ने शर्तें रखीं। परंतु सरदार झुके नहीं। उन्होंने दृढ़तापूर्वक निर्णय लिया, "भारत की एकता किसी की दया पर नहीं, हमारे संकल्प पर टिकेगी।" हैदराबाद में उन्होंने सेना भेजी, और निजाम को आत्मसमर्पण करना पड़ा। जूनागढ़ में जनता के विद्रोह ने नवाब को भागने पर मजबूर किया। अंततः, भोपाल के नवाब ने भी पटेल के दृढ़ निश्चय के सामने हथियार डाल दिए। अंततः सभी रियासतें भारत का अंग बन गईं। यह केवल राजनीतिक सफलता नहीं थी, बल्कि एक अखंड भारत की आत्मा का पुनर्जन्म था। इसी कार्य के कारण उन्हें इतिहास ने "लौह पुरुष" कहा। राजा-महाराजाओं की रियासतों को भारतीय संघ में सम्मिलित करने के उनके प्रयासों को इतिहास सदैव स्वर्णाक्षरों में याद करेगा। गृहमंत्री के रूप में उन्होंने भारतीय नागरिक सेवा (आईसीएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) का भारतीयकरण कर आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) की नींव रखी। उनके विचार में "एक सशक्त और ईमानदार प्रशासन ही राष्ट्र की स्थिरता का आधार है।"

ट्रंप की दादागिरी के बाद भारत का चीन को एक्सपोर्ट 22% बढ़ा

अशोक भाटिया

कभी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना मित्र बताने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रुख अब बदला-सा लगता है। यूं तो अमेरिका खुद को दुनिया का चौधरी मानता है। बात-बात पर सबको टैरिफ की धमकी देता है, मगर भारत भी पहले वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है। चुपचाप रहता नहीं, जब कोई देश आंख उठाता है तो उसका मुंहतोड़ जवाब देता है। ट्रंप की टैरिफ धमकी पर भारत के विदेश मंत्रालय ने न केवल जवाब दिया, बल्कि अमेरिका और ईयू का धागा खोल दिया और कहा कि खुद करो तो ठीक, दूसरा करे तो गलत? अमेरिका के डबल स्टैंडर्ड पर विदेश मंत्रालय ने साफ लहजे में कहा कि वो देश हमें क्या नसीहत देंगे, जो खुद रूस से अरबों डॉलर का कारोबार कर रहे हैं। मंत्रालय ने साफ कहा कि भारत को निशाना बनाना अनुचित और तर्कहीन है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। इतना ही नहीं, खुद विदेश मंत्री जयशंकर ने भी अच्छे से सुना दिया और कहा कि दबदबे वाली व्यवस्था नहीं चलेगी। भारत अब किसी की दादागिरी नहीं मानने वाला। वहीं, रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि अमेरिका उभरती बहुध्रुवीय अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में अपने घटते दबदबे को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। कोई भी टैरिफ युद्ध या प्रतिबंध इसको नहीं रोक सकते।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को लगातार टैरिफ के नाम पर धमकाते रहे हैं। दूसरी ओर भारत को अपने सामने नहीं झूक रहा है, यही सब देखकर उनका हताश होना स्वाभाविक है। कहां दुनिया का सबसे अमीर और ताकतवर शख्स और कहां भारत एक विकासशील देश। ट्रंप को लगता है कि जिस भारत को अकाल पड़ने पर उनका देश सड़ा हुआ गेहूं भेजता था, आज वो देश उनकी बंदर घुड़की पर रिस्पांस भी नहीं करता है।? यह उनकी चिढ़ ही है कि वह आए दिन बार-बार भारत को अपमानित करने वाला बयान देते रहते हैं। कभी-कभी तो एक ही दिन में 2-2 बार भारत के खिलाफ उन्हें जहर उगलते देखा गया है। अलबत्ता, वे भारत पर हाई टैरिफ थोपने का साहस नहीं कर पाते हैं, किसी न किसी बहाने विलंब पर विलंब करते रहते हैं ताकि कोई समाधान का रास्ता निकल सके। क्योंकि वो जानते हैं कि भारत को नाराज करके अमेरिका का काम नहीं चलने वाला है। हम देख रहे हैं कि ट्रंप कभी भारत की इकॉनमी को डेड बोल देते हैं, तो कभी पाकिस्तान के साथ तेल की डील की बात करके भारत को अपमानित करने की कोशिश करते हैं। एक तरफ भारत की अर्थव्यवस्था मृतप्राय हो चुकी है तो दूसरी तरफ उसी भारत से ट्रेड करने के लिए मरे जा रहे हैं? मतलब कुछ भी बोल रहे हैं। पाकिस्तान के पास तेल है ही नहीं और समझौता करने जा रहे हैं। दरअसल असली कारण यह है कि ट्रंप भारत के सामने झुकना नहीं चाहते हैं। घोर सामंती व्यवहार वाले ट्रंप जानते हैं कि वो यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ जिस तरह से पेश आए थे उस तरह भारत के साथ नहीं कर सकते, यही उनका दर्द है। इसलिए आजकल नींद में भी उन्हें भारत ही नजर आता है। जबकि कई अमेरिकी विशेषज्ञ यह जता चुके हैं कि ट्रंप का भारत के साथ रवैया अमेरिका के लिए बहुत नुकसानदेह साबित हो सकता है। वस्तुतः ट्रंप की चिंता भी यही है पर उन्हें कोई रास्ता नहीं दिख रहा है, जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।

एक ओर जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ-टैरिफ खेल रहे हैं, तो वहीं भारत ने अपने निर्यातक देशों की लिस्ट में विविधता लाई है। इसका असर भी देखने को मिला है। अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ का बड़ा असर झींगा निर्यात से लेकर टेक्सटाइल सेक्टर तक पर देखने को मिला। लेकिन भारतीय निर्यातकों ने अमेरिकी बाजार में दबाव के बीच दूसरे देशों के बाजारों का रुख किया। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी टैरिफ तनाव के बीच भारत-चीन के व्यापार संबंध सुधरे हैं और वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में भारत का चीन को निर्यात करीब 22% बढ़ा है।

रिपोर्ट्स की मानें तो भारत-चीन व्यापार में सुधार के चलते अप्रैल-सितंबर 2025 में चीन को भारत का निर्यात 8.41 अरब डॉलर रहा है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर 2024 के 6.90 अरब डॉलर से 22 फीसदी के आसपास की बढ़त दर्शाता है। खास तौर पर अमेरिकी टैरिफ के असर से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले सेक्टर्स के प्रोडक्ट्स की चीन में अच्छी खासी डिमांड देखने को मिली है। इनमें झींगा और एल्युमिनियम प्रमुख हैं। इसके अलावा और भी कई क्षेत्रों ने चीन को निर्यात में तेजी दिखाई है। बीते दिनों आईं अन्य रिपोर्ट्स पर नजर डालें, तो अमेरिका द्वारा भारत पर 50% का टैरिफ लगाने के बाद से भारतीय झींगा निर्यात पर बुरा असर देखने को मिला है। ग्लोबल डेटा के हवाले से ट्रंप के इस टैरिफ अटैक के चलते भारत से अमेरिका को एयर कार्गो निर्यात में 14 फीसदी की तगड़ी गिरावट दर्ज की गई है, तो आंध्र प्रदेश की झींगा इंडस्ट्री करीब 25,000 करोड़ रुपये के भारी नुकसान का अनुमान लगाया गया था। इनमें कहा गया था कि अमेरिका को झींगा निर्यात के 50 फीसदी ऑर्डर 50% टैरिफ के बाद से रद्द हुए।इसके अलावा अन्य सबसे प्रभावित सेक्टर्स में एल्युमिनियन और टेक्सटाइल रहा, जिनके लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार रहा है। बीते दिनों कंफेडेरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री यानी सीआईटीआई के एक सर्वे में इसके प्रभाव देखने को मिले थे। सर्वे के निष्कर्षों में सामने आया था कि निर्यात पर 50% टैरिफ के चलते कपड़ा और परिधान क्षेत्र कम ऑर्डर और कारोबार में करीब 50% की गिरावट से जूझ रहा है। भारत में चीन के राजदूत श फीहोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर (पहले एक्स) पर एक पोस्ट के जरिए भी भारत-चीन व्यापार बढ़ने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि, 'वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में चीन को भारत का निर्यात 22% बढ़ा है। बीजिंग ज्यादा से ज्यादा भारतीय वस्तुओं का स्वागत करता है और अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने में मदद के लिए तैयार है।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टैरिफ पॉलिसी के तहत शुरुआत में भारत पर 25 फीसदी का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था। लेकिन बाद में रूसी तेल और हथियारों की खरीद को मुद्दा बनाया और भारत पर इसकी खरीद बढ़ाकर यूक्रेन युद्ध में पुतिन की मदद करने का आरोप लगाया था। इसके चलते अमेरिका की ओर से भारत पर लागू टैरिफ को दोगुना करते हुए 50% कर दिया गया था, जो 27 अगस्त से लागू है।

शिक्षित वर्ग में जातीय पूर्वाग्रह का स्थायित्व

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय समाज की संरचना में जाति एक ऐसी संस्था रही है जिसने व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु तक उसके जीवन को प्रभावित किया है। संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था जहाँ व्यक्ति की पहचान उसकी योग्यता, नैतिकता और कर्म पर आधारित हो, न कि जन्मजात सामाजिक वर्ग पर। इसी उद्देश्य से संविधान में समानता का अधिकार, अवसरों की समानता, और अस्पृश्यता के उन्मूलन जैसी कई सुरक्षा धाराएँ जोड़ी गईं। किंतु सात दशक से अधिक बीत जाने के बाद भी यह स्वीकार करना होगा कि जाति की चेतना केवल गाँवों तक सीमित नहीं रही; उसने शिक्षित, शहरी और व्यावसायिक तबकों में भी अपने रूप बदले हुए स्वरूप में अस्तित्व बनाए रखा है। संविधान ने अनुच्छेद 14 से 17 के माध्यम से स्पष्ट रूप से सभी नागरिकों को समानता और सम्मान का अधिकार दिया।

डॉ. भीमराव आंबेडकर ने इसे केवल विधिक समानता का नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समानता का माध्यम बताया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि सामाजिक असमानता बनी रही तो राजनीतिक समानता टिक नहीं सकेगी। यह चेतावनी आज भी प्रासंगिक प्रतीत होती है, क्योंकि कानून की शक्ति के बावजूद समाज की मानसिकता में गहराई से जमी जाति-आधारित सोच पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाई है। शिक्षा को सामाजिक चेतना का वाहक माना जाता है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से शिक्षित वर्ग में भी जातीय पूर्वाग्रह सूक्ष्म और परिष्कृत रूपों में जीवित हैं। विश्वविद्यालयों और पेशेवर संस्थानों में प्रवेश के दौरान, सहकर्मी संबंधों में या सामाजिक नेटवर्किंग में अक्सर जाति एक अनकही पहचान के रूप में उपस्थित रहती है। 'मेरिट' की चर्चा करते हुए कई बार लोग आरक्षण नीति को लेकर पूर्वाग्रह रखते हैं और यह मान बैठते हैं कि आरक्षित वर्गों के लोग स्वाभाविक रूप से कम योग्य हैं। यह धारणा आधुनिक भारत के शिक्षित तबके में भी समानता के सिद्धांत को चुनौती देती है। शहरीकरण और औद्योगीकरण को जातीय सीमाओं को तोड़ने वाला माना गया था। परंतु व्यवहार में देखा जाए तो शहरों में भी जातीय चेतना नई संरचनाओं में पुनर्जीवित हुई है। उदाहरण के लिए, महानगरों में भी अधिकांश लोग अपने ही जाति-समूहों में विवाह करते हैं। 'मैट्रिमोनी वेबसाइट्स' पर जाति और उपजाति आज भी प्रमुख फिल्टर के रूप में मौजूद हैं। इसका अर्थ यह है कि आर्थिक प्रगति और आधुनिकता ने बाहरी व्यवहार को तो बदला है, परंतु सामाजिक मनोविज्ञान अब भी जाति के घेरे से मुक्त नहीं हो सका है। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी जाति की उपस्थिति को नकारा नहीं जा सकता। पारंपरिक रूप से व्यापार और व्यवसाय कुछ खास जातियों के वर्चस्व में रहे हैं, और आधुनिक कॉर्पोरेट ढाँचे में भी यह प्रवृत्ति अप्रत्यक्ष रूप से जारी है। नेटवर्किंग, निवेश और अवसरों तक पहुँच में जातीय सामाजिक पूँजी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उदाहरणस्वरूप, किसी व्यापारिक समुदाय के सदस्य एक-दूसरे को व्यवसायिक सहयोग देना अधिक सहज समझते हैं। इसी तरह नौकरियों में भर्ती या पदोन्नति के दौरान 'सांस्कृतिक मेल' या 'नेटवर्क फिट' जैसे अस्पष्ट मानदंडों के तहत कई बार सामाजिक पूर्वाग्रह सक्रिय रहते हैं। राजनीतिक रूप से भी जाति चेतना ने आधुनिक लोकतंत्र में नई ऊर्जा प्राप्त की है। शहरी मध्यम वर्ग स्वयं को अक्सर जाति से ऊपर बताता है, लेकिन चुनावों के दौरान वही वर्ग जातिगत पहचान के आधार पर अपनी निष्ठा तय करता दिखाई देता है। जातीय संगठन, छात्र संघ और पेशेवर एसोसिएशन अब अपनी जातिगत पहचान को अधिकारों की माँग से जोड़ रहे हैं। इस तरह जाति अब केवल सामाजिक संस्था नहीं रही, बल्कि यह 'राजनीतिक संसाधन' और 'सामाजिक पूँजी' का रूप ले चुकी है। भारत में शहरी क्षेत्रों में जाति का यह रूप प्रकट भेदभाव की अपेक्षा सांकेतिक भेदभाव के रूप में उभरता है। किसी को उसकी जाति के कारण सीधे अपमानित करना अब कानूनन अपराध है, परंतु सूक्ष्म रूपों में यह मानसिकता सामाजिक जीवन में व्याप्त रहती है। उदाहरण के लिए, किसी कर्मचारी के सामाजिक पृष्ठभूमि का उपहास करना, आरक्षण को लेकर तंज कसना, या सहकर्मी के साथ सामाजिक दूरी बनाकर रखना — ये सब जाति-आधारित पूर्वाग्रह के ही रूप हैं। डिजिटल युग में जातीय चेतना ने एक नया माध्यम प्राप्त किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर जातीय समूहों के पेज, संगठन और समुदाय अपने गौरव और इतिहास का प्रचार करते हैं। यह सांस्कृतिक आत्मसम्मान का प्रतीक हो सकता है, लेकिन कई बार यह प्रतिस्पर्धात्मक जातीयता में बदल जाता है, जिससे समाज में नये विभाजन पैदा होते हैं। 'हम' बनाम 'वे' की मानसिकता अब वर्चुअल दुनिया में भी कायम है। आर्थिक उदारीकरण के बाद माना गया था कि वैश्विक बाजार और निजी क्षेत्र में योग्यता ही सर्वोपरि होगी। परंतु 1990 के दशक से लेकर आज तक के अध्ययन यह दर्शाते हैं कि कॉर्पोरेट सेक्टर में भी दलित और पिछड़े वर्गों की भागीदारी अपेक्षाकृत कम है। निजी क्षेत्र में आरक्षण का प्रावधान नहीं होने के कारण यह असमानता और बढ़ी है। परिणामस्वरूप, आधुनिकता और बाजारवाद ने समान अवसरों का भ्रम तो दिया, परंतु जातीय असमानता की वास्तविकता को समाप्त नहीं कर पाया।

रीलनगरी के राजा रीलवर्धन

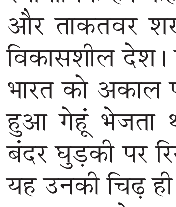

डॉ. सुरेश कुमार

यमलोक की सुबह उस दिन कुछ ज़्यादा ही झिलमिला रही थी। सूर्यदेव ने मुआफी मांगते हुए बताया कि पृथ्वी से आने वाला डेटा बहुत चमकदार है, शायद इसलिए उनके डैशबोर्ड में रिफ्लेक्शन बढ़ गया है। चित्रगुप्त परेशान थे-'कर्म-प्रोसेसर' बार-बार हैंग हो रहा था और स्क्रीन पर लगातार नोटिफिकेशन आ रहे थे-"रीलनगर से अपलोडेड कर्म डेटा-कुल 1,00,000 व्यूज, 0 नैतिकता।" यमराज ने माथा पकड़ा और पूछा-"भाई, ये नया संसार कौन-सी श्रेणी में आता है-नरक, पृथ्वीलोक या मनोविनोद विभाग?" चित्रगुप्त ने धीमे स्वर में कहा-"प्रभु, ये सबकी मिक्स रील है। वहाँ राजा रीलवर्धन नाम के एक महाराज हैं, जिन्होंने घोषणा की है कि वीडियो की अधिकता ही सभ्यता का उत्कर्ष है।" यमराज की भौंहें तन गईं-"वाह! अब धर्म का मापन पिक्सल में होगा?" तभी कर्म-ट्रैकर ने चेतावनी दी-"मानवता में मोशन ओवरलोड, चेतना बफ़रिंग पर।" और यमराज ने आदेश दिया-"फौरन कनेक्शन जोड़ो, देखना पड़ेगा कि धरती वाले अब किस नई मुसीबत में ग्लो कर रहे हैं।"रीलनगर का दरबार लाइव था-रिंगलाइट, कंफ़ेटी और स्पॉन्सर्ड ताज पहने राजा रीलवर्धन माइक पर मुस्कुरा रहे थे। मुस्कान वैसी थी जैसी पीएनजी फाइल-बिना हिले, लंबी टिकाऊ और थ्री-लेयर वाली। "हमने दुनिया को दिखा दिया है कि 30 सेकंड में भी ब्रह्मांड बदला जा सकता है," वे गर्जे, और पीछे मिस एल्गो मालिनी ने पंखा झलते हुए कहा-"प्रभावशाली कहा महाराज, अब एल्गोरिदम भी गर्व से लहराएगा।" नीचे जनता नाचती नहीं, स्क्रोल करती थी। बंटी बाम्बैया जैसे युवा स्ट्रिमर बीच में उछलकर बोले-"भाई लोग, लाइक ठोको, रीललोक ज़िंदाबाद!" गोलू गुरुजी जो पुराने जमाने की किताबों से निकले बुजुर्ग प्रतीत हो रहे थे, संभलकर बोले-"सीट दे दे बच्चा।" लेकिन वहां सीट अब इंसान को नहीं, ट्रेंड को दी जाती थी। सभागार में बैठी हर आत्मा की आँखों के नीचे टाइमलाइन बार था, जो तेजी से भरता जा रहा था। यमलोक से इसे देखकर यमराज बोले-"धरती पर लोग अब धर्म नहीं निभाते, बल्कि एडिट करते हैं। संस्कृति उनके लिए स्लो-मो फुटेज बन चुकी है। दूसरा कार्यक्रम शुरू हुआ-विषय था "दूध-पानी और डूबती समझ।" बंटी बाम्बैया ने मंच पर दो दूध की थैलियाँ रखीं और लड़की से शरारती स्वर में कहा-"एक दूध दे दे न स्वीटी।" दर्शक दीर्घा से सीटी बजाने की आवाज़ें आईं-संवेदनाएँ ट्रेंडिंग नहीं रहीं, आकर्षण ही ब्रांड बन गया था। मिस एल्गो मालिनी ने तुरंत नोट किया-"रीच बढ़ाओ, मॉरल फिल्टर हटाओ।" दूसरी रील में वह पानी की बोतल लड़की के पैरों के नीचे रखता है-"पैर हटा, प्यासी आत्मा हूँ।" कैप्शन चमक उठा-"क्यूट इनसॉलेंस।" गोलू गुरुजी ने सिर पीट लिया-"अब शालीनता भी स्किप ऐड हो गई।" पत्रकार पवन पिक्चरपुर ने प्रेस नोट तैयार किया-"युवा निर्भीक हैं।" चितु चिट्ठीवाला, जो सारी सभ्यता का ट्रांसक्रिप्ट रखता था, उसने नोट लिखा-"जहाँ दूध सम्मान का प्रतीक था, वहाँ अब मीम है। जहाँ पानी जीवन था, अब लस्ट का मेटाफर।" सभागार तालियों से गूँज उठा-इतिहास से अधिक 'हैशटैग' ज़ोरदार थे। यमराज ने ये फुटेज देखते हुए गंभीरता से कहा-"धरती वालों ने अब 'मानवता' को भी टेम्पलेट बना दिया है।" तीसरे दृश्य में बंटी ने लड़की से कहा-"देख तेरी चैन खुली है।" लड़की सकपका जाती है; तभी दोस्त हास्यास्पद मुद्रा में दाखिल हो जाता है-"कॉमेडी विथ ट्विस्ट!" रील का टाइटल चमकता है, और दर्शक ठहाकों की बाढ़ में डूब जाते हैं। राजा रीलवर्धन कुर्सी थपथपाते हुए बोले-"वही तो जीनियस।" यमलोक के मॉनिटर पर ये दृश्य चलते हुए यमराज ने कहा-"कितनी विडंबना!

सूर्य को अर्घ्य देते समय कौन-सा रंग पहनना है शुभ?

महापर्व छठ पूजा की शुरूआत हो चुकी है। छठ पूजा छठी मैया और भगवान सूर्य की पूजा का अनूठा त्योहार है। इस त्योहार में प्रकृति और आस्था का संगम देखने को मिलता है। इस पर्व में महिलाओं और पुरुषों द्वारा संतान के जीवन की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए निर्जला व्रत रखा जाता है। इस व्रत के पारण के समय सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार अर्घ्य देते समय अगर राशि अनुसार शुभ रंग पहना जाए तो विशेषफल की प्राप्ति होती है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल छठ पूजा की शुरुआत 25 अक्टूबर से हो चुकी है। ये त्योहार 28 अक्टूबर तक चलेगा। 25 अक्टूबर को ये पर्व नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया था। दूसरे दिन 26 अक्टूबर को खरना हुआ, फिर तीसरे दिन 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी यानी डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। छठ पूजा के आखिरी दिन 28 अक्टूबर को उदयागामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इसी के साथ ये पर्व समाप्त हो जाएगा।

सूर्य को अर्घ्य देते समय राशि अनुसार पहनें कपड़े

मेष – इस राशि वाले जातक को सूर्य देव की पूजा के समय लाल चुनरी या नारंगी साड़ी धारण करना शुभ रहेगा।

वृषभ – छठ मैया की पूजा के पारण के समय सूर्य को अर्घ्य देते समय अगर सफ़ेद रंग के वस्त्र धारण करके पूजा की जाए तो सूर्य की तरह भाग्य चमकेगा।

मिथुन – इस राशि वाले जातक को भगवान सूर्य की विशेष कृपा पाने के लिए इस दिन हरे रंग के वस्त्र धारण करने चाहिए।

कर्क – छठी मैया की विशेष कृपा पाने के लिए इस दिन सिल्वर या सफ़ेद रंग के वस्त्र धारण करना बेहद शुभ रहेगा।

सिंह – सूर्य देव को अर्घ्य देते समय अगर इस राशि के जातक सुनहरा या पीला का वस्त्र पहनते हैं तो इससे कार्यों में आ रही बाधा दूर होंगी।

कन्या – इस राशि के जातक को सूर्य देव को अर्घ्य देते समय हरा रंग के वस्त्र धारण करना चाहिए। इससे छठी मैया का व्रत का फल दुगना होता है।

तुला – पूजा के पारण के समय सूर्य को अर्घ्य देते समय इस राशि के जातक को नीला या आसमानी रंग पहनना शुभ रहेगा।

वृश्चिक – इस राशि वाले जातक को सूर्य देव की पूजा के समय लाल रंग के वस्त्र धारण करे तो विशेष फल की मिलेगा।

धनु – इस राशि वाले जातक को भगवान सूर्य की विशेष कृपा पाने के लिए इस दिन पीला या नारंगी रंग पहनना शुभ रहेगा।

मकर – इस राशि के जातक अगर व्रत के पारण के समय अगर नीला या ग्रे रंग धारण करके पूजा करें तो पूजा का दुगना फल प्राप्त होगा।

कुंभ – सूर्य देव को अर्घ्य देते समय अगर इस राशि के जातक नीला या बेगनी धारण कर तो इससे सूर्य देव के साथ छठी मैया प्रसन्न होंगी।

मीन – इस राशि के जातक को सूर्य देव को अर्घ्य देते समय हल्का पीला रंग धारण करना शुभ रहेगा।

घर की इन 5 जगहों पर जलाएं दीपक

तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाएं देवउठनी की शाम को तुलसी माता के पास 5 दीपक घी से जलाएं। तुलसी को लक्ष्मी और हरिप्रिया का स्वरूप माना गया है। जब आप तुलसी माता के पास दीप जलाते हैं, तो यह न सिर्फ घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है, बल्कि वैवाहिक जीवन में भी प्रेम और स्थिरता लाता है। माना जाता है कि इससे भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी दोनों प्रसन्न होते हैं और घर में धन की बरकत बनी रहती है।

घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाएं मुख्य दरवाजे के दोनों ओर गाय के घी से दीपक जलाना बेहद शुभ माना गया है। यह दीपक घर की रक्षा कवच की तरह काम करता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और बुरी नजर या किसी नकारात्मक शक्ति का असर नहीं होता। जो लोग अपने व्यापार या नौकरी में तरक्की चाहते हैं, उन्हें यह उपाय जरूर करना चाहिए।

पीपल के पेड़ के नीचे दीपक शाम के समय पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाकर उसकी सात परिक्रमा करें। यह उपाय खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो कर्ज या आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। ऐसा करने से कर्ज मुक्ति के योग बनते हैं और धन लाभ के नए रास्ते खुलते हैं। साथ ही, पीपल के पेड़ में भगवान विष्णु और ब्रह्मा का वास माना गया है, इसलिए यह दीपक शुभ फल देता है।

रसोई घर में दीपक जलाएं रसोई घर को अन्नपूर्णा देवी का स्थान माना जाता है। इसलिए देवउठनी एकादशी के दिन रसोई में दीपक जलाना बहुत शुभ होता है। कहा जाता है कि इससे घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती। यह उपाय परिवार के लिए समृद्धि और खुशहाली लाता है। आप चाहे तो दीपक जलाने के बाद मीठा प्रसाद बनाकर देवी अन्नपूर्णा को अर्पित भी कर सकते हैं।

तुलसी विवाह जरूर करें देवउठनी एकादशी के दिन तुलसी विवाह का आयोजन भी किया जाता है। इस दिन तुलसी माता का विवाह शालिग्राम भगवान विष्णु से होता है। घर में तुलसी विवाह करने से वैवाहिक जीवन में सौहार्द बढ़ता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है, अगर कोई विवाह योग्य व्यक्ति घर में है, तो उसके लिए अच्छे रिश्ते आने लगते हैं।

छठ पूजा से संतान सुख और उसके सुख-सौभाग्य में वृद्धि का मिलेगा आशीर्वाद

लोक आस्था के महापर्व का आज तीसरा दिन है। हर साल कार्तिक मास के शुक्लपक्ष की षष्ठी तिथि को इस पर्व की शुरुआत होती है। छठ पूजा षष्ठी देवी और सूर्य भगवान को समर्पित है। छठी मैया को बच्चों की रक्षा करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। सनातन धर्म में छठी मैया संतान सुख देने वाली और उसके सुख-सौभाग्य में वृद्धि करने वाली मानी गई हैं। छठ पूजा मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, ओडिशा राज्यों का प्रमुख पर्व है। छठी देवी की पूजा करने पर होती है सुख-सौभाग्य की प्राप्ति वहीं, अब इन जगहों से जुड़े लोग देश के विभिन्न हिस्सों में रहते हैं, जिसके कारण लोक आस्था से जुड़ा यह पर्व देश के कोने-कोने में बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है।

छठ पर्व के आते ही देश भर की पवित्र नदियों और जलाशयों के घाट पर छठी माता के गीत गुंजायमान होने लगते हैं। मान्यता है कि छठ पूजा के दिन विधि-विधान से छठी देवी की पूजा करने पर सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है और देवी से संतान की रक्षा का आशीर्वाद मिलता है। यहां पढ़िए छठी मैया का गुणगान करने वाली आरती।

छठी माता की आरती

जय छठी मैया ऊ जे केरवा जे फरेला खबद से, ओह पर सुगा मंडराए।
मारबो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुरझाए।। जय ।।
ऊ जे सुगनी जे रोएली वियोग से, आदिति होई ना सहाय।
ऊ जे नारियर जे फरेला खबद से, ओह पर सुगा मंडराए ।। जय ।।
मारबो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुरझाए।
ऊ जे सुगनी जे रोएली वियोग से, आदित होई ना सहाय ।। जय ।।
अमरुदवा जे फरेला खबद से, ओह पर सुगा मंडरराए।
मारबो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुरझाए।। जय ।।
ऊ जे सुहनी जे रोएली वियोग से, आदित होई ना सहाय।
शरीफवा जे फरेला खबद से, ओह पर सुगा मंडराए ।। जय ।।
मारबो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुरझाए।
ऊ जे सुगनी जे रोएली वियोग से, आदित होई ना सहाय।। जय ।।
ऊ जे सेववा जे फरेला खबद से, ओह पर सुगा मंडराए।
मारबो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुरझाए।। जय ।।
ऊ जे सुगनी जे रोएली वियोग से, आदित होई ना सहाय।
सभे फलवा जे फरेला खबद से, ओह पर सुगा मंडराए।। जय ।।
मारबो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुरझाए।
ऊ जे सुगनी जे रोएली वियोग से, आदित होई ना सहाय।। जय ।।

सिर्फ एक पोटली से बदल जाएगी किस्मत!

हिंदू धर्म में हर तिथि हर वार का अत्यधिक महत्व शास्त्रों में बताया गया है। उन्हीं तिथियों में से कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिन विशेष रूप से आंवले के पेड़ का पूजन होता है। उज्जैन के आचार्य आंनद भारद्वाज के अनुसार, अगर आंवला नवमी के दिन कुछ विशेष उपाय कर लिए जाएं तो सालभर लक्ष्मी-नारायण प्रसन्न रहते हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार, 30 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 6 मिनट पर कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि शुरू होकर 31 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 03 मिनट पर समाप्त होगी। इसके बाद कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि शुरू होगी। इस अनुसार उदयातिथि के अनुसार 31 अक्टूबर को आंवला नवमी मनाई जाएगी

आंवला नवमी पर जरूर करें यह उपाय

लक्ष्मी नारायण की कृपा पाने के लिए इस दिन आंवला के वृक्ष की कपूर और घी के दीपक से आरती करें और 108 बार परिक्रमा करें। इसके साथ ही आंवला के वृक्ष के नीचे ब्राह्मण, गरीब और जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं। साथ ही खुद भी वृक्ष के पास भोजन करें। ऐसा करने से माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्ति होती है और परिवार के सदस्यों की उन्नति भी होती है।

अक्षय नवमी के दिन आंवले के पेड़ की पूजा करें और फिर एक पीला कपड़ा लें। उसमें 4 आंवले जो एक दिन पहले के तोड़े हुए हैं उन्हें उस कपड़े में रख लें। इसके बाद उस पोटली को तांबे या पीतल के बर्तन में रख कर अपने बेडरूम की अलमारी में रख लें। हर माह के शुक्ल पक्ष की नवमी को आंवले बदलें। ऐसा सिर्फ आपको 5 नवमी तिथियों तक करना है। इससे आपको लाभ दिखने लगेगा।

अगर पारिवारिक कलह मचा हुआ है तो, अक्षय नवमी के दिन तिल के तेल का दीया जलाकर उससे आंवले के पेड़ की पूजा करें और आरती उतारें। फिर इसके बाद उस दीपक में अपने और अपने जीवनसाथी से 5 कपूर उसार कर डाल दें और दीपक को आंवले के पेड़ के नीचे रखकर घर आ जाएं। ध्यान रहे कि इस उपाय को पति-पत्नी को साथ में करना है तभी इसका शुभ फल प्राप्त होगा और वैवाहिक जीवन में खुशहाली आएगी।

अक्षय नवमी के दिन आंवले के पौधे का दान करना बहुत उत्तम माना गया है। इसके साथ ही आप भी अपने घर की उत्तर दिशा में आंवला का वृक्ष लगाएं।

अगर उत्तर दिशा में पौधा लगाना संभव नहीं है तो पूर्व दिशा में भी लगा सकते हैं। ऐसा करने से वास्तु दोष दूर होता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है, जिससे परिवार के सभी सदस्यों की समस्याएं दूर होती हैं।

करियर में सफलता दिलाता है दसवें भाव का शुक्र

शुक्र का ग्रह हमारे जीवन में प्रेम, सुंदरता, वित्तीय स्थिति और सामाजिक संबंधों का प्रतिनिधित्व करता है। जब यह ग्रह दसवें भाव में स्थित होता है, तो इसका प्रभाव हमारे करियर, समाज में प्रतिष्ठा और पेशेवर जीवन पर गहराई से दिखाई देता है। दसवां भाव जो कि कर्म भाव भी कहलाता है, यह दिखाता है कि व्यक्ति अपने काम और प्रयासों के जरिए समाज में किस तरह की पहचान बनाता है। ऐसे में शुक्र का यहां होना यह संकेत देता है कि व्यक्ति न केवल अपनी मेहनत से सफलता पा सकता है, बल्कि इसमें आकर्षण और सौंदर्य का भी योगदान होता है। इस स्थिति में व्यक्ति अक्सर दूसरों के साथ सहजता से तालमेल बैठा लेता है, जिससे उसे प्रोफेशनल जीवन में मदद मिलती है। इसमें रचनात्मकता और कला के प्रति रुचि भी बढ़ती है, जिससे नौकरी या व्यवसाय में नई संभावनाएं खुलती हैं, लेकिन सिर्फ अच्छी स्थिति ही नहीं, शुक्र दसवें भाव में होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव भी सामने आ सकते हैं। कभी-कभी व्यक्ति प्रतिष्ठा के पीछे बहुत अधिक महत्व देने लगता है या फिर अपने संबंधों और करियर में संतुलन बनाए रखने में कठिनाई महसूस करता है।

करियर में सफलता और प्रतिष्ठा:

शुक्र दसवें भाव में होने से व्यक्ति अपने पेशेवर जीवन में जल्दी सफलता पा सकता है। लोग उसकी क्षमताओं और सौम्यता की सराहना करते हैं, जिससे समाज में उसकी अच्छी छवि बनती है।

संपन्नता और वित्तीय स्थिरता:

यह स्थिति व्यक्ति को वित्तीय रूप से मजबूत बनाती है। व्यवसाय या नौकरी में अच्छे अवसर मिलते हैं, जिससे जीवन में आर्थिक सुरक्षा आती है।

रचनात्मकता और कला का योगदान:

इस भाव में शुक्र होने से व्यक्ति में कला, संगीत, डिजाइन या रचनात्मक क्षेत्रों में रुचि और प्रतिभा बढ़ती है। यह करियर में नई ऊंचाइयों को छूने का अवसर देता है।

संबंधों में सामंजस्य:

कार्यस्थल पर सहयोगियों और वरिष्ठों के साथ सामंजस्य बना रहता है। लोग अपने फैसले और व्यवहार में उसे समझने लगते हैं।

नकारात्मक प्रभाव

आत्मकेंद्रित व्यवहार:

कभी-कभी व्यक्ति अपनी प्रतिष्ठा और सफलता को बहुत अधिक महत्व देने लगता है। इससे वह दूसरों के प्रति संवेदनशील नहीं रह पाता।

संबंधों में दूरी:

करियर के प्रति अधिक ध्यान देने से व्यक्तिगत और सामाजिक संबंधों में दूरी आ सकती है। परिवार और मित्रों के साथ समय बिताने में कमी हो सकती है।

अति महत्वाकांक्षा:

शुक्र की यह स्थिति व्यक्ति में अति महत्वाकांक्षा और लालच पैदा कर सकती है। परिणामस्वरूप वह छोटे फैसलों में भी जल्दबाजी कर सकता है।

उपाय

संतुलित जीवन अपनाएं:

करियर और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। समय प्रबंधन और प्राथमिकताओं को सही ढंग से समझना लाभकारी रहेगा।

ध्यान और योग का अभ्यास:

ध्यान और योग के माध्यम से मानसिक शांति और स्थिरता बनाए रखी जा सकती है। यह तनाव कम करने में मदद करता है।

संबंधों को महत्व दें:

परिवार और मित्रों के साथ समय बिताना, उनके सुख-दुख में शामिल होना संबंधों को मजबूत करता है और मन को शांति देता है।

सकारात्मक सोच:

अति महत्वाकांक्षा और लालच से बचने के लिए सकारात्मक सोच और अपने कर्मों पर विश्वास रखना महत्वपूर्ण है।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' सीरीज पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने दी प्रतिक्रिया, शाहरुख के बेटे आर्यन पर कही बड़ी बात

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' सीरीज से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा। आर्यन को इस सीरीज के लिए अब तक कई बड़े दिग्गजों की ओर से सराहना मिल चुकी है। अब इसी कड़ी में कांग्रेस सासंद शशि थरूर का भी नाम जुड़ गया है। जी हां, आर्यन खान के इस डेब्यू प्रोजेक्ट को शशि थरूर ने ओटीटी का शुद्ध सोना करार दिया है।

थरूर ने देखी 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड'

दरअसल शशि थरूर इन दिनों सर्दी-खांसी से जूझ रहे थे और उन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से दो दिन की छुट्टी ली थी। इस दौरान उनकी बहन स्मिता थरूर ने उन्हें नेटफ्लिक्स की यह नई सीरीज देखने की सलाह दी। जब थरूर ने सीरीज देखी तो उन्हें ये खूब पसंद आई। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर सीरीज को देखने के बाद अपना रिएक्शन दिया है।

शशि थरूर ने दी प्रतिक्रिया

कांग्रेस सांसद ने अपने पोस्ट में लिखा- 'मैं दो दिनों से खांसी-जुकाम से जूझ रहा था और बाकी सभी काम रद्द कर दिए थे। स्टाफ और मेरी बहन ने कहा कि कंप्यूटर से नजरें हटाकर थोड़ा कुछ देख लीजिए। मैंने नेटफ्लिक्स की इस सीरीज को देखा और कहना होगा- यह ओटीटी का गोल्ड है।'

थरूर ने आर्यन की जमकर तारीफ की

थरूर ने आगे आर्यन खान के निर्देशन की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि इस सीरीज की लेखन शैली बेहद तीखी है, निर्देशन साहसिक है और इसकी कहानी फिल्म इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे छिपी सच्चाइयों को बेबाकी से सामने लाती है। उनके मुताबिक, यह सीरीज हंसी, व्यंग्य और गहराई तीनों का शानदार मेल है। उन्होंने आगे लिखा- 'ये शो धीरे-धीरे आपको अपनी पकड़ मजबूत करता है और फिर आप इससे निकल नहीं पाते। हर सीन में एक ऐसी ईमानदारी और बेबाकी है जो बॉलीवुड में बहुत समय से नहीं दिखी थी।' शशि थरूर ने आर्यन की इस सीरीज को एक शानदार शुरुआत बताया और कहा कि यह सात एपिसोड की सीरीज एक असली कहानीकार के आगमन का संकेत है।'

सीरीज की स्टारकास्ट

आपको बता दें 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में लक्ष्य, सहर बाम्बा, बॉबी देओल, राघव जुयाल, आन्या सिंह, मनीष चौधरी, मोना सिंह, विजयंत कोहली, मनोज पाहवा, गौतमी कपूर और रजत बेदी जैसे कलाकार नजर आए हैं। कहानी आसमान सिंह (लक्ष्य) नाम के एक ऐसे नौजवान की है जो फिल्मों की दुनिया में बड़ा नाम कमाने का सपना लेकर आता है। उसके साथ उसका दोस्त परवेज (राघव जुयाल) और मैनेजर सान्या (आन्या सिंह) उसका साथ देते हैं। यह कहानी न सिर्फ ग्लैमर की दुनिया की चमक दिखाती है बल्कि उसके पीछे की अंधेरी सच्चाइयों को भी उजागर करती है।

'कांतारा चैप्टर 1' में डबल रोल में थे ऋषभ शेट्टी तीन बार फिल्म देखने पर भी नहीं पहचान पाए फैंस

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। फैंस ने इस फिल्म को गजब का प्यार दिया है। लेकिन जितनी मेहनत कलाकारों की पर्दे पर भारी-भरकम डायलॉग्स और स्क्रीन प्रेसेंस में झलक रही है, उससे कई गुना ज्यादा मेहनत उन्होंने पर्दे के पीछे की है। फिल्म के अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी का हालिया वीडियो इस बात को साबित भी करता है कि उन्होंने एक नहीं बल्कि दो-दो किरदारों में खुद को ढालने के लिए जमकर खून-पसीना बहाया है।

बूढ़े किरदार मायकारा में देख फैंस हैरान

ऋषभ शेट्टी ने फिल्म में डबल रोल निभाया है। जहां एक तरफ उनके किरदार के बारे में सभी को पहले से ही पता था वहीं दूसरे रोल में तो वो पहचाने भी नहीं जा रहे। फैंस ने जब उन्हें पर्दे पर बूढ़े किरदार मायकारा के तौर पर देखा तो किसी को यकीन ही नहीं हुआ कि वो खुद ऋषभ हैं। बहुत सारे लोगों को ये जानकर हैरानी हुई क्योंकि उन्होंने अपने इस रोल में ढलने के लिए गजब का ट्रांसफॉर्मेशन किया था। मेकर्स ने अब इसी बेहतरीन ट्रांसफॉर्मेशन का वीडियो साझा किया है।

मेकर्स ने साझा किया वीडियो

फिल्म के मेकर्स ने एक बीटीएस वीडियो साझा किया है जिसमें ऋषभ शेट्टी मायकारा के किरदार के लिए मेकअप करवा रहे हैं। इस रोल का लुक लेने के लिए ऋषभ को करीब 7-8 घंटे लगते थे और ऐसा वो लगातार कुछ दिन तक करते रहे।

लोगों ने की मेकअप टीम की तारीफ

ऋषभ शेट्टी की इस ट्रांसफॉर्मेशन वीडियो को देखकर कई लोगों ने कमेंट किया है। जहां कुछ लोगों ने ऋषभ की कमिटमेंट की तारीफ की, वहीं बहुत सारे लोगों ने उनकी मेकअप टीम की मेहनत की भी सराहना की। एक यूजर ने कमेंट किया- 'क्या समर्पण है सर! थिएटर में मैंने फिल्म तीन बार देखी, लेकिन कभी पहचान ही नहीं पाया कि वो रोल आपने निभाया था। सलाम है आपको सर'।

वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा- 'भाई, मेरा मानना है कि 99% लोगों को लगा होगा कि 'मायकारा' का किरदार कोई और शख्स निभा रहा है। एक्टिंग का लेवल ही कुछ ऐसा था और साथ ही मेकअप आर्टिस्ट्स को भी सलाम! मैं खुद भी थिएटर से लौटने के बाद तक नहीं जान पाया था, जब तक इसे कहीं पढ़ नहीं लिया और सर्च नहीं किया।

'कांतारा चैप्टर 1' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

फिल्म इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। कुल 808 करोड़ कलेक्शन के साथ, अभी तक 'छावा' साल की सबसे बड़ी इंडियन फिल्म थी लेकिन अब 'कांतारा चैप्टर 1' ने ये रिकॉर्ड तोड़ डाला है। फिल्म का टोटल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 809 करोड़ रुपये हो गया है और 'छावा' अब पीछे छूट गई है।

दोस्त की पार्टी में मुलाकात, डेटिंग और शादी...यूं करीब आए जय भानुशाली और माही, क्या 14 साल बाद टूटेगा रिश्ता?

टीवी जगत की मशहूर जोड़ी जय भानुशाली और माही विज के तलाक की खबरों ने फैंस को चौंका दिया है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि कपल शादी के 14 साल बाद अलग हो रहा है। दोनों के रिश्ते की शुरुआत काफी खूबसूरत अंदाज में हुई थी। इनकी लव स्टोरी बेहद फिल्मी है। पढ़िए

दोस्ती पार्टी में हुई थी पहली मुलाकात

जय भानुशाली और माही विज फिल्मी स्टाइल में एक कॉमन दोस्त की शादी में पहली बार मिले। हालांकि, तब इनके बीच प्यार और आकर्षण जैसा कोई सीन नहीं था। सामान्य बातचीत हुई। करीब सालभर बाद दोनों की मुलाकात एक बार फिर हुई। उस दौरान दोनों अपने दोस्तों के साथ आउटिंग पर थे। यहां से इनकी दोस्ती मजबूत हुई और फिर धीरे-धीरे प्यार में तब्दील हुई। साल 2009 में नए साल की शाम जय ने माही को प्रपोज किया।

डेटिंग के वक्त परवान चढ़ा इश्क

जय भानुशाली और माही ने काफी वक्त तक एक-दूसरे को डेट किया। डेटिंग के दौरान इनका इश्क और परवान चढ़ा और दोनों ने जिंदगीभर साथ रहने का फैसला किया। साल 2011 में इन्होंने करीबी दोस्तों और परिवार के बीच शादी रचा ली। साल 2017 में इस कपल ने दो बच्चों- खुशी और राजवीर को गोद लिया। अगस्त 2019 में कपल के घर बेटी तारा का जन्म हुआ। जय और माही का घर तीन बच्चों की किलकारी और प्यार से गुलाजर रहने लगा।

जय और परिवार के लिए माही ने किया काफी कुछ न्योछावर

जय और माही की शादीशुदा जिंदगी बेहद खूबसूरत और आदर्श रही है। अमर उजाला के साथ एक इंटरव्यू में खुद जय ने एक बार यह कहा था कि माही ने उनके लिए अपना काफी कुछ न्योछावर किया है। जय से पूछा गया था कि एक पति पत्नी के रिश्ते में माही आपका कितना साथ देती हैं? इस पर जय ने कहा था, 'माही वह इंसान हैं, जिन्होंने मेरे काम के लिए अपना बहुत कुछ न्योछावर कर दिया है। मैं काम में अक्सर व्यस्त होता था और जब आपको पता है कि आपका पति है फिर भी सारी जिम्मेदारियां आप पर हैं तो वह अपने आप में बड़ी बात है'।

जय ने बताया था शादी का मतलब

जय ने कहा था, 'मेरे तीन बच्चे हैं और मुंबई शहर में रह कर तीनों बच्चों का अच्छे से ख्याल रखना, उनकी पढ़ाई लिखाई और रोजमर्रा की चीजों का ध्यान रखना तो ये चीजें उन्होंने अकेले संभाली है। मैं शूटिंग के लिए उमरगांव आया हूं तो सारी चीजें वह ही कर रही हैं, लेकिन जिस तरह से उन्होंने चीजों को संभाला है वह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।

इसके साथ ही उन्होंने मुझे हमेशा प्रेरित किया है और कहा कि आप बस अपना काम मन लगा कर करिए बाकी सब मैं देख लूंगी। विवाहित होना सिर्फ पति पत्नी होना नहीं है, ये एक दूसरे के काम का ख्याल रखना और उसकी इज्जत करना भी है'। अब अचानक इनके तलाक की अफवाह ने फैंस को चौंका दिया है।

15 साल के करियर पर थिएटर में पहली बार रिलीज होगी इस एक्ट्रेस की फिल्म, कपिल शर्मा के साथ आएंगी नजर

टेलिविजन जगत और ओटीटी पर अपने अभिनय से पहचान बना चुकी अभिनेत्री और एंटरप्रेन्योर पारुल गुलाटी अब बॉलीवुड के कॉमेडी किंग कपिल शर्मा के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। फिल्म 'किस किस को प्यार करूं 2' में नजर आने वालीं पारुल ने इस बात की ऑफिशियली घोषणा कर दी है। ये फिल्म 15 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है और खास बात ये है कि यह पारुल गुलाटी की इंडस्ट्री में 15 साल के लंबे सफर के बाद पहली थिएट्रिकल रिलीज होगी।

पारुल ने आधिकारिक तौर पर किया एलान

पारुल ने अपने इस नए चैप्टर की जानकारी फैंस के साथ साझा करते हुए एक भावनात्मक पोस्ट लिखा। उन्होंने लिखा- '15 साल के इंतजार के बाद आखिरकार वो दिन आ गया जब मैं हिंदी सिनेमा के बड़े पर्दे पर नजर आने वाली हूं, वो भी कपिल शर्मा के साथ।' पारुल के इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट किया है।

लंबे समय से मनोरंजन जगत का हिस्सा रहीं पारुल

पारुल गुलाटी लंबे समय से मनोरंजन जगत का हिस्सा रही हैं। वोकई भाषाओं में वेब सीरीज, ओटीटी शो और म्यूजिक वीडियोज में नज़र आ चुकी हैं, लेकिन बॉलीवुड के बड़े पर्दे पर यह उनका डेब्यू है। फिल्म पर बात करते हुए हालिया इंटरव्यू में उन्होंने कहा- 'कॉमेडी मेरे लिए एक बिल्कुल नया अनुभव है। मैं हमेशा ड्रामा और इमोशनल किरदारों में रही, लेकिन इस बार कपिल शर्मा के साथ काम करते हुए मैंने खुद को एक अलग जोन में पाया।'

फिल्म की स्टारकास्ट

बता दें इस फिल्म में जहां मेल लीड के तौर पर कपिल शर्मा नजर आएंगे। वहीं अभिनेत्रियों में पारुल गुलाटी के अलावा बिग बॉस 17 फेम आयशा खान भी नजर आने वाली हैं। इन दोनों के साथ ही वरीना हुसैन भी कपिल शर्मा के लव इंटरस्ट के रूप में नजर आने वाली हैं।

एक्शन स्टार जैकी चैन से ऋतिक रोशन की फैंसी मुलाकात, साथ में खिंचवाई फोटो

फैंस बोले- 'एक फ्रेम में दो लीजेंड'

बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' हाल ही में एक्शन स्टार चैकी चैन से मिले। जैकी से मिलकर ऋतिक खुशी से झूम उठे हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे और जैकी साथ में पोज देते नजर आ रहे हैं। दोनों सितारों के चेहरे पर एक-दूसरे से मिलने की खुशी झलक रही है।

मैचिंग हैट पहने दिखे दोनों दिग्गज

ऋतिक रोशन ने आज सोमवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे और जैकी चेन साथ में पोज देते दिख रहे हैं। दोनों ने मैचिंग हैट पहनी है। ऋतिक ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'आपसे यहां मिलकर अच्छा लगा सर जैकी चैन। मेरी टूटी हुई हड्डियां आपकी टूटी हुई हड्डियों को सलाम करती हैं। हमेशा और हमेशा'।

ऋतिक ने जैकी चैन को बताया प्रेरणा

तस्वीरों में ऋतिक रोशन ऑल-व्हाइट लुक में काफी स्टाइलिश लग रहे हैं। उन्होंने एक क्रिस्प टी-शर्ट के साथ व्हाइट डेनिम जैकेट, मैचिंग पैंट पहनी है। वहीं, जैकी ब्लैक शर्ट और पैंट में नजर आ रहे हैं। फोटो शेयर करते हुए ऋतिक रोशन ने कहा कि फिल्मों में स्टंट और एक्शन सीक्वेंस करने के मामले में जैकी चैन उनके लिए एक प्रेरणा हैं।

फैंस भी हुए उत्साहित

ऐसा पहली बार नहीं है, जब ऋतिक रोशन एक्शन स्टार जैकी चैन से मिले हैं। वे इससे पहले 2019 में ऋतिक की फिल्म काबिल के चाइना प्रीमियर के दौरान एक साथ पोज दे चुके हैं। दोनों की हालिया मुलाकात पर फैंस भी बेहद उत्साहित हैं। एक यूजर ने लिखा, 'दो लीजेंड एक फ्रेम में'। दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी ने लिखा है, 'जैकी'। टाइगर श्रॉफ ने फायर इमोजी और हार्ट इमोजी पोस्ट किए हैं। एक यूजर ने लिखा, 'यह कॉलेब पूरी दुनिया चाहती है'।

सलमान के बचाव में आईं राखी सावंत अभिनव कश्यप पर लगाए इल्जाम

कहा- भाई के खिलाफ बोलने के लिए मिले होंगे पैसे

अभिनेत्री राखी सावंत अपने बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। वह सलमान खान की समर्थक मानी जाती हैं। हाल ही में निर्देशक अभिनव कश्यप ने सलमान खान पर कई इल्जाम लगाए थे। इस पर राखी सावंत ने जवाब दिया है और अभिनव कश्यप की आलोचना की है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, राखी ने सलमान का बचाव किया है। उन्होंने अभिनव के दावों को झूठा करार दिया है।

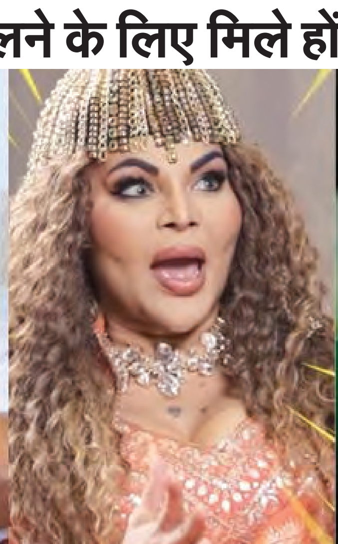

अभिनव कश्यप पर भड़कीं राखी सावंत

राखी सावंत ने कहा 'तू जिधर भी मिला टकले, तुझे चप्पल से मारूंगी। दबंग फिल्म का डायरेकटर था वो। पता नहीं कौन है वो। हम तो नाम नहीं लेंगे उसका। मैं उस टकले का नाम लेकर अपनी जबान खराब नहीं करूंगी।'

अभिनव कश्यप को बताया झूठा

सलमान खान का बचाव करते हुए राखी ने कहा 'भाई (सलमान) को ना किसिंग पसंद है ना किसिंग सीन पसंद है। धरती पर देवता है वह।' अभिनव कश्यप पर इल्जाम लगाते हुए राखी ने कहा 'वह मीडिया में गलत-गलत बोल रहा है, उनके परिवार के बारे में। झूठ बोलता है वह।'

सलमान के खिलाफ बोलने के लिए दिए होंगे पैसे

राखी सावंत ने इल्जाम लगाया कि अभिनव ने सेट पर बदतमीजी शुरु कर दी थी। उन्होंने कहा 'लड़की बाजी शुरू कर दी थी उसने। इसलिए उसको सलमान का पैसा बर्बाद करने के लिए प्रोजेक्ट से निकाल दिया था।' उन्होंने इल्जाम लगाया कि सलमान के दुश्मनों ने उन्हें सलमान के खिलाफ बोलने के लिए पैसे दिए होंगे।

तीनों खान पर लगाए इल्जाम

हाल ही में अभिनव कश्यप ने सलमान खान पर इल्जाम लगाया था कि सलमान खान ने उनके एडिटर को किडनैप कर लिया था। उन्होंने आमिर खान को बहुत चालाक बताया था। इसके अलावा उन्होंने शाहरुख को लेकर कहा था कि भले ही वह अच्छा बोलते हों लेकिन नियत उनकी भी ठीक नहीं है।

रिलीज के दिन छुट्टी का एलान, रिकॉर्ड कीमत पर बिके टिकट कुली की रिलीज पर फैंस ने मनाई त्योहार जैसी खुशियां

साल 2025 में एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई, जब दर्शकों की बेताबी के चलते फिल्म के टिकट 4500 रुपये की कीमत पर बिके। कर्मचारियों का उत्साह देख एक कंपनियों ने छुट्टी का एलान कर दिया। कर्मचारियों को मुफ्त टिकट बांटे गए। अनाथाश्रम और वृद्धाश्रमों में दान दिए गए। सोने पर सुहागा यह था कि इस फिल्म की रिलीज के वक्त ही इसके लीड स्टार ने सिनेमा में 50 साल पूरे किए। अब शायद आप समझ गए होंगे की हम बात किस फिल्म की कर रहे हैं? नहीं समझे तो हम बताते हैं

इस साल अगस्त में रिलीज हुई थी फिल्म

यह बातें हो रही हैं फिल्म 'कुली' की। सुपरस्टार रजनीकांत अभिनीत यह फिल्म 14 अगस्त 2025 को थिएटर्स में रिलीज हुई। ओपनिंग डे पर सिनेमाहॉल खचाखच भर गए। एचआर विभाग को छुट्टियों के ढेर सारे आवदेन आने शुरू हों, इससे पहले ही कंपनी ने छुट्टी का एलान कर दिया। इसके अलावा अपनी सभी ब्रांच में मुफ्त टिकट भी बांटे गए। बताते चलें कि इस फिल्म के टिकट 4,500 रुपये में भी बिक रहे थे।

रजनीकांत के सिनेमा में 50 साल पूरे होने का मनाया गया जश्न

इतना ही नहीं, इस फिल्म की रिलीज और रजनीकांत के सिनेमा में 50 साल पूरे होने के अवसर पर खुशी मनाने का आलम यह रहा कि अनाथालय और वृद्धाश्रमों में दान किए गए। कंपनी की तरफ से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया गया था। इसमें लिखा था, 'सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कुली' की रिलीज के चलते हमने एचआर विभाग को छुट्टी के ढेर सारे अनुरोधों से बचने के प्रयास में 14 अगस्त 2025 को छुट्टी का एलान करने का फैसला लिया। हम अनाथाश्रम व वृद्धाश्रमों में भोजन दान करके, लोगों को मिठाई बांटकर और यूएनओ एक्वा कर्मचारियों को फिल्म के मुफ्त टिकट बांटकर रजनीकांत के सिनेमा में 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

कुछ जगहों पर सुबह छह बजे से शुरू हुई स्क्रीनिंग

रजनीकांत के एक प्रशंसक प्रभाकर ने इंडिया टुडे डिजिटल से बातचीत में कहा था, 'मैंने चेन्नई के सभी मशहूर थिएटर्स में अपनी किस्मत आजमाई है। सभी की कीमतें 600 रुपये, 1,000 रुपये हैं, जिनमें सबसे ज्यादा 4,500 रुपये है। मैं पहले शो के लिए टिकटिंग एप के जरिए टिकट बुक नहीं कर पा रहा हूं, क्योंकि वे या तो ब्लॉक हैं या बिक चुके हैं।

मेरे जैसे प्रशंसक के पास ब्लैक में टिकट खरीदने या सरकारी दरों पर फिल्म देखने के लिए पहले शो खत्म होने तक इंतजार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है'। कुछ जगहों पर तो फिल्म की स्क्रीनिंग भी सुबह छह बजे से शुरू हो गई थी।

बता दें कि फिल्म 'कुली' को करीब 400 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया। इसमें नागार्जुन, सत्यराज, आमिर खान, उपेंद्र, सौबिन शाहिर और श्रुति हासन जैसे कलाकार नजर आए।

पाचन विकारों से अक्सर रहते हैं परेशान? कहीं आपको मानसिक स्वास्थ्य की समस्या तो नहीं

पेट दर्द एक सामान्य समस्या है, ये किसी को भी हो सकती है। आमतौर पर गैस, कब्ज या अपच के कारण पेट में दर्द हो सकता है, जोकि सामान्य दवाओं और घरेलू उपचार से ठीक भी हो जाता है। पर अगर आपको लंबे समय से पेट में दर्द या पाचन में गड़बड़ी की दिक्कत बनी हुई है और सामान्य उपचार के माध्यम से ये ठीक नहीं हो रहा है तो सावधान हो जाइए, कहीं ये मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं का संकेत तो नहीं है?

जी हां, आपने सही सुना। पाचन तंत्र में गड़बड़ी कुछ स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य विकारों का लक्षण हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स रोग (जीईआरडी) और स्ट्रेस-एंग्जाइटी जैसी मानसिक समस्याओं के बीच लिंक देखा गया है। यानी कि अगर आपको लंबे समय तक जीईआरडी के लक्षण बने रहते हैं और उपचार से आराम नहीं मिल रहा है तो एक बार किसी मनोचिकित्सक से जरूर मिल लेना चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों को शिक्षित और जागरूक करने के साथ सामाजिक कलंक की भावना दूर के लिए हर साल 10 अक्तूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। आइए जानते हैं कि पेट की समस्याओं का मेंटल हेल्थ से क्या संबंध हो सकता है?

गट-ब्रेन हेल्थ कनेक्शन

हार्वर्ड हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार गट-ब्रेन हेल्थ एक दूसरे से बड़े करीब से जुड़े होते हैं। आपको अगर अक्सर पेट में दर्द वाला अनुभव होता है, उल्टी महसूस होती है? अगर इन समस्याओं में सामान्य दवाओं से आराम नहीं मिल पा रहा है तो हो सकता है ये स्ट्रेस या एंग्जाइटी के कारण हो रहा हो।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, तनाव या चिंता की स्थिति हमारे पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकती है। हमारी आंतें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में सेंट्रल नर्वस सिस्टम के द्वारा नियंत्रित होती हैं, ऐसे में यदि आपको मानसिक स्वास्थ्य की समस्या है तो इसमें पाचन से संबंधित लक्षण भी दिख सकते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

हार्वर्ड के विशेषज्ञ बताते हैं, अधिक तनाव लेने वाले लोगों में अक्सर पाचन की समस्या बनी रह सकती है। मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. टोरोसियन कहते हैं, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि तनाव की स्थिति में इंफ्लामेटरी बाउल डिजीज जैसी समस्याओं का खतरा नहीं होता है, हालांकि ये पाचन के लक्षणों को जरूर गंभीर बना सकती है। स्ट्रेस और ट्रॉमा के शिकार लोगों को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं के बारे में सावधानी बरतनी चाहिए।

स्ट्रेस में क्यों होती है पाचन की दिक्कत?

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अक्सर बनी रहने वाली चिंता-तनाव की स्थिति के कारण शरीर में कई प्रकार के हार्मोनल बदलाव होने लग जाते हैं जो गैस्ट्रिक रस के स्राव को बढ़ाती है, जिससे पेट में दर्द, सूजन, एसिडिटी और जलन होती है।

साल 2019 के एक अध्ययन में पाया गया कि जीईआरडी से पीड़ित लोगों में चिंता और अवसाद के लक्षण काफी अधिक थे, खासकर उन लोगों में जिन्होंने सीने में दर्द की भी शिकायत हो रही थी। जीईआरडी और चिंता विकार दोनों ही सीने में दर्द का कारण बन सकते हैं, ये लक्षण अक्सर हार्ट अटैक जैसे महसूस होते हैं।

स्ट्रेस को करें कंट्रोल

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ऐसा नहीं है कि गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं होते ही ये समझ लें कि आपको कोई मानसिक दिक्कत हो गई है, हालांकि अगर सामान्य इलाज से आराम न मिले निश्चित ही सावधान हो जाना चाहिए।

सभी लोगों को स्ट्रेस को कंट्रोल करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए क्योंकि इससे सिर्फ पाचन ही नहीं, हृदय गति बढ़ने, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की भी दिक्कत हो सकती है। लंबे समय तक बने रहने वाली तनाव की समस्या को कई अन्य गंभीर स्वास्थ्य विकारों का भी कारण माना जाता है।

क्या डेंगू में फायदेमंद है पपीते के पत्ते का जूस प्लेटलेट काउंट बढ़ाने के लिए कर सकते हैं सेवन?

मच्छर जनित रोगों के मामले देशभर में बढ़ रहे हैं। हालिया जानकारियों के मुताबिक कर्नाटक, असम, महाराष्ट्र और राजधानी दिल्ली-एनसीआर, सभी जगह डेंगू-मलेरिया के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मच्छरों के काटने से होने वाली ये बीमारियां कुछ स्थितियों में जानलेवा भी हो सकती हैं। विशेषकर डेंगू और चिकनगुनिया में अगर समय पर इलाज न मिल पाए तो इससे अंगों को भी क्षति पहुंचने का जोखिम देखा जाता रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस तरह से डेंगू-मलेरिया के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है, सभी लोगों को इससे बचाव के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। बच्चों और बुजुर्गों में डेंगू की स्थिति गंभीर लक्षणों का कारण बन सकती है जिसको लेकर सावधानी बरतते रहना बहुत जरूरी है।

अगर किसी को डेंगू हो जाए तो समय रहते इसकी जांच जरूर कराएं। डेंगू-मलेरिया के लक्षण लगभग एक जैसे होते हैं इसलिए जांच के माध्यम से सही निदान और समय पर उपचार प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा बीमारी में किसी भी घरेलू उपाय को प्रयोग में लाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

डेंगू में पपीते के पत्तों का जूस

डेंगू के सीजन में पपीते के पत्तों के जूस की काफी चर्चा रहती है। डेंगू के मरीजों में प्लेटलेट काउंट लो होने की समस्या अधिक देखी जाती है। माना जाता रहा है कि पपीते के

पत्तों का जूस प्लेटलेट काउंट बढ़ाने के लिए बहुत अच्छा हो सकता है। क्या वास्तव में पपीते के पत्ते का जूस डेंगू के मरीजों के लिए फायदेमंद है? क्या इसके सेवन से प्लेटलेट काउंट

बढ़ाया जा सकता है?

कई अध्ययन बताते हैं कि पपीते का फल और इसके पत्तों का जूस दोनों ही कई प्रकार से स्वास्थ्य लाभ दे सकते हैं, तो क्या इसे डेंगू के उपचार के रूप में प्रयोग में लाया जा सकता है?

प्लेटलेट काउंट कैसे बढ़ाएं?

डेंगू के लिए अभी तक कोई विशिष्ट इलाज नहीं है, इसके लक्षणों को नियंत्रित करने के लिए कुछ दवाएं दी जाती रही हैं। क्या पपीते के पत्ते का जूस इसमें लाभकारी है इसे समझने के लिए डॉक्टर्स की टीम ने डेंगू पीड़ितों को एक अध्ययन में शामिल किया गया। मानव अध्ययनों में पाया गया कि पपीते के पत्ते के अर्क से ब्लड प्लेटलेट का स्तर बढ़ सकता है।

अध्ययनों से क्या पता चला?

पपीते के पत्तों में प्लेटलेट काउंट बढ़ाने की भी क्षमता होती है। एक अध्ययन के अनुसार, पपीते के पत्तों का उपयोग उन क्षेत्रों में थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के इलाज के लिए किया जाता रहा है जहां डेंगू बुखार एंडेमिक है। थ्रोम्बोसाइटोपेनिया ऐसी स्थिति है जो ब्लड प्लेटलेट काउंट कम होने का कारण बनती है। इसके कारण रक्त का थक्का नहीं बन पाता है।

प्लेटलेट्स, रक्तस्राव को रोकने और घावों को ठीक करने के लिए थक्के बनाने में मदद करते हैं। यही कारण है कि प्लेटलेट्स कम हो जाने पर डेंगू की स्थिति में रक्तस्राव का खतरा बढ़ जाता है।

डेंगू में पपीते के पत्ते का जूस पिएं या नहीं?

अब सवाल ये है कि डेंगू हो जाए तो पपीते के पत्ते का जूस पिएं या नहीं? इस बारे में डॉक्टर कहते हैं, डेंगू की स्थिति को गंभीर माना जाता है इसके जानलेवा दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

इसलिए अगर आपमें लक्षण दिख रहे हैं तो किसी डॉक्टर से मिलकर जांच और समय पर इलाज कराएं। डेंगू में पपीते के पत्ते का जूस लक्षणों को कम करने में फायदेमंद हो सकता है लेकिन बिना डॉक्टरी सलाह के किसी भी अन्य सहायक उपचार से बचा जाना चाहिए।

आलस और थकान ने बजा दी है बैंड? कहीं ये क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम तो नहीं

अक्सर ऐसा होता है कि कुछ लोगों के शरीर में बेवजह हमेशा आलस और थकान बनी रहती है। ऐसा होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, आमतौर पर इसके पीछे शरीर की कुछ आंतरिक बीमारी हो सकती है, लेकिन अगर आप स्वस्थ हैं और पूरी नींद भी ले रहे हैं इसके बावजूद भी शरीर में थकान बनी रहती है तो ये क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम का संकेत हो सकता है।

इस बीमारी का सबसे बड़ा लक्षण यह है कि आपको लंबे समय से लगातार अत्यधिक थकान रहती है, जो आराम करने के बाद भी दूर नहीं होती। यह एक जटिल और दीर्घकालिक बीमारी है। यह एक ऐसी थकान है जो आपकी रोजमर्रा की गतिविधियों को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। इस बीमारी में न केवल शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस होती है, बल्कि मरीज को शारीरिक या मानसिक मेहनत के बाद थकान का स्तर अचानक बहुत ज्यादा बढ़ जाता है, जिसे पोस्ट-एग्जर्शनल मैलेज कहते हैं।

क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम से पीड़ित व्यक्ति अक्सर नींद से जागने के बाद भी तरोताजा महसूस नहीं करते, और उन्हें मांसपेशियों तथा जोड़ों में दर्द की शिकायत भी रहती है। यह सिंड्रोम उन लोगों में होने का अधिक खतरा होता है जो किसी गंभीर वायरल संक्रमण से उबर चुके होते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं।

याददाश्त और एकाग्रता की समस्या

क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम का एक बड़ा लक्षण है 'ब्रेन फॉग'। इसमें मरीजों की याददाश्त और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बहुत कम हो जाती है। उन्हें कोई भी बात याद रखने या किसी एक काम पर फोकस करने में बहुत मुश्किल आती है। इस वजह से उनका दफ्तर का काम और रोजमर्रा का जीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। यह सिर्फ थकान नहीं है, बल्कि मानसिक क्षमता पर सीधा असर डालती है, जिससे व्यक्ति हमेशा उलझन में महसूस करता है।

वायरल जैसे दिखने वाले लक्षण

थकान के साथ-साथ, क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम के मरीजों को अक्सर बिना किसी खास वजह के गले में दर्द महसूस होता है। उन्हें गर्दन या बगल में लिम्फ नोड्स (गांठों) में दर्द और बार-बार सिरदर्द की शिकायत भी रहती है। ये सभी लक्षण किसी आम वायरल संक्रमण की तरह लगते हैं, लेकिन ये लंबे समय तक बने रहते हैं।

इस बीमारी का कैसे पता चलता है?

क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम का पता लगाना आसान नहीं होता, क्योंकि इसके लक्षण डिप्रेशन या थायरॉयड जैसी कई अन्य बीमारियों से मिलते-जुलते हैं। डॉक्टर इसका निदान तभी करते हैं जब व्यक्ति को छह महीने या उससे अधिक समय तक लगातार और गंभीर थकान बनी रहे, और सभी अन्य संभावित बीमारियों की जांच करके उन्हें खारिज कर दिया जाए। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसके बाद ही क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम की पुष्टि होती है।

क्या करें?

क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम का कोई एक जादुई इलाज उपलब्ध नहीं है। इसके प्रबंधन के लिए सबसे जरूरी है जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाना। ऐसे मरीजों को पर्याप्त और गहरी नींद लेनी चाहिए, साथ ही तनाव कम करने के तरीके सीखने चाहिए। शारीरिक गतिविधि को भी अचानक नहीं, बल्कि धीरे-धीरे और नियंत्रित तरीके से बढ़ाना जरूरी है। इन सब के अलावा भी अगर दर्द बना रहे तो डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

विटामिन डी के लिए धूप लेने का सही तरीका क्या है?

आमतौर पर माना जाता है कि भारत में सालभर अच्छी धूप रहती है, इसलिए यहां विटामिन डी की कमी नहीं होनी चाहिए। लेकिन हकीकत इसके विपरीत है, हमारे देश में भी बहुत से लोगों में 'विटामिन डी' की कमी पाई जाती है। हमारे देश में विटामिन डी की कमी एक आम स्वास्थ्य समस्या बन चुकी है, जिसे अक्सर 'सनशाइन विटामिन' कहा जाता है।

यह कमी इसलिए होती है क्योंकि लोग धूप लेने का सही समय और वैज्ञानिक तरीका नहीं जानते। विटामिन डी हमारे शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण पोषक तत्व है, जो न केवल हड्डियों और दांतों को मजबूती देता है,

बल्कि इम्यूनिटी को बढ़ाता है और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। यह विटामिन हमारी त्वचा में मौजूद कोलेस्ट्रॉल से तब बनता है जब वह सूर्य की अल्ट्रावायलेट-बी किरणों के संपर्क में आती है।

विषेशज्ञों के मुताबिक सही तरीके से और सही समय पर अगर धूप लिया जाए तो विटामिन डी की कमी को दूर किया जा सकता है। इस बारे में जागरूकता बढ़ाना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि सनस्क्रीन लगाकर या खिड़की के शीशे के पीछे बैठने से शरीर को पर्याप्त विटामिन डी नहीं मिल पाता। इसलिए आइए इस लेख में विटामिन डी लेने के सही तरीकों के बारे में जानते हैं।

धूप लेने का सही समय

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार धूप से विटामिन डी पाने का सबसे अच्छा समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक का होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दौरान सूर्य की रोशनी में यूवीबी (UVB) किरणें सबसे मजबूत होती हैं। यही किरणें आपकी त्वचा को विटामिन डी बनाने में मदद करती हैं।

लोग सोचते हैं कि सुबह की हल्की धूप बेहतर है, लेकिन वैज्ञानिक रूप से दोपहर से पहले वाली धूप ही विटामिन डी के लिए ज्यादा असरदार होती है, बशर्ते आप ज्यादा देर तक न बैठें।

तलवों में जलन का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्नः मेरी उम्र 18 वर्ष है। मेरे बाल झड़ने लगे हैं यही चिंता का कारण बना है। आपसे इसका आयुर्वेदिक इलाज बताने की प्रार्थना है।

- वैभवी शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : बालों के झड़ने के कई कारण हो सकते हैं। रूसी रहने से, फफूंद के संक्रमण से, बालों की जड़ों को पोषण नहीं होने से, बोरिंग के पानी से, बहुत अधिक मानसिक चिंता से, रक्ताल्पता से, कुछ अंग्रेजी दवाएं जैसे क्लोरोमायसिटिन, रिफैंमाइसिन आदि के प्रयोग से बाल झड़ने लगते हैं। बालों के गिरने को आयुर्वेद में 'खालित्य 'और समय पकने को 'पालित्य 'कहते हैं।

नीम टी ट्री शैंपू के प्रयोग से रूसी से छुटकारा मिलता है। फफूंद व अन्य जीवाणुओं के संक्रमण से भी राहत मिलती है। 'एलो रोज कंडीशनर शैंपू' से बाल काले और मुलायम रहते हैं। इसके प्रयोग से अन्य कारणों से झड़ते बालों को गिरने से रोका जा सकता है। महा भृंगराज केश तैल(सुगंध रहित) या 'हेयर लस्ट हर्बल हेयर ऑयल' को थोड़ा गुनगुना करके बालों की जड़ों में नित्य मालिश करने से झड़ते बालों को रोका जा सकता है। कमजोरी से बाल टूटने की स्थिति में आमलकी रसायन व ऊंझा ताप्यादि लौह टेबलेट का सेवन तुरंत लाभ देता है। 'केश योग कैप्सूल ' का सेवन भी बालों को झड़ने से रोकता है बालों को लंबा और मुलायम बनाने के लिए नारियल का तेल, ऊंझा आमलकी तेल का प्रयोग भी किया जा सकता है। खानपान में ऋतु फल का सेवन वह हरी सब्जियों का सेवन आवश्यक रूप से करना चाहिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। मुझे भूख नहीं लगती। जबरदस्ती खाता हूं तो अपच हो जाती है। क्या करूं? उपाय बताएं।

- एम .मल्लिकार्जुन, वारंगल

उत्तर : पाचक अग्नि के कमजोर हो जाने को मंदाग्नि कहते हैं। मंदाग्नि के कारण खाया हुआ आहार ठीक से पचता नहीं। आहार के न पचने पर अपच हो जाता है। लंबे समय तक अपच बने रहने पर कब्ज को जन्म देता है। और यह कब्ज याने मलबद्धता नाना विकारों की जननी है।

मंदाकिनी को दूर करने के सरल योग दे रहा हूं :

* अदरक का रस आधा चम्मच नींबू का रस आधा चम्मच लेकर उसमें थोड़ा सेंधा नमक मिलाकर हर रोज भोजन के पहले सेवन करें। इससे पाचकाग्नि प्रदीप्त होकर खाए हुए अन्न को पचाती है।

* काली मिर्च 10 ग्राम, सोंठ 10 ग्राम ,पीपर 10 ग्राम और सेंधा नमक 10 ग्राम को कूट पीसकर महीन चूर्ण बना ले। फिर इसमें 400 ग्राम काली मुनक्का मिलाएं कूट पीसकर एक कांच की बरनी में भर ले। इसे 5 से 10 ग्राम की मात्रा में भोजन के पहले खाएं या चाटे इससे मंदाग्नि, कब्ज और अरुचि का नाश होता है।

* अच्छे पके नींबू लेकर करीब 400 ग्राम रस निकालें। इसमें 1 किलो शक्कर मिलाकर किसी स्टील की कढ़ाई में पकाएं।। ठंडा होने पर छानकर बोतल में भर लें। में इस शरबत को 10 से 20 ग्राम की मात्रा में पानी में मिलाकर सेवन करने से मंदाग्नि से छुटकारा मिलता है और अरुचि का नाश होता है।

* ऊंझा लिव लाइव सिरप या औरा लिविन्झ सिरप भोजन पूर्व 10 से 15 मिलीलीटर की मात्रा में पीने से अग्नि प्रदीप्त होती है और खाया हुआ हजम होता है।

* ऊंझा चित्रकादि वटी को भोजन पूर्व चूसने से अग्नि प्रदीप्त होती है। समय पर पाचक रसों का स्राव होता है और खाया हुआ भोजन हजम होता है।

* भोजन के बाद ऊंझा कुमारी आसव या औरा ग्रेप्सविन 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में, दोगुने पानी में मिलाकर पीने से जाठराग्नि प्रदीप्त होती है और भोजन हजम होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 40 वर्ष है पिछले दो माह से पैर के तलवों में बहुत जलन होती हैं। पाउडर लगाने या पैर को ठंडे पानी से धोने से भी आराम नहीं मिल रहा। क्या है कोई रोग का लक्षण है? कृपा कर बताएं।

- कोदंड राम रेड्डी, निजामाबाद

उत्तर : पैर के तलवों में जलन होने के कई कारण हो सकते हैं। मधुमेह ,ऊपरी तंत्रिकाशोथ (पेरीफेरल न्यूराइटिस),मदात्ययता, जीवनीय तत्वों का अभाव, पैर में पहनने वाले जूते चप्पलों का टाइट होना, लेड विषाक्तता आदि कारण इसमें प्रमुख हैं। एक अच्छा वैद्य रोगी का पूरा परीक्षण कर विभेदक निदान के माध्यम से सही निदान करता है। प्रमेह या मधुमेहजन्य उपद्रवों का आसानी से रक्त परीक्षण से पता चल जाता है। यदि कारण मधुमेह हैं तब रक्त शर्करा का नियमन आवश्यक है। ऊंझा जांब्रोस टिकिया दो-दो , ऊंझा चंद्रप्रभा वटी दो-दो गोली के संग यदि ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस दिया जाए तो कुछ ही दिनों में पैर की जलन शांत हो जाती है। जलन के शांत होते ही नित्य व्यायाम की आदत डालें। हर रोज टहले। सक्रिय जीवन शैली ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने देगी।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

रिलायंस रफ्तार के घोड़े पर सवार

कुछ ही घंटों में कमाए 44,316 करोड़

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्री महीने के आखिरी कारोबारी हफ्ते के पहले दिन रफ्तार के घोड़े पर सवार होती हुई दिखाई दे रही है। कंपनी के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा का तेजी देखने को मिली है। जिसके बाद कंपनी की वैल्यूएशन 20 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गई है। खास बात तो ये है कंपनी की वैल्यूएशन में कुछ ही घंटों में 44 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है।

जबकि पिछले हफ्ते वैल्यूएशन में 46 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिली थी। इसका मतलब है कि कंपनी की वैल्यूएशन में कुछ दिनों में करीब 90 हजार करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। कंपनी के शेयरों में इजाफा मेटा के साथ नए ज्वाइंट वेंचर का रास्ता खुल जाने की वजह से देखने को मिल रही है। कंपनी एआई में 15 बिलियन डॉलर का निवेश करने जा रही है। अनुमान है कि इस ज्वाइंट वेंचर का वैल्यूएशन 30 बिलियन डॉलर यानी 26 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का हो सकता है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में किस तरह के आंकड़े देखने को मिल रहे हैं। देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। आंकड़ों के अनुसार कंपनी का शेयर कारोबारी सत्र के दौरान 2.30 फीसदी की तेजी के साथ 1,451.45 रुपए के साथ दिन के हाई पर दिखाई दिया। जबकि कंपनी का शेयर करीब 10 रुपए की तेजी के साथ 1,461.25 रुपए पर ओपन हुआ था। वैसे मौजूदा समय यानी दोपहर 2 बजे कंपनी का शेयर 1.86 फीसदी यानी 27.05 रुपए की तेजी के साथ 1,478.50 रुपए पर कारोबार कर रहा है। पिछले कारोबारी सत्र में कंपनी का शेयर 1,451.45 रुपए पर बंद हुआ था।

कंपनी की वैल्यूएशन 20 लाख करोड़ रुपए के पार

खास बात तो ये है कि कंपनी की वैल्यूएशन 20 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गई है। वैसे दिवाली से पहले यानी 17 अक्टूबर को कंपनी की वैल्यूशन 19,16,835.20 करोड़ रुपए थी। जो बढ़कर 20,08,486.70 करोड़ रुपए हो गई है। इसका मतलब है कि धनतेरस के बाद से कंपनी की वैल्यूएशन में 91,651.5 करोड़ रुपए तक का इजाफा देखने को मिल चुका है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में कंपनी की वैल्यूएशन में और भी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। वैसे कंपनी की वैल्यूएशन में कुछ ही घंटों में 44 हजार करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है। आंकड़ों को देखें तो पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी कंपनी की वैल्यूएशन 19,64,170.74 करोड़ रुपए थी।

मेहली मिस्त्री का रिअपॉइंटमेंट रोक सकते हैं नोएल टाटा

28 अक्टूबर को खत्म हो रहा कार्यकाल; रतन टाटा के जाने के बाद ग्रुप में विवाद

मुंबई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी मेहली मिस्त्री का रिअपॉइंटमेंट रुक सकता है। चेयरमैन नोएल टाटा, वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह इसे मंजूरी देने से मना कर सकते हैं।

मेहली मिस्त्री का कार्यकाल 28 अक्टूबर को खत्म हो रहा है। उनके रिअपॉइंटमेंट का फैसला आज हो सकता है। हालांकि, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं आई है।

मेहली मिस्त्री दो बड़े ट्रस्ट में ट्रस्टी

टाटा ट्रस्ट्स में सर रतन टाटा ट्रस्ट समेत कुछ और ट्रस्ट्स है। मिस्त्री 2022 से सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। इन दोनों ट्रस्ट की टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में 51% हिस्सेदारी है। उनका कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव शुक्रवार को टाटा ट्रस्ट्स के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा ने रखा था। इकोनॉमिक टाइम्स ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है जिसमें उसने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि डेरियस खंबाटा, प्रमित झावेरी और जहांगीर एचसी जहांगीर जैसे ट्रस्टी इसकी सहमति दे चुके हैं। वहीं नोएल टाटा और वेणु श्रीनिवासन ने कानूनी राय मांगी है।

रतन टाटा के जाने के बाद कानूनी लड़ाई छिड़ सकती है

अंदरूनी लोग कहते हैं कि इससे कानूनी लड़ाई छिड़ सकती है। टाटा ट्रस्ट्स में फैसले हमेशा सहमति से होते आए हैं, लेकिन रतन टाटा के निधन के बाद ये परंपरा टूटने लगी है। रतन टाटा के निधन के करीब एक साल बाद, ट्रस्टीज ने बहुमत से पूर्व डिफेंस सेक्रेटरी विजय सिंह को टाटा संस के बोर्ड से हटा दिया था। ये फैसला इतना बड़ा था कि पूरे देश का ध्यान टाटा ट्रस्ट्स के अंदरूनी कलह पर चला गया। सरकार को भी बीच में आना पड़ा। मतभेद होने पर ट्रस्टी की बहाली बहुमत से हो सकती है या एकमत फैसला जरूरी है, इस बारे में साफ तौर पर कुछ

नहीं कहा गया। ये ट्रस्ट्स के लिए बिल्कुल नया है, क्योंकि रतन टाटा ने जब ग्रुप की कमान संभाली तो आखिरी कुछ दशकों में ट्रस्ट के फैसले कभी वोटिंग तक नहीं पहुंचे थे। कंपनियों में जहां गवर्नेंस को कंपनीज एक्ट और दूसरे लागू कानूनों से स्टैंडर्ड तरीके से तय किया जाता है, वहीं ट्रस्ट्स के मामले महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट्स एक्ट के नियमों, ट्रस्ट डीड और ट्रस्टीज के समय-समय पर पास किए गए रेजोल्यूशन के कॉम्बिनेशन से चलते हैं। 1932 में लिखी गई सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की ट्रस्ट डीड कहती है कि मीटिंग को कानूनी तौर पर मान्य तभी माना जाएगा जब कम से कम तीन ट्रस्टीज मौजूद हो। वहीं मीटिंग में अगर वोटिंग हो तो मौजूद ट्रस्टीज में से ज्यादातर जो फैसला लें, वो सबको मानना होगा। एक और रेजोल्यूशन भी है जो इस मामले में अहम है। रतन टाटा के निधन के ठीक नौ दिन बाद, 17 अक्टूबर को ट्रस्टीज की मीटिंग हुई थी। इसमें फैसला लिया गया कि हर ट्रस्टी का टर्म खत्म होने पर उसकी बहाली बिना किसी टर्म की सीमा लगाए की जाएगी।

मिस्त्री ने पिछले हफ्ते श्रीनिवासन की सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट में ट्रस्टी और वाइस चेयरमैन के तौर पर बहाली को शर्त के साथ मंजूरी दी थी। उन्होंने एक ईमेल में कहा था- अगर कोई ट्रस्टी वेणु श्रीनिवासन की बहाली वाला रेजोल्यूशन पास न करे या बाकी ट्रस्टीज के लिए वैसा ही एकमत रेजोल्यूशन न लाए जब उनके टर्म खत्म होंगे, तो मैं श्रीनिवासन की बहाली को अपनी औपचारिक मंजूरी नहीं दूंगा।

1. 32 लाख करोड की डील: विदेशी पैसे के लिए चुंबक बने भारतीय बैंक

दुनियाभर की कंपनियां लगी लाइन में

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुबई, जापान, अमेरिका, स्विट्जरलैंड... ये वो देश हैं जिनकी कंपनियां भारतीय बैंकों में पैसा लगाने के लिए लाइन में लगी हैं। इस समय भारतीय बैंक विदेशी पैसे के लिए चुंबक बन गए हैं। यानी भारतीय बैंक अब दुनियाभर के निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं। हाल के वर्षों में एफडीआई में थोड़ी नरमी के बावजूद भारतीय वित्तीय संस्थानों में विदेशी पूंजी का प्रवाह तेजी से बढ़ा है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक लगभग 15 अरब डॉलर (करीब 1.32 लाख करोड़ रुपये) के सौदे हुए हैं। यह भारत की वित्तीय क्षमता में बढ़ते विश्वास का संकेत है। दुबई के एमिरेट्स एनबीडी, जापान के सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन, अमेरिका के ब्लैकस्टोन और स्विट्जरलैंड की ज्यूरिख इंश्योरेंस जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियां भारतीय बैंकों, बीमा कंपनियों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में भारी निवेश कर रही हैं। हाल ही में ब्लैकस्टोन ने फेडरल बैंक में 9.9% हिस्सेदारी के लिए 705 मिलियन डॉलर का निवेश किया है, जिससे वह बैंक का सबसे बड़ा शेयरधारक बन गया है।वैश्विक निवेशक सिर्फ थोड़े समय के फायदे के लिए भारत की ओर नहीं खिंचे चले आ रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था लगातार सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी हुई है। इसका मुख्य कारण बढ़ता उपभोग, तेजी से शहरीकरण और एक फलता-फूलता डिजिटल इकोसिस्टम है। औपचारिक वित्तीय प्रणाली भी इस वृद्धि को दर्शा रही है जहां खुदरा, आवास और छोटे व्यवसायों जैसे क्षेत्रों में ऋण की मांग तेजी से बढ़ रही है।भारत में अभी भी बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बहुत कम है। आबादी के बड़े हिस्से और छोटे उद्यम अभी भी अनौपचारिक ऋण स्रोतों पर निर्भर हैं। विदेशी निवेशकों के लिए यह कम पैठ एक बहुत बड़ा अवसर है। पूरे देश में अपनी वित्तीय उपस्थिति को शुरू से बनाने में दशकों लग जाएंगे। स्थापित बैंकों और एनबीएफसी में हिस्सेदारी खरीदकर, निवेशक तुरंत ग्राहक आधार, नियामक लाइसेंस और वितरण नेटवर्क तक पहुंच प्राप्त कर लेते हैं।भारत का विश्व स्तरीय डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर (जिसमें यूपीआई और आधार जैसी सेवाएं शामिल हैं) ने भारतीयों के बचत करने, उधार लेने और लेनदेन करने के तरीके को बदल दिया है। वैश्विक संस्थानों के लिए यह डिजिटल तैयारी एक और आकर्षण है, क्योंकि भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में भारी वृद्धि की उम्मीद है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सूर्य - तुला	में
चंद्र - धनु	में
मंगल-तुला	में
बुध - तुला	में
गुरु कर्क	में
शुक्र - कन्या	में
शनि मीन	में
राहु कुंभ	में
केतु सिंह	में

लग्नारंभ समय

तुला	05-31 बजे
वृश्चिक	07-44 बजे
धनु	09-54 बजे
मकर	12-01 बजे
कुंभ	13-51 बजे
मीन	15-29 बजे
मेष	17-05 बजे
वृष	18-48 बजे
मिथुन	20-50 बजे
कर्क	23-03 बजे
सिंह	01-14 बजे
कन्या	03-21 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-13**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-48**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष मंगलवार **28 October**
तिथि - षष्ठी **08-00** तक सप्तमी
नक्षत्र - पूर्वाषाढा **15-45** तक उत्तराषाढ़ा
योग - सुकर्मा **07-50** तक धृति
करण - तैतिल **08-00** तक उप गर
विशेष: व्रत चौमासी
त्योहार अष्टांहिका विधान प्रा जैन

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका कि सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-40 से 09-07 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
रोग	06-11 - 07-41 अशुभ	काल	17-48 - 19-19 अशुभ
उत्पात	07-41 - 09-07 अशुभ	लाभ	19-19 - 20-53 शुभ
चंचल	09-07 - 10-33 शुभ	उत्पात	20-53 - 22-26 अशुभ
लाभ	10-34 - 11-59 शुभ	शुभ	22-26 - 23-59 शुभ
अमृत	11-59 - 13-26 शुभ	अमृत.	23-59 - 01-34 शुभ
काल	13-26 - 14-53 अशुभ	चंचल	01-34 - 03-07 शुभ
शुभ	14-53 - 16-19 शुभ	रोग	03-07 - 04-41 अशुभ
रोग	16-19 - 17-48 अशुभ	काल	04-41 - 06-11 अशुभ

सोना और बिटकॉइन 20% गिर जाएं तो क्या करोगे ? एक्सपर्ट ने निवेशकों से पूछा सवाल, दे डाली यह कीमती सलाह

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस समय सोने की कीमत में हलचल मची हुई है। दिवाली से पहले तक सोने की कीमत लगातार नई ऊंचाई छू रही थी। लेकिन अब इसमें गिरावट का दौर शुरू हो गया है। वहीं पिछले एक महीने में बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी में भी बड़ी गिरावट आई है। इस गिरावट को देखते हुए इन्वेस्टमेंट फर्म विजडम हैच के फाउंडर अक्षत श्रीवास्तव ने निवेशकों से बड़ा कठिन सवाल पूछा है। अक्षत श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर निवेशकों से पूछा है कि अगर सोना, बिटकॉइन और एनवीडिया के शेयर में 20 फीसदी तक की गिरावट आ जाए तो वे क्या करेंगे? क्या निवेशक इस गिरावट से घबरा जाएंगे? अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा है कि कोई भी चीज खरीदने से पहले अपने विश्वास को परखना चाहिए।

उनकी पोस्ट पर यूजर्स की जबरदस्त प्रतिक्रियाएं

आ रही हैं। इन सवालों के साथ उन्होंने लोगों को कुछ सलाह भी दी है। श्रीवास्तव कहते हैं कि कुछ भी खरीदने से पहले खुद से पूछने वाली असली परीक्षा यह है- अगर कीमत 20% गिर जाए तो आप क्या करेंगे? उन्होंने आगे कहा, 'अगर आपका जवाब है कि आप घबराएंगे नहीं, बल्कि और खरीदना चाहेंगे तो यह एक अच्छी चीज है जिसे आपको रखना चाहिए।'

गिरावट में खरीदने की सलाह

सोना, शेयर, क्रिप्टोकरेंसी आदि में गिरावट पर खरीदने की सलाह सिर्फ अक्षत श्रीवास्तव ही नहीं, बल्कि दुनिया के दिग्गज निवेशकों में शामिल वॉरेन बफे भी देते हैं। उनकी यह पंचलाइन काफी फेमस है- जब दूसरे लालची हों तो डरें और जब दूसरे डरें तो लालची बनें। यानी जब गिरावट में लोग शेयर आदि बेचें तब अच्छे निवेशकों को ऐसे समय में इन्हें खरीदना चाहिए। अपनी पोस्ट में अक्षत श्रीवास्तव का संदेश साफ है कि लॉन्ग टर्म में निवेश करते समय विश्वास और भावनाओं पर काबू रखना चाहिए। यह बात ऐसे समय में और भी जरूरी हो जाती है जब बाजारों में उथल-पुथल मची हो। यह नियम आपको यह समझने में मदद करता है कि आप किसी निवेश के लिए कितने तैयार हैं। अगर बाजार में थोड़ी गिरावट से ही आप डर जाते हैं, तो शायद वह निवेश आपके लिए सही नहीं है। लेकिन अगर आप गिरावट में भी खरीदने का मौका देखते हैं, तो यह दिखाता है कि आपका विश्वास पक्का है।

सोने और बिटकॉइन में कितनी गिरावट ?

धनतेरस पर सोने की कीमत 1.41 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई थी। लेकिन अब यह गिरकर करीब 1.21 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई है। यानी 9 दिनों में सोने में 14 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। वहीं पिछले एक महीने में बिटकॉइन में भी गिरावट देखी गई है। 7 अक्टूबर को बिटकॉइन ने ऑल टाइम हाई बनाया था। उस समय एक बिटकॉइन की कीमत करीब 1.26 लाख डॉलर हो गई थी। वहीं आज सोमवार को दोपहर 12 बजे यह करीब 1.15 लाख डॉलर पर कारोबार कर रही थी। ऐसे में इसमें 8 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। हालांकि एनवीडिया के शेयर में तेजी बनी हुई है। एक महीने में यह शेयर 2 फीसदी से ज्यादा उछल गया है। वहीं 6 महीने में 70 फीसदी से ज्यादा तेजी आई है।

बीडीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन

हैदराबाद, 27 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश में अग्रणी भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) कंपनी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह या विजिलेंस अवेयरनेस वीक का उद्घाटन हुआ।

इस वीक का आयोजन 27 अक्टूबर से 02 नवंबर तक बीडीएल की सभी यूनिट्स और ऑफिसों में किया जा रहा है। इस साल की थीम है "विजिलेंसः हमारी साझा ज़िम्मेदारी," जो सार्वजनिक और पेशेवर जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के लिए सामूहिक कर्तव्य पर ज़ोर देती है। हफ़्ते भर चलने वाला यह कार्यक्रम "अखण्डता प्रतिज्ञा या इंटीग्रिटी प्लेज" के साथ शुरू हुआ, जो बीडीएल की सभी यूनिट्स और ऑफिसों में फैले सभी कर्मचारियों को दिलाया गया। इस दौरान चीफ विजिलेंस ऑफिसर ने सभी से विजिलेंस अवेयरनेस वीक के हिस्से के रूप में आयोजित होने वाले हफ़्ते भर के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।इस अवसर पर भारतीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय सतर्कता आयोग के संदेश पढ़े गए। कंपनी के कर्मचारियों के लिए बीडीएल के विजिलेंस विभाग द्वारा कंपनी की नीतियों, प्रक्रियाओं और निवारक उपायों पर आयोजित कार्यशालाएं और संवेदीकरण कार्यक्रम आदि शामिल हैं। इन पहलों के माध्यम से, बीडीएल का लक्ष्य ईमानदारी और जवाबदेही की अपनी संस्कृति को मज़बूत करना है, जो एक पारदर्शी और प्रगतिशील समाज में योगदान देगा।

हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स ने लगाई 567 अंकों की छलांग, निफ्टी 25900 के पार

मुंबई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को हरे निशान पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में तेजी देखने को मिली क्योंकि उम्मीद से कम अमेरिकी मुद्रास्फीति ने इस साल फेड ब्याज दरों में कटौती की संभावना फिर से जगा दी हैं। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका-चीन व्यापार समझौते की संभावनाओं और ताजा विदेशी पूंजी प्रवाह ने भी बाजार की आशा को बढ़ाया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 566.96 अंक या 0.67 प्रतिशत उछलकर 84,778.84 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 720.2 अंक या 0.85 प्रतिशत बढ़कर 84,932.08 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 170.90 अंक या 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,966.05 पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में व्यापक मजबूती और आयातकों की माह के अंत में डॉलर की मांग के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 43 पैसे टूटकर 88.26 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इटर्नल, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील और एचडीएफसी बैंक प्रमुख लाभ में रहे। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस पिछड़ गए।क्षेत्रीय सूचकांकों में पीएसयू बैंक सूचकांक ने बेहतर प्रदर्शन किया और 2.76 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि रक्षा और मीडिया शेयरों में मुनाफावसूली के कारण गिरावट आई।

यूरोपीय बाजारों में रहा मिला-जुला रुख

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग तेजी से ऊपर बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति के कारण घरेलू बाजार में व्यापक सुधार देखा गया। अमेरिका में उम्मीद से कम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों ने इस सप्ताह फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को फिर से जगा दिया है, जिससे निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। वैश्विक स्तर पर कम होती चुनौतियों और मजबूत घरेलू सुधारों ने घरेलू आय वृद्धि के संकेत दिए हैं और मौजूदा प्रीमियम मूल्यांकन को उचित ठहराया है।

सेबी का बड़ा प्रस्ताव: बॉन्ड में निवेश बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी ने सुझाव दिया है कि अब बॉन्ड के पब्लिक इश्यू में निवेश करने वाले कुछ निवेशकों को खास फायदे दिए जा सकते हैं। इनमें वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं और खुदरा ग्राहक निवेशक शामिल होंगे। इसका मकसद है कि ज्यादा लोग बॉन्ड में निवेश करें और बाजार में उनकी भागीदारी बढ़े।वर्तमान में सेबी (गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीकरण) विनियम, 2021 में बॉन्ड इश्यू करने वाली कंपनियों को निवेशकों को किसी भी तरह का लाभ या गिफ्ट देने की अनुमति नहीं है, चाहे वो पैसे में हो, सामान में या किसी सेवा के रूप में। केवल फीस और कमीशन की ही छूट है।सेबी ने अपने परामर्श पत्र में अब इस विनियमन में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, ताकि जारीकर्ताओं को कुछ निवेशक श्रेणियों के लिए उच्च कूपन दर या निर्गम मूल्य पर छूट की पेशकश करने की अनुमति मिल सके।सेबी का कहना है कि कंपनियां चाहें तो ऐसे निवेशकों को ज्यादा ब्याज दर (हायर कूपन रेट) या इश्यू प्राइस पर डिस्काउंट दे सकेंगी।

सोना 884 बढ़कर 1.22 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ : इस साल 46,240 महंगा हो चुका, चांदी आज 997 चढ़कर 1.48 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।सोने-चांदी के दाम में आज यानी 27 अक्टूबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार सोने की कीमत 884 रुपए बढ़कर 1,22,402 पर पहुंच गई है। इससे पहले इसके दाम 1,21,508 रुपए प्रति 10 ग्राम थे। वहीं, चांदी में 997 रुपए की बढ़त है, ये 1,48,030 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। कल इसकी कीमत 1,47,033 प्रति किलोग्राम थी। आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय

करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

बीते हफ्ते 9,356 सस्ता हुआ था सोना

सोने की कीमत पिछले हफ्ते में 9,356 रुपए घटकर 1,21,518 रुपए प्रति10 ग्राम पर आ गई थी। 18 अक्टूबर को इसकी कीमत 1,30,874 रुपए के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। वहीं चांदी 1,69,230 रुपए प्रति किलो से गिरकर 1,47,033 रुपए पर आ गई थी।

इस साल सोना 46,240 और चांदी 62,013 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 46,240 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,22,402 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 62,013 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,48,030 रुपए प्रति किलो हो गई है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है । इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो ।समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है । आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं ।आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे । आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता । इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है ।अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें । यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा । आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है। अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें ।उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नवा रायपुर में पीएम मोदी करेंगे 'दिल की बात'

सत्य साईं हॉस्पिटल, जहां कोई बिल काउंटर नहीं 37 हजार बच्चों की हुई फ्री हार्ट-सर्जरी

रायपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 1 नंवबर को नवा रायपुर में 2500 बच्चों से दिल की बात करेंगे। छत्तीसगढ़ निर्माण के 25 साल पूरे होने पर पीएम राज्योत्सव का उद्घाटन करने के लिए आ रहे हैं। पीएम मोदी 1 नवंबर की सुबह 9.40 बजे रायपुर एयरपोर्ट से श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में पहुंचेंगे। यहां हार्ट के सक्सेसफुल ऑपरेशन वाले बच्चों से बात करेंगे।

यह कार्यक्रम सत्य साई मंदिर के परिसर में होगा। श्री सत्य साईं हेल्थ एंड हेल्थ ट्रस्ट के चेयरमैन सी श्रीनिवास ने बताया कि कार्यक्रम में देशभर के अलावा बांग्लादेश, नेपाल, भूटान जैसे देशों से भी लोग शामिल होंगे। लोग ठीक होने के बाद अस्पताल नहीं लौटना चाहते, लेकिन पीएम से मिलने सभी उत्साहित हैं।

सी. श्रीनिवास ने बताया कि यहां 37 हजार से ज्यादा बच्चों के हार्ट की सफल सर्जरी हो चुकी है। खास बात यह है कि यहां बिल काउंटर ही नहीं है। बच्चों के दिल की बीमारी का इलाज फ्री है। उन्होंने बताया कि रायपुर में देश का सबसे बड़ा नेशनल हेल्थकेयर स्किल सेंटर भी खोला जाएगा।

श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में 2012 से अब तक 37500 में बच्चों के दिल में छेद की बीमारी का इलाज करा चुके हैं। सी. श्रीनिवास ने बताया कार्यक्रम की खास बात यह है कि किसी को निमंत्रण नहीं भेजा गया। केवल सूचना दी गई फिर भी देशभर से सैकड़ों लोग अपने खर्चे पर यहां पहुंचे हैं। कार्यक्रम में 6 साल के बच्चे से लेकर 20-25 साल तक के युवा शामिल होंगे। आयोजन में आने वाले लोगों के ठहरने और खाने की व्यवस्था संस्था की ओर से की गई है।

ऑनलाइन बेटिंग-ऐप से 50 करोड़ की ठगी

शॉपिंग-वेबसाइट से छत्तीसगढ़ की छात्रा से भी फ्रॉड, मुंबई से कर रहे थे ऑपरेट, बिहार-महाराष्ट्र के हैं आरोपी

खैरागढ़, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की खैरागढ़ पुलिस ने मुंबई में ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के ठिकाने पर छापेमारी की। खैरागढ़ पुलिस 64 हजार की ठगी के आरोपियों को पकड़ने गई थी, लेकिन 50 करोड़ की ठगी के शातिरों को धर दबोचा। आरोपी बिहार और महाराष्ट्र के रहने वाले हैं।

मुंबई में बैठे साइबर ठग ऑनलाइन शॉपिंग करने वालों को टारगेट करते थे। ऑनलाइन पेमेंट करते ही खाते से रकम गायब कर देते थे। खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय की छात्रा को भी ठगों ने निशाना बनाया। साइबर थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने 8 ठगों को मुंबई से अरेस्ट किया है।

इसके साथ ही '100 बुक' नाम की ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग ऐप भी चला रहे थे। गेम के जरिए करोड़ों रुपए जीतने का लालच देते थे। इसके बाद गेम में पैसे लगवाकर ठगी कर लेते थे। इसके लिए अलग-अलग लोगों को हायर किया था। ऑनलाइन शापिंग साइट और बेटिंग ऐप से 50 करोड़ की ठगी की है।

दरअसल, खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय की छात्रा वसुधा सिन्हा इंस्टाग्राम पर रील्स देख रही थीं, तभी उनकी नज़र चिकनकारी नाम की एक वेबसाइट के विज्ञापन पर पड़ी। उसे खोलने पर साड़ियां बेचने वाला एक पेज खुला। साड़ी का 1000 रुपए भुगतान करने के बाद खाते से 64 हजार रुपए कट गए।

इसके बाद छात्रा वसुधा सिन्हा खैरागढ़ साइबर सेल में

शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद साइबर सेल ने इंस्टाग्राम पेज, पेमेंट ऐप और बैंक खातों की जांच की। जांच में सामने आया कि इस ठगी के पीछे मुंबई के डोम्बिवल्ली और कल्याण में सक्रिय एक बड़ा गिरोह है। यह गिरोह इंस्टाग्राम पर फर्जी साड़ी शॉपिंग पेज बनाकर देशभर के लोगों को ठग रहा है। इसके अलावा, वे '100 बुक' नाम की ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग ऐप भी चला रहे हैं, जिसका उपयोग ठगी के बड़े गोरखधंधे के लिए किया जा रहा है। खैरागढ़ पुलिस एक्टिव हुई और मुंबई गई।

मुंबई में 7 दिन रही खैरागढ़ पुलिस

राजनांदगांव आईजी अभिषेक शांडिल्य ने बताया कि पुलिस की टीम ने मुंबई में 7 दिनों तक रही और रेकी की। टीम ने खुद को डिलीवरी बॉय के रूप में प्रस्तुत कर इलाके में जानकारी जुटाई। इसके बाद डोम्बिवल्ली के 2 फ्लैटों में एक साथ छापेमारी की।

इस दौरान जांच में पता चला कि गिरोह ने 100 से अधिक फर्जी सिम कार्ड और बैंक खाते बना रखे थे। इन्हीं के माध्यम से लगभग 50 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ था। मौके से पुलिस ने 5 लैपटॉप, 14 मोबाइल, 51 बैंक पासबुक, 51 एटीएम कार्ड, 15 चेकबुक और 25 सिम कार्ड जब्त किए हैं।

राजनांदगांव आईजी अभिषेक शांडिल्य ने बताया कि सभी आरोपी महाराष्ट्र और बिहार के रहने वाले हैं। मामले से जुड़े अन्य लिंक की तलाश कर रही है। आरोपियों पर संगठित अपराध और जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है।

सोफे के पीछे निकला 6 फीट का अजगर

लोग आराम से बैठे थे, फुफकारने की आवाज सुनकर भागे

धमतरी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी स्थित एक रिसॉर्ट में 6 फीट लंबा अजगर देखने को मिला है। रिसॉर्ट में मौजूद लोग सोफे पर बैठे थे, तभी उन्हें फुफकारने की आवाज सुनाई दी। सांप देखकर वे तुरंत सोफा छोड़कर बाहर भागे।

जैसे ही सोफा हटाने पर सांप दिखा तो लोगों में हड़कंप मच गया। रिसॉर्ट मालिक ने तुरंत सर्प मित्र सूर्यकांत को सूचना दी। सूर्यकांत मौके पर पहुंचे। लोगों ने पहले सांप को रसेल वाइपर समझा था, लेकिन जब सोफे को पलटा गया, तो छह फीट का अजगर उसके नीचे छिपा बैठा मिला।

सूर्यकांत ने बताया कि अजगर ने पकड़ने के दौरान काटने की कोशिश भी की, लेकिन उसे सावधानीपूर्वक काबू कर लिया गया। अजगर को एक बोरी में भरकर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया, जिसके बाद रिसॉर्ट में मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

धमतरी जिले में इन दिनों मौसम में बदलाव देखा जा रहा है, जिसके कारण जीव-जंतु भी अपने ठिकानों से बाहर निकल रहे हैं। यह अजगर कब रिसॉर्ट में घुसा, इसकी जानकारी किसी को नहीं थी।

सदियों पुरानी सूर्य उपासना की गवाही दे रहीं झारखंड में मिली मूर्तियां

रांची, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड की सांस्कृतिक धरोहरें इस बात का प्रमाण हैं कि यहां के लोग प्राचीन काल से ही प्रकृति और देव शक्तियों की आराधना करते आए हैं। झारखंड के लोग सूर्य देव को ऊर्जा, प्रकाश और जीवन के प्रतीक के रूप में पूजते हैं।

राज्य संग्रहालय, रांची में 10वीं से 12वीं शताब्दी के कालखंड की लगभग 100 प्राचीन प्रतिमाएं सुरक्षित रखी गई हैं, जिनमें सूर्य देव की अद्भुत प्रतिमाएं विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। संग्रहालय की गाइड निर्मल तिवारी के अनुसार, ये सभी प्रतिमाएं पाल कालीन कला शैली की उत्कृष्ट झलक प्रस्तुत करती हैं। इन मूर्तियों में सूर्य देव को रथ पर सवार दिखाया गया है, उनके सिर पर भव्य मुकुट है और चारों ओर

अन्य देवी-देवताओं एवं प्रतीक चिह्नों की सुंदर नक्काशी की गई है। प्रत्येक प्रतिमा में उस समय के कलाकारों की सूक्ष्म शिल्पकारी और कलात्मकता का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

झारखंड और बिहार के क्षेत्रों में निर्मित मूर्तियों में स्थानीय संस्कृति और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का गहरा प्रभाव देखने को मिलता है। यही कारण है कि इन प्रतिमाओं में सूर्य, चंद्र, वृक्ष, पशु-पक्षी और अन्य प्राकृतिक प्रतीक बार-बार अंकित मिलते हैं। झारखंड में सूर्य पूजा की परंपरा आज भी जीवंत है। छठ पर्व इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जब लोग अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को जल अर्पित कर आराधना करते हैं। राज्य संग्रहालय में सुरक्षित ये प्रतिमाएं इस परंपरा की ऐतिहासिक गहराई को दर्शाती हैं।

संग्रहालय में रखी ये मूर्तियां न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि झारखंड की समृद्ध कला, संस्कृति और इतिहास की अमूल्य धरोहर भी हैं। इन्हें देखकर सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि यहां के कारीगर न केवल धार्मिक भावनाओं से प्रेरित थे, बल्कि प्रकृति और सृजन के गहरे अर्थों को अपनी कला के माध्यम से अमर बना गए।

अन्य देवी-देवताओं की भी मूर्तियों का संग्रह... संग्रहालय की गाइड निर्मला तिर्की ने बताया कि संग्रहालय में 12वीं से 14वीं शताब्दी की लगभग 100 पुरानी मूर्तियां, शिवलिंग व भग्नावशेष विभिन्न दीर्घाओं में प्रदर्शित हैं। इनमें सूर्य भगवान की 4 मूर्तियां हैं, जो 12वीं शताब्दी की हैं। साथ ही भगवान शिव, शिवलिंग, भगवान विष्णु व अन्य देवी-देवताओ की भी मूर्तियों का संग्रह है। राज्य संग्रहालय रांची में इचागढ़, पूर्वी सिंहभूम जिलों से संग्रहित महत्वपूर्ण प्राचीन सूर्य प्रतिमाएं प्रदर्शित हैं।

कार्रवाई करने पहुंचे पुलिसकर्मियों से धक्कामुक्की गाली-गलौज कर आरोपियों को ले जाने से रोका

रायगढ़, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पुलिस महुआ शराब के मामले में कार्रवाई करने पहुंची थी। पुलिस जब आरोपियों को पकड़कर थाने ला रही थी, तभी उनके परिजनों ने पुलिसकर्मियों से गाली-गलौज और धक्कामुक्की की। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना पुसौर थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को पुसौर पुलिस की टीम एनटीपीसी लारा कोल गेट के पास पहुंची थी। उसी दौरान सूचना मिली कि ग्राम बोड़ाझरिया में गांड़ाराम बंजारा (74 वर्ष) और उसका बेटा देवानंद बंजारा (46 वर्ष) घर के पीछे अवैध रूप से महुआ शराब बेच रहे हैं। पुलिस तुरंत वहां पहुंची और दोनों को टीपीएस मोपेड के साथ पकड़ लिया। मोपेड में रखे थैले से 60 पाउच महुआ शराब और जरिकेन में 5 लीटर शराब बरामद की गई। पुलिस ने शराब और मोपेड दोनों जब्त कर लिए हैं।

पुलिस जब आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने ला रही थी, तभी उनके परिजन सुशीला बंजारा और खगेश्वर बंजारा वहां पहुंच गए। उन्होंने पुलिसकर्मियों से गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। पुलिस ने जब उन्हें शांत रहने की समझाइश दी, तो वे आरोपियों को थाने ले जाने से रोकने लगे और पुलिसकर्मियों के साथ धक्कामुक्की करने लगे।

आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया और दोनों पक्षों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने गांड़ाराम और देवानंद बंजारा को गिरफ्तार कर थाने ले आई। पुलिस ने इस मामले में चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सब्जी मंडी में भीषण आग

शॉर्ट सर्किट से हादसा, लाखों का सामान जलकर खाक

बलौदाबाजार, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। बलौदाबाजार जिले के भाटापारा नगर पालिका की नई सब्जी मंडी में भीषण आग लग गई। सोमवार (27 अक्टूबर) सुबह करीब साढ़े 9 बजे शॉर्ट सर्किट से लगी इस आग में लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। घटना भाटापारा थाना क्षेत्र की है। आग लगने से मंडी परिसर में हड़कंप की स्थिति बन गई थी। हालांकि फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंचने के बाद कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया गया। बताया जा रहा है 3 फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची थी, आग बुझाने में 2 घंटे का वक्त लग गया। करीब 50 लाख का नुकसान हुआ है। वहीं, घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

आग की चपेट में 2 से 3 कार्यालयों का सामान, एयर कंडीशनर (एसी), शेड और शेड के नीचे रखे सैकड़ों सब्जी के कैरेट आ गए। ये सभी जलकर खाक हो गए। लाखों के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

आग की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्यों का जायजा लिया। दमकल कर्मियों के साथ नगर पालिका के कर्मचारियों ने भी आग बुझाने में सहयोग किया।

आग लगने से सब्जी मंडी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। दुकानदार और स्थानीय लोग अपने सामान को बचाने का प्रयास करते दिखे। आग की लपटों और काले धुएं से पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन व्यापारियों को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है।

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि आग बुझाने के लिए जो व्यवस्था हो सकती थी, वो की गई। नगर पालिका की फायर ब्रिगेड और अंबुजा की फायर ब्रिगेड गाड़ी बुलाई गई थी।

बस से महिला यात्री का सामान का बैग गायब

छठ पर मायके जा रही थी, बैग में थे 1.4 लाख रुपए के जेवर और पैसे

कोडरमा, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। छठ पर्व पर मायके जा रही एक महिला का कीमती सामान से भरा बैग रहस्यमय तरीके से बस से गायब हो गया। जानकारी के मुताबिक कोडरमा जिले के महेशपुर निवासी ललिता कुमारी गैरा ट्रेवल्स की बस से हजारीबाग से अपने मायके लौट रही थीं। बताया जा रहा है कि बैग में करीब 1.4 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर और 10 हजार रुपए नकद थे।

महिला ने बताया कि ललिता कुमारी हजारीबाग जिले के झुरझुरी गांव अपने ससुराल से छठ पूजा मनाने अपने मायके महेशपुर जा रही थीं। बस में भीड़ अधिक थी, जिसके कारण कंडक्टर ने उनसे बैग सीट के ऊपर बने कैरियर पर रखने को कहा। उन्होंने अपना एक झोला और एक बैग ऊपर रख दिया। कुछ देर बाद जब बस कोडरमा जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र के महेशपुर चौक पहुंची और ललिता उतरने की तैयारी करने लगीं, तो देखा कि झोला तो वहीं है, लेकिन बैग गायब हो चुका है। उन्होंने तुरंत बस में चारों ओर खोजबीन की, यात्रियों और कंडक्टर से पूछताछ की, लेकिन किसी को बैग के बारे में कुछ पता नहीं था।

ललिता कुमारी ने बताया कि गायब हुए बैग में सोने और चांदी के गहने रखे थे। उन्होंने बताया कि बस में चढ़ते समय सबकुछ सामान्य था, लेकिन भीड़ और अफरातफरी के बीच किसी ने मौका पाकर बैग गायब कर दिया। घटना की जानकारी उन्होंने अपने पति मुन्ना लाल प्रसाद को दे दी है।

ललिता ने कहा कि पति के महेशपुर पहुंचने के बाद मामले में पुलिस से शिकायत की जाएगी। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि त्योहार के दौरान बसों में चोरी की घटनाएं बढ़ जाती हैं, इसलिए यात्रियों को अपने सामान पर सतर्क नजर रखनी चाहिए।

झारखंड में चार दिन भारी बारिश

बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम का असर

रांची, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली है। बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन का असर राज्य के कई जिलों में दिखने लगा है। आसमान में बादल छा गए हैं।

तापमान में गिरावट महसूस की जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के अनुसार, 28 से 31 अक्टूबर तक झारखंड के कई हिस्सों में भारी बारिश और वज्रपात की संभावना है।

मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। बताया गया है कि 28 अक्टूबर की शाम तक चक्रवाती तूफान 'मोंथा' आंध्र प्रदेश के काकीनाड़ा के पास समुद्र तट से टकराएगा, जिसका असर झारखंड में भी दिखेगा। इसके चलते राज्य में तूफान की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक 27 अक्टूबर को सिमडेगा, पूर्वी-पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, गढ़वा और पलामू में

हल्की बारिश हुई। अगले दिन 28 अक्टूबर को सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी और गुमला में भारी बारिश के आसार हैं।

29 अक्टूबर को बारिश का दायरा बढ़ेगा और सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, जामताड़ा, देवघर, दुमका, पाकुड़ और साहेबगंज में भारी बारिश की संभावना है।

30 अक्टूबर को रांची, गढ़वा, पलामू, चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, रामगढ़, खूंटी, हजारीबाग, गुमला, लोहरदगा और लातेहार में झमाझम बारिश हो सकती है। वहीं 31 अक्टूबर को गिरिडीह, धनबाद, जामताड़ा, देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहेबगंज में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

मौसम केंद्र के निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बने इस सिस्टम के कारण झारखंड के अधिकांश जिलों में वज्रपात और तेज हवाओं का खतरा रहेगा। उन्होंने कहा कि 28 अक्टूबर से मौसम में स्पष्ट बदलाव दिखेगा और 31 अक्टूबर तक स्थिति बरकरार रह सकती है।

इस दौरान किसानों और आम लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। खेतों में काम करते समय बिजली गिरने की आशंका से बचने के लिए खुले स्थानों पर न जाएं। मौसम विभाग ने कहा है कि नवंबर की शुरुआत में मौसम सामान्य होने की उम्मीद है।

छठ पर्व के दौरान राज्य के छह जिलों में बारिश की संभावना बनी हुई है, जिससे पर्व की तैयारी पर असर पड़ सकता है। हालांकि 1 नवंबर से मौसम में सुधार की उम्मीद जताई गई है।

धनबाद पुलिस के हाथों चढ़े बिहार के अपराधी

दुकानों की कर रहे थे रेकी, बड़ी वारदात देने की थी तैयारी, देसी कट्टा और बाइक बरामद

धनबाद, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनबाद पुलिस ने सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय डकैती गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। डीएसपी (लॉ एंड ऑर्डर) नौशाद आलम ने बताया कि त्योहारों के दौरान विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में दो युवकों को बाइक सहित रोका। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम दिलीप यादव और अजय कुमार बताया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक फर्जी नंबर प्लेट बरामद की गई।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि गिरफ्तार दोनों आरोपी बिहार के मोतिहारी जिले के निवासी हैं। दोनों पर बिहार के मोतिहारी और अररिया जिलों में डकैती के कई मामले दर्ज हैं। ये पहले भी जेल जा चुके हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे धनबाद में कई आभूषण दुकानों की रेकी कर रहे थे। जल्द ही बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे।

पुलिस के अनुसार, ये आरोपी पहले इलाके में व्यापारियों की गतिविधियों पर नजर रखते हैं और फिर रात के समय डकैती की योजना को अमल में लाते हैं। दोनों ने यह भी बताया कि उनके गिरोह के कुछ सदस्य अभी बिहार में सक्रिय हैं। वे हथियार और वाहनों की सप्लाई का काम करते हैं।

डीएसपी नौशाद आलम ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन और संपर्क सूत्रों की जांच की जा रही है। पुलिस को शक है कि इस गिरोह के तार झारखंड के अन्य जिलों और बिहार के सीमावर्ती इलाकों तक फैले हैं। पुलिस ने आरोपियों के कबूलनामे के आधार पर कुछ ठिकानों पर छापेमारी भी शुरू कर दी है।

वहीं, धनबाद पुलिस ने दावा किया है कि इस कार्रवाई से त्योहारों के दौरान शहर में बड़ी वारदात को टाला जा सका। डीएसपी ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि अपराधियों पर शीघ्र कार्रवाई की जा सके।

आदर गांव में जंगली हाथी का आतंक

दुकानों के शटर तोड़े और धान के बीज खाए ग्रामीणों में दहशत, मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम

गुमला, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुमला जिले के घाघरा प्रखंड स्थित आदर गांव में जंगली हाथी ने लोगों के लिए डर का माहौल पैदा कर दिया। हाथी ने स्थानीय दुकानों को निशाना बनाया। श्रीमाली बीज भंडार व रिया शू हाउस के शटर तोड़ दिए। बीज भंडार में रखे धान के बीज भी हाथी ने खा लिए।

हाथी की आवाज सुनकर ग्रामीण घरों से बाहर निकल आए और शोर मचाने लगे। इस प्रयास से हाथी को थोड़ी देर के लिए भगाया गया, लेकिन वह आदर हाई स्कूल के टोंगरी के पास डेरा डाले हुए है।

हाथी की गतिविधियों से गांव में भय का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोग इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र हो गए, जिससे हालात और भी तनावपूर्ण हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि हाथी अचानक बाजार में प्रवेश कर दुकानों को नुकसान पहुंचा रहा था। ग्रामीणों ने हाथी को भगाने के लिए शोर मचाया, लेकिन यह खतरा अभी भी टला नहीं है। हाथी की उपस्थिति से बच्चों और महिलाओं में डर का माहौल है। लोग अपने घरों से बाहर निकलने से कतरा रहे हैं।

घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग के कर्मी मौके पर पहुंच गए हैं। विभाग के अधिकारी हाथी को गांव से दूर भगाने का प्रयास कर रहे हैं। वन विभाग ने ग्रामीणों से हाथी के पास न जाने, उसके साथ छेड़छाड़ न करने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी है। अधिकारियों का कहना है कि हाथी अब भी आदर गांव के आसपास ही है और उसे भगाने में समय लग सकता है।

पुलिस आरक्षक पद पर नौकरी लगाने 11 लाख लिए

फर्जी-नियुक्ति पत्र भी दिया, रायगढ़ में प्रोफेसर समेत 8 ने की धोखाधड़ी, 2 गिरफ्तार

रायगढ़, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पुलिस आरक्षक के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर युवक के साथ 11.30 लाख की धोखाधड़ी की गई है। दिव्यांग कोटा से जॉब लगाने की बात कहकर अलग-अलग किस्तों में 11 लाख 30 हजार रुपए ऐंठ लिए गए। पुलिस ने 2 आरोपी को गिरफ्तार किया है। जबकि बाकी 6 आरोपी फरार हैं।

मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित युवक का नाम राहुल है। जो कि अलेन किंडो (60) का भतीजा है। इस वारदात को डिग्री कॉलेज के हिंदी के प्रोफेसर और कम्प्यूटर ऑपरेटर समेत 8 लोगों ने अंजाम दिया है। नौकरी नहीं लगने के बाद युवक की बुआ की रिपोर्ट पर पुलिस ने हिंदी प्रोफेसर उत्तरा सिदार और कंप्यूटर ऑपरेटर संजू यादव को गिरफ्तार किया है। दरअसल, मार्च 2024 में उत्तरा सिदार ने अलेन के भतीजे राहुल को आरक्षक पद पर

नौकरी लगाने के नाम पर 50 हजार रुपए की मांग की। अलेन ने 30 हजार रुपए दिए और बाद में संजू यादव को 20 हजार रुपए दिए। कुछ दिन बीतने के बाद उत्तरा सिदार और संजू यादव ने कहा कि रायपुर में रहने वाला विकास सिदार और उसके साथी को पैसे देने पड़ेंगे।

जो नौकरी लगाने में मदद करेंगे। ऐसे में फिर विकास सिदार को ढाई लाख देने कहा। तब 14 अप्रैल 2024 को अलेन किंडो ने विकास सिदार को रायगढ़ में ढाई लाख रुपए दिए। यह पैसे उसने पोस्ट ऑफिस के बीमा राशि और राहुल के मामा-मौसी से लेकर दी थी। इसके बाद गुप्ता नामक शख्स से बात कराया गया, तब उसने कहा कि उसका भतीजा का आरक्षक सीट सुनिश्चित पत्र भेज दिए हैं।

उसके घर में फर्जी बंद लिफाफा छोड़ भेजा गया। जिसे खोलकर देखने पर आरक्षक के पद संबंधी का सीट सुनिश्चति होने के संबंध में लिखा था तब अलेन को लगा कि उसके भतीजे राहुल का नौकरी तय हो गई है। जिसके बाद फिर पैसों की डिमांड की गई।

अलेन ने अपने परिचित से उधारी लेकर, अपना सोने-चांदी के जेवरात को बेचकर और जीवन बीमा को तुड़वाकर 1 मार्च 2024 से 11 अप्रैल 2025 तक उतरा सिदार, संजू यादव, विकास सिदार, अमन यादव, सेवक चौहान, मुलचंद कावर, एसके सिंग व गुप्ता नामक व्यक्ति को 11 लाख 30 हजार रुपए अलग-अलग किस्तों में दिया।

रूस में दुनिया की पहली न्यूक्लियर पावर्ड मिसाइल का टेस्ट

अनलिमिटेड रेंज का दावा, पुतिन बोले– इसे कोई डिफेंस सिस्टम नहीं रोक सकता

मॉस्को, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस ने दुनिया की पहली न्यूक्लियर पावर्ड यानी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली क्रूज मिसाइल बुरेवस्तनिक-9M739 का सफल परीक्षण किया है। दावा किया जा रहा है कि यह मिसाइल अनलिमिटेड रेंज वाली है।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि इसके सभी टेस्ट पूरे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी मिसाइल दुनिया के किसी भी देश के पास नहीं है। पहले कई एक्सपर्ट यकीन नहीं करते थे कि ऐसा हथियार भी बन सकता है, लेकिन यह हकीकत बन चुका है।

रूसी सेना के प्रमुख वैलेरी गेरेसिमोव ने बताया कि मिसाइल का सफल टेस्ट 21 अक्टूबर को किया गया। इस टेस्ट में बुरेवस्तनिक ने करीब 15 घंटे तक उड़ान भरी। इस दौरान मिसाइल ने 14 हजार किलोमीटर की दूरी तय की।

गेरेसिमोव ने यह भी बताया कि यह मिसाइल की अधिकतम रेंज नहीं है, यह इससे अधिक दूरी भी तय कर सकती है।

एयर डिफेंस सिस्टम की पकड़ में नहीं आ सकती

बुरेवस्तनिक (9M730) एक क्रूज मिसाइल है, जो सामान्य ईंधन इंजन की बजाय न्यूक्लियर रिएक्टर से चलती है। इस वजह से यह मिसाइल लगभग अनलिमिटेड यानी असीमित दूरी तक उड़ान भर सकती है। साथ ही दुश्मन के एंटी-मिसाइल डिफेंस सिस्टम को चकमा देने में सक्षम है। अमेरिकी वायुसेना की रिपोर्ट के अनुसार, मिसाइल के सर्विस में आने के बाद रूस के पास इंटरकॉन्टिनेंटल रेंज यानी 10 से 20 हजार किमी तक हमला करने की क्षमता होगी। इससे रूस किसी भी हिस्से से अमेरिका तक हमले में सक्षम होगा।

आमतौर पर इतनी दूरी तक हमला करने के लिए बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया जाता है। यह पहली क्रूज मिसाइल है जो इतनी दूरी तक हमला करने में सक्षम है। सामान्य बैलिस्टिक मिसाइल अंतरिक्ष में तय मार्ग पर जाती हैं, जिन्हें ट्रैक किया जा सकता है। जबकि बुरेवस्तनिक सिर्फ 50–100 मीटर की ऊंचाई पर उड़ती है और लगातार रास्ता बदलती रहती है, जिससे इसे पकड़ना लगभग असंभव हो जाता है। मिसाइल को लॉन्च करने के लिए ठोस ईंधन वाले रॉकेट बूस्टर का इस्तेमाल किया जाता है। लॉन्च होने के बाद इसका न्यूक्लियर रिएक्टर एक्टिव हो जाता है। इसके बाद यह परमाणु ऊर्जा पर चलती है। इसमें एक छोटा न्यूक्लियर रिएक्टर या न्यूक्लियर पावर यूनिट है, जो मिसाइल को अनलिमिटेड दूरी तक उड़ने में सक्षम बनाता है।

इस मिसाइल को जमीन पर मौजूद लॉन्चिंग पैड का इस्तेमाल कर लॉन्च किया जाता है। रॉयटर्स की एक जांच रिपोर्ट के मुताबिक रूस की राजधानी मॉस्को से उत्तर में 475 किमी दूर इसकी लॉन्च साइट हो सकती है। यहां नौ नए लॉन्च पैड बनाए जा रहे हैं।

मिसाइल एक्सपर्ट जेफरी लुईस ने कहा कि रूस का बुरेवेस्तिन मिसाइल की सफल टेस्टिंग एक खतरे की बात है।

ट्रम्प 6 साल बाद जापान पहुंचे

टोक्यो में 25 साल में सबसे टाइट सिक्योरिटी; पीएम ताकाइची से इन्वेस्टमेंट पर बात करेंगे

टोक्यो, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 6 साल बाद जापान के दौरे पर पहुंचे हैं। इससे पहले ट्रम्प आखिरी बार 2019 में जापान आए थे। वे जापानी पीएम साने ताकाइची के साथ ट्रेड और इन्वेस्टमेंट डील पर बात करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टोक्यो में 18,000 पुलिसकर्मी तैनात हैं। ट्रम्प के रास्ते पर ट्रैफिक बंद कर दिया गया है और एयर स्पेस भी बंद है। यह जापान का 2002 के बाद सबसे बड़ा सिक्योरिटी ऑपरेशन है। इसकी बड़ी वजह पिछले 5 साल में जापान के दो पूर्व पीएम पर हुए जानलेवा हमले भी हैं। जुलाई 2022 में पूर्व पीएम शिंजो आबे की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, वहीं अप्रैल 2023 तत्कालीन पीएम फुमियो किशिदा के भाषण के दौरान विस्फोटक फेंका गया था।

जापान ने पहले ही अमेरिका में 46 लाख करोड़ रुपए इन्वेस्ट करने का वादा किया है। ट्रम्प के दौरे पर इसकी डिटेल तय होंगी। ट्रम्प चाहते हैं कि जापान अमेरिका में चिप्स, दवाइयां, जहाज और एनर्जी जैसे सेक्टर में पैसा लगाए। इससे अमेरिका में नौकरियां बढ़ेंगी और दोनों देशों के रिश्ते मजबूत होंगे। कुछ लोग ट्रम्प के दौरे का विरोध भी कर रहे हैं। टोक्यो के शिंबाशी स्टेशन पर लोग ने ट्रम्प वापस जाओ के नारे लगाए। वे उनकी नीतियों से नाराज हैं।

ट्रम्प और पीएम तकायची ने शनिवार को फोन पर बात की थी। यह बातचीत 10 मिनट की थी। दोनों ने अमेरिका-जापान गठबंधन को और बेहतर करने का वादा किया। तकायची ने कहा था कि मेरे लिए यह सबसे जरूरी है। तकायची ने एक्स पर लिखा- ट्रम्प से अच्छी बात हुई। उनकी बधाई के लिए शुक्रिया। मैं उनके साथ मिलकर हमारे गठबंधन को और मजबूत करूंगी। उन्होंने ट्रम्प से उत्तर कोरिया द्वारा अगवा किए गए जापानी लोगों के लिए मदद मांगी और पश्चिम एशिया के हालात पर भी बात की। ट्रम्प ने पहले तकायची की तारीफ की थी, उन्हें बुद्धिमान और ताकतवर कहा था। हालांकि ट्रम्प का अन्य नेताओं के साथ रिश्ता अक्सर बदलता रहता है। वहीं, तकायची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी को संसद में बहुमत नहीं है, जिससे उनके लिए ट्रम्प के साथ काम करना मुश्किल हो सकता है।

ट्रम्प चाहते हैं कि जापान अपनी सेना पर ज्यादा पैसे खर्च करे। तकायची ने शुक्रवार को बताया था कि जापान अपने रक्षा बजट को देश की GDP का 2% तक बढ़ाएगा। यह फैसला जापान की सुरक्षा नीति में बड़ा बदलाव है। व्यापार के बारे में तकायची ने ज्यादा कुछ नहीं कहा। उन्होंने बताया कि वह अमेरिकी टैरिफ का असर कम करने की कोशिश करेंगी। जुलाई में हुए एक समझौते के मुताबिक जापान, अमेरिका को 15% टैरिफ देगा और वहां 550 बिलियन डॉलर का निवेश करेगा। तकायची ने कहा कि वह इस समझौते को ध्यान से देखेंगी, खासकर निवेश की शर्तों को।

बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन पर साधा निशाना

अमेरिकियों से बोले- यह काले दिन हैं, फिर से उठो...

वॉशिंगटन, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जो बाइडन ने अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शक्ति की सीमाओं की जांच पर प्रतिक्रिया दी है। पूर्व राष्ट्रपति ने इन दिनों को 'काले दिन' करार दिया और अमेरिकियों से कहा कि वे आशावादी बने रहें और हताश न हों। उन्होंने कहा, 'दुनिया के इतिहास में अपनी स्थापना के समय से ही अमेरिका शक्तिशाली विचार का प्रतीक रहा है। यह विचार किसी भी सेना से मजबूत है। हम किसी भी तानाशाह से अधिक ताकतवर हैं।' प्रोस्टेट कैंसर के लिए रेडिएशन थेरेपी पूरी करने के बाद बाइडन (82 वर्षीय) ने पहला सार्वजनिक भाषण दिया। उन्होंने रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) बोस्टन में एडवर्ड एम. कैनेडी इंस्टीट्यूट से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित किया।

उन्होंने कहा, अमेरिका ऐसे राष्ट्रपति पर निर्भर करता है, जिसकी शक्ति सीमित हो, एक काम करने वाली कांग्रेस हो और न्यापालिका स्वतंत्र हो। उन्होंने कहा कि संघीय सरकार अपने दूसरे सबसे लंबे शटडाउन का सामना कर रही है। लेकिन ट्रंप ने इसे भी सत्ता पर नई पकड़ बनाने के लिए इस्तेमाल किया।

बाइडन ने कहा, दोस्तों, मैं इसे छिपा नहीं सकता। ये काले दिन हैं। उन्होंने भविष्यवाणी की कि देश फिर से अपनी सही दिशा पाएगा और जैसा हमेशा होता आया है। अगर हम भरोसा बनाए रखते हैं, तो एक मजबूत, समझदार और अधिक लचीला, अधिक न्यायपूर्ण अमेरिका उभरेगा। बाइडन ने उन लोगों के उदाहरण भी दिए, जो मौजूदा प्रशासन से धमकियों के बावजूद अपने अधिकारों के लिए खड़े हुए हैं। उन्होंने उन संघीय कर्मचारियों का जिक्र किया, जिन्होंने विरोध में इस्तीफा दिया। उन्होंने उन विश्वविद्यालयों और हास्य कलाकारों का भी जिक्र किया, जिन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के निशाने का सामना किया।

चीन अमेरिकी सोयाबीन की खरीद फिर शुरू करेगा

100% टैरिफ नहीं लगाएगा अमेरिका, दोनों देशों के बीच ट्रेड डील का फ्रेमवर्क तय

वॉशिंगटन डीसी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड डील का फ्रेमवर्क तय हो गया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बताया कि दोनों देशों में चीनी आयात पर 100% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने से बचने के लिए एक फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर सहमति बनी ली है। उन्होंने बताया कि चीन पर लागू होने वाला 100% एक्स्ट्रा टैरिफ, अब नहीं लगेगा। वहीं, चीन फिर से अमेरिकी सोयाबीन की खरीद शुरू करेगा। ट्रम्प ने 1 नवंबर से चीन पर एक्स्ट्रा 100% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी।

यह फैसला ट्रम्प और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात से पहले लिया गया है। दोनों के बीच इस हफ्ते गुरुवार को साउथ कोरिया में मुलाकात होगी।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्ता में गतिरोध जारी

तालिबान ने टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई से किया इनकार

इस्तांबुल, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। तुर्किये के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल में रविवार को पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच वार्ता में गतिरोध बना रहा। अफगान तालिबान के प्रतिनिधिमंडल तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अन्य आतंकवादी संगठनों के खिलाफ 'विश्वसनीय कदम' उठाने की बात से हिचकिचाता रहा। पाकिस्तान दावा करता आया है कि इन आतंकी संगठनों के ठिकाने अफगानिस्तान में हैं। 'डॉन' अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, वार्ता के दूसरे दिन भी दोनों पक्ष आतंकवादी संगठनों को खत्म करने को लेकर कोई साझा राय नहीं बना सके। करीब नौ घंटे की गहन चर्चा के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि उनकी टीम ने अफगानिस्तान के सामने अपनी अंतिम स्थिति रखी और जोर दिया कि तालिबान शासन को सीमा पार और अफगानिस्तान के भीतर आतंकवाद को खत्म करने के लिए ठोस और विश्वसनीय कदम उठाने होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि अफगान तालिबान की ओर से आतंकवादियों का संरक्षण स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि तालिबान की प्रतिक्रिया तर्कहीन और वास्तविकताओं के विपरीत रही। अधिकारी ने यह भी आरोप लगाते हुए कहा, ऐसा लगता है कि तालिबान प्रतिनिधिमंडल किसी और एजेंडा पर चल रहा है।

अखबार ने कहा कि यह शक तब और गहरा हो गया, जब इस्तांबुल में वार्ता के दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लीपा सेक्टर में कथित रूप से संघर्ष विराम का उल्लंघन हुआ। आधिकारिक तौर पर हताहतों की कोई सूचना नहीं मिली। लेकिन स्थानीय लोगों ने रविवार शाम तेज गोलीबारी की सूचना दी। पाकिस्तानी अधिकारियों ने चेतावनी दी कि तालिबान का यह रुख अफगानिस्तान, पाकिस्तान और क्षेत्र के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि वार्ता में आगे की प्रगति अफगान तालिबान के 'सकारात्मक रुख' पर निर्भर करेगी।

अफगान तालिबान ने नहीं दिया लिखित आश्वासन

अफगान तालिबान के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को पाकिस्तान की मांगों पर लिखित में जवाब दिया। जिसके बाद इस्लामाबाद ने अपनी प्रतिक्रिया साझा की। दोपहर बाद तुर्किये और कतर के वरिष्ठ मध्यस्थों की मौजूदगी में हुई दूसरी बैठक में शुरुआत में उम्मीद जगी।

'इंटरनेट को केवल गूगल के हाथ में न छोड़ें...'

वॉशिंगटन , 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। परप्लेक्सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरविंद श्रीनिवास ने फिर से अपनी कंपनी के नए कॉमेट एआई ब्राउजर को बढ़ावा दिया है। इसका मकसद इंटरनेट पर गूगल के दबदबे को कम करना है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उन्होंने कॉमेट ब्राउजर का एक छोटा वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'इंटरनेट बहुत अहम है, इसे गूगल के हाथ में नहीं छोड़ा जाना चाहिए।'

श्रीनिवास की कंपनी ने गूगल के लोकप्रिय क्रोम ब्राउजर को 34.5 अरब डॉलर में खरीदने की पेशकश की थी। इसके बाद परप्लेक्सिटी ने अपना खुद का एआई-संचालित ब्राउजर कॉमेट लॉन्च किया, जो गूगल क्रोम का प्रतिद्वंद्वी है। यह ब्राउजर क्रोमियम ओपन-सोर्स फ्रेमवर्क पर बनाया गया है और उपयोगकर्ताओं (यूजर्स) को वही अनुभव देने का दावा करता है, जिससे वह पहले से परिचित है।

क्रोम को क्यों खरीदना चाहता था परप्लेक्सिटी ?

अगस्त में परप्लेक्सिटी ने गूगल के क्रोम ब्राउजर को खरीदने के लिए 34.5 अरब डॉलर की नकद पेशकश की। तीन साल पुराने इस स्टार्टअप ने औपचारिक रूप से गूगल को यह पेशकश भेजी, जबकि खुद की संपत्ति कुल 18 अरब डॉलर थी। क्रोम के दुनियाभर में तीन अरब से अधिक यूजर्स हैं। इसलिए अगर परप्लेक्सिटी इसे खरीद लेती, तो उसे एआई आधारित खोज (सर्च) में गूगल जैसी बड़ी कंपनी के साथ प्रतिस्पर्धा करने में बहुत फायदा मिलता। परप्लेक्सिटी ने अपनी 34.5 अरब डॉलर की पेशकश में नियामक और यूजर्स चिंताओं का समाधान करने की प्रतिबद्धता भी शामिल की थी। कंपनी ने योजना बनाई थी कि दो वर्षों में क्रोम के विकास और बुनियादी ढांचे में तीन अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। क्रोमियम को ओपन सोर्स रखा जाएगा और क्रोम की डिफॉल्ट सर्च सेटिंग में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

यह पेशकश उस समय की गई, जब अमेरिकी न्याय विभाग ने गूगल को क्रोम को बेचने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया। एक जज ने तब फैसला दिया कि गूगल इंटरनेट सर्च में गैरकानूनी एकाधिकार रखता है। न्याय विभाग की दलील थी कि क्रोम को अलग करने से गूगल के सर्च नियंत्रण को रोका जा सकेगा और प्रतिद्वंद्वी सर्च इंजन के लिए अवसर खोले जाएंगे।

पिछले महीने परप्लेक्सिटी ने कॉमेट ब्राउजर लॉन्च किया। यह क्रोमियम फ्रेमवर्क पर बनाया गया है और क्रोम एक्सटेंशन व बुकमार्क को सपोर्ट करता है। इसमें उत्पादकता, शोध और कार्य प्रबंधन के लिए एआई-संचालित टूल भी है। कॉमेट में एआई साइडबार असिस्टेंट है, जो लेखों का सारांश तैयार कर सकता है। ईमेल ड्राफ्ट कर सकता है। शेड्यूल मैनेज कर सकता है और ब्राउजर में सीधे कार्यों को ऑटोमेट कर सकता है।

अर्जेंटीना में राष्ट्रपति माइली की पार्टी मिड-टर्म इलेक्शन में जीती

ब्यूनस आर्यस , 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति जेवियर माइली की पार्टी ने देश के विधायी चुनावों में जीत हासिल की है। माइली की पार्टी, ला लिबर्टाड अवांजा को 41% वोट मिले, जबकि विपक्षी पेरोनिस्ट गठबंधन को 32% वोट मिले। ये परिणाम 90 फीसदी से अधिक वोटों की गिनती पर आधारित थे। माइली ने कहा कि उनकी पार्टी ने अब अपनी सीटों की संख्या तीन गुना कर ली है, निचले सदन में 37 से बढ़कर 101 सीटें और सीनेट में छह से बढ़कर 20 सीटें जीत ली हैं। यह मध्यावधि चुनाव माइली के लिए बड़ी परीक्षा थी। पिछले महीने राजधानी ब्यूनस आर्यस में हुए स्थानीय चुनाव में उनकी पार्टी को हार मिली थी। अब नई जीत से माइली को राष्ट्रपति ट्रम्प का समर्थन मिलता रहेगा।

नेपाल में हाई-एल्टीट्यूड सिकनेस से चार लोगों की मौत

काठमांडू, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में अलग-अलग घटनाओं में ऊंचाई वाले क्षेत्र से जुड़ी बीमारी (हाई-एल्टीट्यूड सिकनेस) के कारण चार लोगों की मौत हो गई। इनमें सामान ढोने वाले और पर्वतारोही शामिल हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। गंडकी प्रांत के मनांग जिले में सामान ढोने वाले दिल बहादुर गुरुंग और सांगा घाले व पर्वतारोही राम बहादुर थापा मगर की मौत हुई। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने एक बयान में बताया कि गुरुंग और घाले विदेशी पर्वतारोहियों का सामान ले जा रहे, तभी उन्हें ऊंचे क्षेत्र से जुड़ी बीमारी हो गई और बाद में उनकी मौत हो गई।

एनडीआरआरएमए ने बताया, पर्वतारोहण से लौटने के बाद राम बहादुर को उनके होटल के कमरे में मृत पाया गया। इसी तरह, कास्की जिले के अन्नपूर्णा बेस कैंप क्षेत्र में पर्वतारोहण के दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्र की बीमारी से पीड़ित नेपाली नागरिक सूरज मान श्रेष्ठ की शनिवार को उनके होटल में मृत्यु हो गई।

इसके अलावा, एक स्पेनिश नागरिक (31 वर्षीय) उत्तरी कंचनजंगा पर्वत के बेस कैंप से लौट रहे थे, शनिवार को वह भी इस बीमारी से पीड़ित हो गए। उन्हें तप्लेजुंग जिले के फक्तांगलुंग गांव के एक गेस्ट हाउस से बचाया गया, जहां वह आराम कर रहे थे। गृह मंत्रालय के सूत्रों ने बताया, सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें उसी दिन काठमांडू हवाई मार्ग से उपचार के लिए भेजा। कास्की जिले का अन्नपूर्णा क्षेत्र और उत्तरी नेपाल का मुस्तांग जिला वर्तमान में पर्वतारोहण के लिए हजारों घरेलू और विदेशी पर्यटकों से भरा हुआ है।

ब्रिटेन में भारतवंशी महिला पर नस्लीय हमला

दरिंदे ने किया दुष्कर्म, सीसीटीवी में दिखा; पुलिस ने जारी की आपात अपील

लंदन, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन की पुलिस ने उत्तरी इंग्लैंड में एक युवती के साथ दुष्कर्म के मामले में एक संदिग्ध श्वेत व्यक्ति को पकड़ने के लिए आपातकालीन अपील जारी की है। महिला भारतीय मूल की बताई जा रही है। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस के मुताबिक, शनिवार शाम को वालसॉल के पार्क हॉल इलाके में महिला के सड़क पर संकट में फंसे होने की सूचना मिली। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जनता से मदद के लिए संदिग्ध का सीसीटीवी फुटेज जारी किया और इसे 'नस्लीय भेदभाव आधारित हमले में दुष्कर्म' का मामला बताया।

पुलिस जांच की अगुवाई कर रहे जांच अधीक्षक रोनन टायर ने कहा, यह एक युवती (20 वर्षीय) पर बेहद खौफनाक हमला था। हम आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस सबूत इकट्ठा कर रही है और हमलावर की प्रोफाइल तैयार कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अगर किसी ने उस समय इलाके में किसी पुरुष को संदिग्ध व्यवहार करते देखा हो तो पुलिस को जानकारी दें। पुलिस ने बताया कि हमलावर करीब तीस साल का श्वेत पुरुष है, जिसके छोटे बाल हैं और उसने हमले के समय गहरे रंग के कपड़े पहने थे।

स्थानीय लोगों ने दावा किया कि पीड़िता पंजाबी युवती है। कुछ हफ्ते पहले ओल्डबरी क्षेत्र में एक ब्रिटिश सिख महिला के साथ भी नस्लीय भेदभाव आधारित दुष्कर्म का मामला सामने आया था। वालसॉल पुलिस के मुख्य अधीक्षक फिल डॉल्बी ने कहा कि पुलिस का फोकस आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी पर है। उन्होंने कहा, वालसॉल एक बहुसांस्कृतिक इलाका है। इस खौफनाक हमले से समुदायों में चिंता है। हम लोगों की बात सुन रहे हैं और आने वाले दिनों में इलाके में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई जाएगी।

सिख फेडरेशन यूके ने बताया कि वालसॉल में दुष्कर्म की शिकार महिला पंजाबी है। संगठन ने कहा कि हमलावर ने कथित तौर पर पीड़िता के घर का दरवाजा तोड़कर हमला किया। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस पिछले दो महीनों में दो ऐसे ही मामले दर्ज कर चुकी है और आरोपी को जल्द पकड़ने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने पहले ओल्डबरी में हुए मामले में कुछ गिरफ्तारियां की थीं।

दक्षिण चीन सागर में दो अमेरिकी एयरक्राफ्ट हादसे का शिकार

नौसेना का हेलीकॉप्टर और लड़ाकू विमान क्रैश

वॉशिंगटन , 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण चीन सागर में रविवार को दो बड़े हादसे हुए। यहां अलग-अलग घटनाओं में अमेरिका की नौसेना का हेलीकॉप्टर और एक लड़ाकू विमान क्रैश हो गया। हालांकि, इन दोनों ही एयरक्राफ्ट के पायलट और क्रू को सुरक्षित निकाल लिया गया। अमेरिकी नौसेना के प्रशांत बेड़े की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, इन दोनों घटनाओं को लेकर जांच बिठा दी गई है।

अमेरिकी नौसेना ने सोशल मीडया पर एक बयान जारी कर बताया कि रविवार दोपहर को नौसेना के एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज से रूटीन अभियान के लिए निकला एमएच-60आर सीहॉक हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया। यह हादसा स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2.45 बजे हुआ। राहत-बचाव अभियान के दौरान सभी तीन क्रू सदस्यों को निकाल लिया गया। नौसेना के मुताबिक, हेलीकॉप्टर का संचालन मैरीटाइम स्ट्राइक स्क्वॉड्रन की बैटल कैट्स टीम कर रही थी।

इस घटना के लगभग आधे घंटे बाद ही 3.15 बजे यूएसएस निमित्ज से उड़ान भरने वाला एफ/ए-18एफ सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान भी क्रैश हो गया। यह भी रूटीन अभियान पर था। बताया गया है कि यह लड़ाकू विमान स्ट्राइक फाइटर स्क्वॉड्न की फाइटिंग रेडकॉक्स टीम के पास था। हादसे के दौरान इसके पायलट सफलतापूर्वक बाहर निकलने में सफल हुए और इन्हें बचा लिया गया। अमेरिकी नौसेना के मुताबिक, निमित्ज पश्चिमी तट पर लौटने से पहले अपनी अंतिम तैनाती के वापसी चरण में है। यह विमानवाहक पोत, इसके क्रू और एयर विंग, 26 मार्च को पश्चिमी तट से रवाना हुए थे। यह विमानवाहक पोत, वाणिज्यिक जहाजों पर हूतियों के हमलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के तहत, अधिकांश समय तक पश्चिम एशिया में सेवाएं दे रहा था। यह विमानवाहक पोत 17 अक्टूबर को दक्षिण चीन सागर में प्रवेश कर गया था।

गौरतलब है कि दक्षिण चीन सागर के एक बड़े हिस्से पर चीन अपना दावा करता आया है। इस सागर को लेकर उसके पूर्वी एशिया के कई देशों से टकराव भी रहे हैं। इनमें सबसे ताजा विवाद फिलीपींस से रहा, जिसके नागरिक जहाजों से लेकर सैन्य पोत तक को चीन ने निशाना बनाने की कोशिश की है। चौंकाने वाली बात यह है कि दक्षिण चीन सागर के अधिकतर हिस्से पर पर चीन के दावे को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय नकार चुका है। हालांकि, इसके बावजूद चीन इस क्षेत्र में लगातार अपना शक्ति परीक्षण करता रहा है। दूसरी तरफ अमेरिका भी अपने नौसैनिक युद्धपोत, विमानवाहक पोत भेजकर इस क्षेत्र में चीन को चुनौती देती आया है।

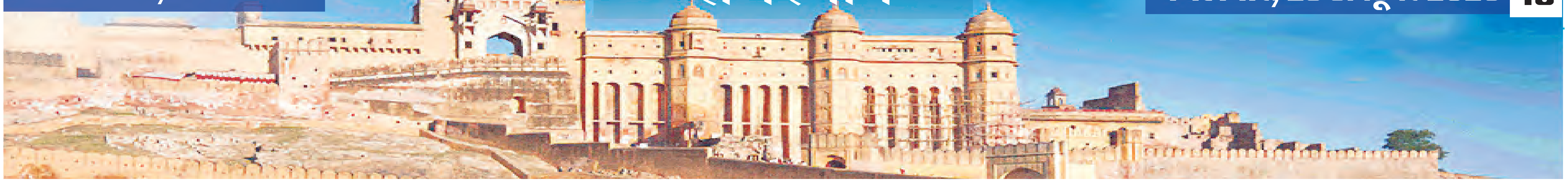

'मगरमच्छी आंसू से निकाय चुनाव में भ्रम फैलाने का विफल प्रयास कर रही कांग्रेस' : शेखावत

जोधपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने निकाय चुनाव में कांग्रेस पर जानबूझकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मगरमच्छी रुदन कर जनता में भ्रम फैलाने का असफल प्रयास कर रही है, जो न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि विपक्ष की व्यावसायिक नैतिकता पर भी एक प्रश्न है।

अपने एक बयान में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि पूर्व में राज्यभर में सभी निकायों के चुनाव चाहे वह पंचायत निकाय हो या वह शहरी निकाय हो, अलग-अलग तिथियों को होते थे, कभी किसी पालिका के चुनाव तो कभी किसी पालिका के चुनाव और इधर कभी किसी पंचायत के चुनाव तो कभी किसी पंचायत के चुनाव होते थे। निकाय चुनावों को लेकर कभी एकरूपता का भाव राज्य में पैदा ही नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि कह सकते हैं कि राज्य में निकायों के चुनाव आज तक किश्तों में हुए थे, किन्तु इस बार की भजनलाल सरकार ने दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाते हुए इन सब निकायों के चुनावों को एक साथ करने का निर्णय लिया। इस दिशा में कदम उठाए और अंततः अब निकाय चुनाव एक साथ होने का मार्ग लगभग प्रशस्त हो गया, जो काफी कठिन और चुनौती पूर्ण कार्य था।

शेखावत ने कहा कि कांग्रेस यह जानते हुए भी कि सभी निकायों के चुनाव एक साथ करवाने के लिए जहां जिस निकाय का कार्यकाल पूरा हो है, उसे अन्य निकायों के कार्यकाल के पूरे होने तक रुकना ही होगा, फिर भी कांग्रेसी नेता जनता को मीडिया में अनर्गल तर्क देते हुए उकसाने करने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनता को संयम रख एक तिथि में चुनाव करवाने के आशय को स्पष्ट करने की जगह कांग्रेस अपने रटे-रटाए संविधान खतरे में है, के तर्क को ही दोहराती रही, ताकि राज्य की जनता अधीर हो जाए। भजनलाल सरकार की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाए, किन्तु जनता कांग्रेस के बहकावे में कतई नहीं आई और संयम के साथ एक राज्य-एक चुनाव की राज्य सरकार की इच्छाशक्ति को समझा है।

शेखावत ने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के संविधान खतरे में है, जैसे वक्तव्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि स्वयं पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने पिछले कार्यकाल में जोधपुर, जयपुर और कोटा नगर निगम के चुनाव अपने राजनीतिक स्वार्थों के चलते प्रशासक लगाकर एक वर्ष देर से करवाए थे। हो सकता है कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत इन चुनावों की देरी की वजह कोरोना को बताएं, किन्तु निगम के चुनाव नवम्बर 2019 में होने थे, जिसे गहलोत ने प्रशासक लगा पहले से ही लंबित कर दिए थे, जबकि कोरोना का आगमन मार्च 2020 में हुआ था।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अपनी तरफ से की गई इस एक सालाना देरी में तो गहलोत को संविधान खतरे में नजर नहीं आया। लेकिन राज्य की वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा पुनीत लक्ष्य और राज्य हित में एक साथ चुनाव करवाने के प्रयास में इन्हें संविधान खतरे में दिख रहा है। शेखावत ने चुटकी लेते हुए कहा है कि गहलोत और कांग्रेस को इन चुनावों में अपना अस्तित्व खतरे में दिख रहा है। इसलिए वो अनर्गल रुदन कर अपने बचाव की भूमिका बांध रहे हैं।

निकाय चुनाव में देरी से मचा सियासी घमासान

गहलोत का आरोप - बीजेपी को है हार का डर

जयपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में निकाय और पंचायत चुनावों में हो रही देरी को लेकर सियासी घमासान छिड़ा हुआ है। 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' योजना के तहत राज्य सरकार सभी नगर निगमों के एक साथ चुनाव कराने की तैयारी कर रही है। प्रदेश में 50 निकायों का कार्यकाल दिसंबर 2025, 90 का जनवरी 2026, और एक का फरवरी 2026 में समाप्त होगा। वहीं कांग्रेस आरोप लगा रही है कि सरकार को हार का डर है इसलिए जानबूझ कर चुनाव टालने वाले फैसले ले रही है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने राजस्थान की भाजपा सरकार पर संविधान और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं और शहरी निकायों के चुनाव समय पर नहीं कराए हैं, जो लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है।

गहलोत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा- राज्य सरकार डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 243-ई और 243-यू का हवाला देते हुए कहा कि ग्रामीण और शहरी निकायों के चुनाव हर पाँच साल में कराना अनिवार्य है और उनका कार्यकाल बढ़ाने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने गोवा सरकार बनाम फौजिया इम्तियाज शेख और पंजाब राज्य निर्वाचन आयोग बनाम पंजाब सरकार के सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि इन मामलों में भी पंचायती राज संस्थाओं के नियमित चुनाव कराने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

गहलोत ने कहा कि बीजेपी सरकार ने पंचायत राज और नगर निकायों का कार्यकाल खत्म होने के बाद चुनाव कराने के बजाय प्रशासक नियुक्त कर दिए, जो संवैधानिक प्रावधानों का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासकों की नियुक्ति से ग्राम और शहरी स्तर की लोकतांत्रिक व्यवस्था पंगु हो गई है। उन्होंने कहा कि नई नेतृत्व प्रक्रिया को रोक दिया गया है क्योंकि बीजेपी को हार का डर है। यह कदम लोकतंत्र और संविधान पर सीधा हमला है।

वहीं कांग्रेस के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने भी गहलोत के आरोपों का समर्थन करते हुए कहा कि जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर निगमों में प्रशासक नियुक्त करना अवैध और अलोकतांत्रिक है। उन्होंने कहा, "यह फैसला जनता के अधिकारों पर हमला है और लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है। बीजेपी सरकार 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' के नाम पर पंचायत और निकाय चुनावों में जानबूझकर देरी कर रही है।"

खाचरियावास ने चेतावनी दी कि प्रशासक व्यवस्था से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, सफाई और अन्य नगरीय सेवाएं प्रभावित होंगी। उन्होंने कहा, "भ्रष्टाचार पहले से बढ़ा हुआ है, अब प्रशासक व्यवस्था से निरीक्षक राज हावी होगा और निकायों व पंचायतों में खुलेआम भ्रष्टाचार बढ़ेगा।" राज्य सरकार ने जयपुर, जोधपुर और कोटा की तीनों नगर निगमों के लिए संभागीय आयुक्तों को प्रशासक नियुक्त किया है, जिनका कार्यकाल 9 नवंबर को समाप्त हो रहा है। यह पहली बार है जब किसी नगर निकाय में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी प्रमुख बनाए गए हैं।

चुनाव प्रचार में अब एआइ या डिजिटल संशोधित सामग्री की लेबलिंग अनिवार्य, गाइडलाइन जारी

जयपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। निर्वाचन आयोग ने राज्यों में चुनावों के दौरान कृत्रिम रूप से निर्मित जानकारी और एआइ से निर्मित सामग्री के बढ़ते दुरुपयोग को रोकने के लिए सभी राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों और उनके प्रचार प्रतिनिधियों के लिए गाइडलाइन जारी की है। आयोग ने इस संदर्भ में सर्कुलर जारी कर कहा है कि इस तरह की चुनाव सामग्री से चुनावी अखंडता, मतदाता के विश्वास और समान अवसर के सिद्धांतों के लिए गंभीर खतरा बनने की आशंका है। आयोग का कहना है कि तकनीकी साधनों से तैयार या संशोधित की गई कृत्रिम प्रचार सामग्री वास्तविकता का भ्रम पैदा करती है, जिससे मतदाता गुमराह हो सकते हैं और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए आयोग ने संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए गाइडलाइन जारी की है।

गाइडलाइन में ये दिशा निर्देश

चुनाव में एआइ या डिजिटल रूप से संशोधित सामग्री की लेबलिंग अनिवार्य रहेगी। किसी भी कृत्रिम रूप से निर्मित या एआइ- छवि, ऑडियो या वीडियो पर जैसे स्पष्ट लेबल मार्किंग को दर्शाना अनिवार्य होगा। दृश्य सामग्री में यह लेबल दृश्य क्षेत्र के कम से कम 10 फीसदी हिस्से को कवर करना जरूरी होगा। वीडियो में यह ऊपरी भाग पर प्रदर्शित हो। ऑडियो सामग्री में यह प्रारंभिक 10 फीसदी अवधि तक सुनाई देना जरूरी है।

सामग्री पर जिम्मेदार इकाई का नाम प्रदर्शित करना भी अब जरूरी है। एआइ से निर्मित हर सामग्री में उसे बनाने वाली उत्तरदायी इकाई का नाम या तो मेटा डाटा में या कैप्शन में दर्शाना भी जरूरी है।

भ्रामक या अवैध सामग्री पर प्रतिबंध। चुनावों में अब ऐसी कोई भी सामग्री प्रकाशित या साझा नहीं की जा सकेगी जो किसी व्यक्ति की पहचान, रूप या आवाज को उसकी सहमति के बिना गलत रूप में प्रस्तुत करती हो या जिससे मतदाताओं को भ्रमित करने की आशंका हो। यदि किसी राजनीतिक दल के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर भ्रामक, एआई-जनित या कृत्रिम रूप से संशोधित सामग्री पाई जाती है, तो उसे रिपोर्ट या संज्ञान में आने के 3 घंटे के भीतर हटाना अनिवार्य होगा।

एआइ सामग्री का अभिलेख रखना भी राजनीतिक दल सहित अन्य के लिए अनिवार्य रहेगा।

हनुमान बेनीवाल बोले- किरोड़ी लाल मीणा कर रहे हैं ड्रामा

फोन टैपिंग वाले अधिकारियों को मिला इनाम

श्रीगंगानगर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल एक बार फिर राजस्थान की सियासत में हुंकार भरने को तैयार हैं। 29 अक्टूबर को बीकानेर में आरएलपी के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बेनीवाल श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं, किसानों और युवाओं से कार्यक्रम में भारी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा के साथ उनका स्वागत किया। बेनीवाल ने प्रेस वार्ता में कांग्रेस और भाजपा पर जमकर निशाना साधा और राजस्थान की भजनलाल सरकार को विफल करार दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में आरएलपी प्रदेश के समग्र विकास के लिए सात संकल्प लेगी और अगले तीन साल का रोडमैप तैयार करेगी।

श्रीगंगानगर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में बेनीवाल ने कांग्रेस और भाजपा पर मिलकर जनता को लूटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में गैंगस्टरों की बढ़ती गतिविधियों पर सरकार पूरी तरह नाकाम रही है। बेनीवाल ने हाल के आईपीएस अधिकारियों के तबादलों पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार को बचाने वाले अधिकारियों को भजनलाल सरकार इनाम के तौर पर बड़े पद दे रही है। बेनीवाल ने दावा किया कि जिन पुलिस अधिकारियों ने फोन टैपिंग जैसे कार्य किए, उन्हें एसओजी, क्राइम, एसीबी और एटीएस जैसे महत्वपूर्ण विभागों में जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि मेरा फोन भी टैप किया गया था और अब उन अधिकारियों को पुरस्कृत किया जा रहा है। यह साफ दर्शाता है कि कांग्रेस और भाजपा का गठजोड़ है।

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा पर हमला बोलते हुए बेनीवाल ने कहा कि मीणा की छापेमारी सिर्फ राजनीतिक नौटंकी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मीणा ने कौन सा तीर मार लिया? उनकी छापेमारी का परिणाम शून्य रहा। नकली खाद और बीज के डर से किसानों ने खाद डालना ही छोड़ दिया। बेनीवाल ने मीणा पर लोगों को डराने और भ्रमित करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा है कि मीणा नकली बीज व खाद को लेकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास रहे हैं। मीणा श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों का चक्कर काटकर छापेमारी का ड्रामा रच रहे हैं। यदि नकली बीज व खाद बन रही है तो ऐसी फैक्ट्री को सीज कर मालिकों पर एफआइआर दर्ज क्यों नहीं हुई।

भीषण सड़क हादसा

एक की मौत, 30 घायलों में से 10 की हालत गंभीर; कार के उड़े परखच्चे

जोधपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर जिले में सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। वहीं, 30 लोग घायल हो गए। जिनमें से 10 की हालत गंभीर बनी हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 8 बजे जोधपुर जिले में ओसियां-चाडी रोड पर नाइयों की ढाणी के पास हुआ। करीब 40 सवारियों से भरी निजी बस ओसियां से चाडी की ओर जा रही थी। तभी सामने से आ रही कार से जबरस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और दोनों वाहनों में सवार 30 लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही ओसियां थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने हादसे में घायल 30 लोगों को उप जिला अस्पताल ओसियां में भर्ती कराया। जहां से गंभीर हालत में 10 लोगों को जोधपुर रेफर कर दिया।

मेरिट के आधार पर हो जिलाध्यक्ष का चयन

मैंने नहीं दिया किसी का नाम : जितेंद्र सिंह

अलवर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत जिलाध्यक्षों के चयन को लेकर रायशुमारी पूरी होने के बाद अलवर से छह नामों का पैनल ऑब्जर्वर सलीम अहमद ने केसी वेणुगोपाल को सौंपा दिया है। इस बीच एआईसीसी के महासचिव जितेंद्र सिंह ने कहा कि जिलाध्यक्ष का चयन मेरिट के आधार पर होना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी भी यही चाहते हैं कि बूथ पर काम करने वाले कार्यकर्ता को जिलाध्यक्ष बनना चाहिए।

उन्होंने कहा कि 24 अक्टूबर को हुई बैठक में भी मैंने यही कहा कि ऑब्जर्वर को रायशुमारी के आधार पर ही चयन करना चाहिए। मैंने कोई नाम नहीं दिया। मैं सिस्टम पर विश्वास करता हूं। जो भी योग्य व्यक्ति बनेगा उसका हम स्वागत करते हैं।

गौरतलब है कि ऑब्जर्वर सलीम अहमद ने 24 अक्टूबर को दिल्ली में अलवर जिलाध्यक्ष के लिए छह नामों का पैनल सौंपा था।

इस दौरान एआईसीसी महासचिव जितेंद्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई नेताओं से राय ली गई थी। लेकिन सभी ने मेरिट के आधार पर चयन की सिफारिश की। माना जा रहा है कि नवंबर के पहले सप्ताह में जिलाध्यक्ष की घोषणा हो जाएगी।

बीजेपी नेताओं की ओर से जमीन हड़पने के सवाल पर पूर्व मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि ऊपर से नीचे तक भाजपा के नेता यही काम कर रहे हैं। बड़े नेता अडानी व अंबानी को जमीनें देने में लगे हैं। बीजेपी नेता माफियागिरी कर रहे हैं।

गोविंद गुप्ता बने एसीबी के नए महानिदेशक

बोले- आमजन का विश्वास हमारी सबसे बड़ी ताकत

जयपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में नए नेतृत्व के रूप में गोविन्द गुप्ता ने सोमवार को महानिदेशक का कार्यभार ग्रहण किया। झालाना डूंगरी स्थित मुख्यालय में आयोजित इस औपचारिक समारोह में अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके पश्चात गुप्ता को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। कार्यक्रम में एसीबी मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पदभार ग्रहण करने के बाद महानिदेशक गुप्ता ने भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को मजबूती से लागू करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार उन्मूलन की लड़ाई पारदर्शिता, त्वरित जांच कार्रवाई और टीम वर्क के सिद्धांतों पर आधारित रहकर आगे बढ़ाई जाएगी। गुप्ता के अनुसार आमजन का विश्वास एसीबी की सबसे बड़ी शक्ति है और इसे और अधिक मजबूत बनाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

आदिवासी समूहों ने भरी हुंकार, एसटी का दर्जा देने की उठाई मांग; आदिवासी सांसद भी हुए शामिल

चूरू, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। शेखावाटी क्षेत्र के चूरू जिले के सुजानगढ़ कस्बे में बीते आदिवासी समूहों ने एक बड़ी सभा का आयोजन किया। इस सभा में उन्होंने चूरू, झुंझुनू और सीकर जिलों के आदिवासी बहुल इलाकों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग की। सभा का आयोजन नायक समुदाय के मेधावी छात्रों को सम्मानित करने के लिए किया गया था, जिसमें कई सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के लोग शामिल हुए।

सभा में वक्ताओं ने आदिवासी समुदायों के सामने आने वाली समस्याओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इन समुदायों में निरक्षरता और बेरोजगारी की समस्या गंभीर है। साथ ही, आदिवासियों के खिलाफ अपराध की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। वक्ताओं ने राज्य सरकार से मांग की कि शेखावाटी क्षेत्र के आदिवासियों को राजस्थान के अन्य एसटी क्षेत्रों की तरह कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जाए।

सभा में बांसवाड़ा के सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि नायक समुदाय के लोग मूल रूप से भील आदिवासी समुदाय के वंशज हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर, चूरू, नागौर, अजमेर और झुंझुनू जिलों में करीब 30-35 लाख भील नायक रहते हैं। वर्तमान में इन्हें अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त है, लेकिन वे चाहते हैं कि उनकी आदिवासी पहचान को मान्यता दी जाए और उन्हें एसटी का दर्जा मिले।

रोत ने सरकार से अनुरोध किया कि आदिवासी स्थिति को लेकर भ्रम को दूर करने के लिए ऐतिहासिक दस्तावेजों की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि नायक समुदाय के बुजुर्ग और बुद्धिजीवी इस बात पर जोर देते हैं कि उनकी जड़ें भील समुदाय से जुड़ी हैं। यह मांग लंबे समय से चली आ रही है और समुदाय चाहता है कि सरकार उनकी स्थिति स्पष्ट करे ताकि उन्हें उचित अधिकार और सुविधाएं मिल सकें।

झाड़ियों के पास क्षत-विक्षत मिला तेंदुए का शव

सिर और चारों पंजे काटे; शिकार की आशंका

डूंगरपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा के समीपवर्ती डूंगरपुर जिले के साबला वन क्षेत्र से चौंकाने वाली घटना सामने आई है। वन क्षेत्र के माल गांव के पास झाड़ियों के किनारे तेंदुए का सिर और चारों पंजे कटा हुआ शव देखकर लोग चौंक पड़े। सूचना पर वन कर्मी मौके पर पहुंचे। शव को उदयपुर ले जाया गया है, जहां पोस्टमार्टम किया जाएगा। साबला वनखंड के वनपाल चंद्रवीर सिंह ने बताया कि पिण्डावल से पूंजपुर की ओर जाने वाले रास्ते पर माल गांव में खंडेश्वर महादेव मंदिर के पास झाड़ियों के किनारे तेंदुए का शव मिला। तेंदुए का सिर और पंजे नहीं थे। शव देखकर ग्रामीणों ने आसपुर पुलिस और वन विभाग को सूचना दी। वन कर्मियों ने मौका-मुआयना किया। शव देखकर अनुमान लगाया कि तेंदुए की मौत कुछ दिन पहले हुई है। उसका सिर धड़ से अलग था। साथ ही चारों पंजे भी कटे हुए थे।

उन्होंने मौके पर मिले शव को देखकर आशंका जताई कि तेंदुए का शिकार किया गया है और उसके बाद सिर और पंजे काट लिए। वन विभाग की टीम ने तेंदुए के शव को कब्जे में लिया और आसपुर वन विभाग के कार्यालय में रखवाया। आवश्यक कार्रवाई के बाद इसे उदयपुर भेजा गया है, जहां उसका पोस्टमार्टम किया जाएगा, ताकि यह पता चल सके कि तेंदुए की मौत कब और कैसे हुई। उन्होंने बताया कि तेंदुए के शव पर चोटों के निशान मिलने से साफ है कि उसका शिकार किया गया है। उन्होंने बताया कि तेंदुए के शिकार की आशंका को देखते हुए पूरे वन क्षेत्र में गश्त को बढ़ाया जा रहा है। ग्रामीणों से भी कहा गया है कि संदिग्ध गतिविधि पर वन विभाग को सूचना दें।

25 लाख रुपए का 600 केजी का भैंसा बना पुष्कर मेले में आकर्षण का केंद्र

रोजाना 2500 रुपए की लेता है खुराक

अजमेर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुष्कर का नया मेला मैदान अश्व वंश की मंडी बन गया है। रेतीले धोरों में मारवाड़ी, नुगरा, पंजाबी सहित कई नस्लों के अश्वों की खरीद-फरोख्त शुरू हो गई है। बाहर से आए अश्व पालक अश्वों की प्रजाति, कद-काठी के अनुसार कीमत लगा रहे हैं। मैदान की सड़क के किनारे अश्व वंश से टेन्ट भरने लगे हैं। पशुपालन विभाग की गणना के अनुसार मेला मैदान में पहुंचे 3201 पशुओं में सर्वाधिक 2102 घोड़े व 917 ऊंट पहुंचे हैं। पशु पालन विभाग की चिकित्सा टीमें धोरों में घूमकर व्यवस्थाएं जुटाने में लगे हैं। पिछले दिनों से बढ रही ऊंटों की आवक अब कम हो गई है। धोरों में अश्व वंश की आवक तेजी से बढी है। यह क्रम पुष्कर मेले तक चलेगा। हालांकि फिलहाल पशुपालन विभाग की ओर से अधिकृत रूप से पशुओं की खरीदारी रिकॉर्ड पर नहीं ली गई है लेकिन धोरों में ऊंट पालक खरीदारी करने लगे हैं। मेला मैदान में उज्जैन से आया 600 किलो वजनी, 8 फीट लबा व साढ़े पांच फीट ऊंचा भैंसा आकर्षण का केन्द्र रहा। भैंसा पालक ने पहली बार मेले में आना बताया। पशुपालक ने बताया कि करीब साढ़े तीन वर्ष की उम्र के भैंसे को पालने में रोजाना डेढ हजार रुपये तक की खुराक देनी पड़ती है।

पार्षदों का अनोखा विरोध, प्याज की माला पहनकर जताई किसानों की पीड़ा

अलवर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलवर जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक में सोमवार को अनोखा नजारा देखने को मिला। बैठक में कुछ पार्षद प्याज की माला पहनकर पहुंचे। इन पार्षदों ने प्याज के गिरते दामों पर चिंता जताते हुए कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलना चाहिए, नहीं तो उनकी मेहनत बेकार हो रही है।

बैठक के दौरान कुछ पार्षदों ने अपने गले में प्याज की माला डाली हुई थी, जबकि कुछ ने कटोरा लेकर जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर के सामने यह कहते हुए प्रस्तुत किया कि उन्हें विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं दी जा रही। उन्होंने मांग की कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए बजट में बढ़ोतरी की जाए। पार्षदों के इस अनोखे विरोध ने जिला परिषद में माहौल हल्का-फुल्का बना दिया, लेकिन मुद्दा गंभीर रहा कि किसानों को प्याज के दाम का न्याय कब मिलेगा? हालांकि, बैठक में अपेक्षित पार्षदों की उपस्थिति नहीं होने से कोरम पूरा नहीं हो सका। इस कारण जिला परिषद की बैठक स्थगित करनी पड़ी। अब यह बैठक 7 नवंबर को पुनः आयोजित की जाएगी।

टीना डाबी के शहर में अंतिम संस्कार को लेकर हंगामा

रविंद्र सिंह भाटी ने संभाली कमान तो ऐसे शांत हुए ग्रामीण

बाड़मेर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर में बीती रात कालबेलिया जोगी समाज के युवक की मौत के बाद अंतिम संस्कार को लेकर बड़ा बवाल खड़ा हो गया। इस दौरान परिजनों ने वन विभाग क्षेत्र स्थित श्मशान भूमि पर अंतिम संस्कार करने की कोशिश की, लेकिन अनुमति नहीं मिलने पर लोगों में जमकर आक्रोश फैल गया। आक्रोशित लोगों ने शव को कलेक्टर टीना डाबी के कार्यालय तक ले जाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस और प्रशासन ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान वहां जमकर बवाल हुआ। बाद में शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। साथ ही लोगों को शांत किया। दरअसल, सोमवार को जोगी समाज के एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद परिजन और समाज के लोग वन विभाग की भूमि पर उसका अंतिम संस्कार करना चाहते थे, लेकिन विभाग ने उन्हें रोक दिया। इससे आक्रोशित लोग कलेक्टर के कार्यालय की तरह शव यात्रा ले जाने लगे, तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इधर, मामले की गंभीरता देखते हुए शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी, एडीएम राजेंद्र सिंह चांदावत, एएसपी जस्साराम बॉस, और डीएसपी रमेश कुमार शर्मा मौके पर पहुंचे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। बाद में श्मशान के लिए भूमि आवंटन का आश्वासन दिया, तब जाकर लोगों का गुस्सा शांत हुआ। इस दौरान प्रशासन ने जोगी समाज के लोगों से समझाइश कर काफी प्रयास किया, लेकिन लोग अड़े हुए थे।

राजस्थानी प्रगति समाज का दीपावली सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी समाज की प्राचीनतम संस्था राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा प्रति वर्ष मनाया जाने वाला दीपावली सम्मेलन, आबिड्स रोड स्थित ताजमहल होटल के सभागृह में सम्पन्न हुआ। विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश एम. जैन एवं डॉ.आर.एम. साबू साथ प्रगति समाज के मानद मंत्री गोविन्द राठी, दीपावली सम्मेलन के संयोजक रमेश कुमार बंग एवं उद्योगपति शैलेष अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ दीपावली सम्मेलन का शुभारंभ किया। अध्यक्षता समाज के पूर्व अध्यक्ष डॉ. रामविलास साबू ने की।

राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल किसी कारणवश सम्मेलन में अनुपस्थित रहे। उनकी ओर से उनके सुपुत्र शैलेष अग्रवाल ने सभी उपस्थितजनों को दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित की। गोविन्द राठी ने संस्था की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी देते हुए समाज द्वारा संचालित इमलीबन श्मशान वाटिका का जिक्र किया।

उन्होंने बताया कि वहां बरसों से जीर्ण अवस्था में जो ढांचा था उसको गिरा कर पूर्ण रूपेण वातानुकूलित विश्राम स्थल बनाया गया है। साथ ही स्कूटर पार्किंग हेतु एक विशाल रैम्प का निर्माण भी किया गया है जिससे सेन्ट्रल बस डिपो आने वाले यात्रियों को किसी तरह की असुविधा न हो। इमलीबन में संचालित गौसदन में गौमाता के रख रखाव एवं वातावरण की शुद्धि का विशेष ध्यान रखा जाता है। उन्होंने 1953 से आज तक के राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्षों बंकटलाल बद्रुका, नारायणदास डागा, मुकुन्ददास मालाणी, राधाकिशन जोशी, धनराज अग्रवाल, छगनलाल विजयवर्गीय, रामनिवास शर्मा, श्रीकिशन धूत, बद्रीनारायण राठी, बी.सी. जैन, डॉ. राम विलास साबू, सत्यनारायण गुप्ता, सुरेन्द्र लूणिया, कमलनारायण अग्रवाल, भगवान टंकसाली, रमेशचन्द्र लाहोटी, रामबिलास मोदाणी, कमलनारायण अग्रवाल तथा इनके साथ में मानद मंत्री रहे चुके नारायणदास डागा, सत्यनारायण लोया, श्रीकिशन धूत, बद्रीनारायण राठी, ओंकारलाल बद्रुका, बंकटलाल बद्रुका,

हरिप्रसाद बद्रुका, छगनलाल विजयवर्गीय, बद्रीनारायण राठी, हरिप्रसाद बद्रुका, रामबिलास मोदाणी, छगनलाल विजयवर्गीय, सुरेन्द्र लूणिया, एस.एन. गुप्ता, श्यामसुन्दर मून्दडा, रामेश्वरलाल हेडा, रामबिलास मोदाणी, श्रीकिशन तोषनीवाल, श्यामसुन्दर मून्दड़ा, शकुंतला बंग, रत्नमाला साबू, गोविन्दनारायण राठी द्वारा प्रदत्त महत्वपूर्ण सेवाओं का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि राजस्थानी प्रगति समाज से जुडे प्रत्येक पदाधिकारी ने समाज सेवा को अपना मूल उद्देश्य मानकर प्रगति समाज के माध्यम से समाज सेवा के कार्यों को निरंतरता प्रदान की है। संयोजक रमेश कुमार बंग ने कहा कि विशिष्ट अतिथियों के साथ सभी बन्धुओं एवं मातृशक्ति का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित राजस्थानी प्रगति समाज के पूर्व अध्यक्ष डॉ. रामबिलास साबू ने कहा कि सन् 1953 में राजस्थानी समाज के विभिन्न घटकों जैसे माहेश्वरी, अग्रवाल, राजस्थानी ब्राह्मण आदि को एक मंच लाकर 'राजस्थानी प्रगति समाज' की स्थापना की गई। इसी क्रम में राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा समाज में शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु नगरद्वय में तीन स्थानों सिकन्दराबाद, ईसामियां बाजार एवं बेगम बाजार में 'मारवाड़ी हिन्दी विद्यालय' की स्थापित किए गए। उन्होंने राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा समाज सेवा एवं भारतीय संस्कृति के सरंक्षण प्रदान करने की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष सुरेश एम. जैन ने राजस्थानी प्रगति समाज के द्वारा कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्रदान करने के लिए समाज के पदाधिकारियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि मैं यहां अपने आप को अपनो के बीच महूसूस कर रहा हूं।

विशिष्ट अतिथियों अ.भा. मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष सुरेश एम. जैन, डॉ. रामविलास साबू एवं एक्जीबिशन सोसाइटी के पूर्व मंत्री सुरेन्दर रेड्डी का राजस्थानी परम्परानुसार साफा, शाल एवं स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मान मानद मंत्री गोविन्द नारायण राठी, दीपावली सम्मेलन केसंयोजक रमेश कुमार बंग एवं शैलेष अग्रवाल द्वारा किया गया। डॉ. रामविलास साबू द्वारा ताजमहल होटल के प्रबंधक दिनेश कुमार एवं प्रणव चारी का शाल तथा हार द्वारा सम्मान किया गया। दीपावली सम्मेलन में सोहनलाल कड़ेल, श्यामसुन्दर मून्दडा, नन्दगोपाल भट्टड़, सीए एस.बी. काबरा, डॉ. संदीप साबू, गोवत्स फाउण्डेशन के अध्यक्ष सीए मुरली मनोहर पलोड, कमलनारायण राठी, हरिप्रसाद चाण्डक, शीलकुमार जैन, श्रीमती कलावती जाजू, सीए रामदेव भूतडा, कैलाश मंत्री, रुपेश सोनी, दीपक बंग, अमित लड्डा, विनोद बंग, मुकुन्दलाल बाहेती, महेश बजाज, नरसिंग लोया, सुमन हेडा, लक्ष्मीकांत चाण्डक, प्रेम बजाज, श्यामसुन्दर बाहेती सीए कन्हैयालाल राठी, सीएस द्वारकाप्रसाद असावा, हरिकिशन ओझा, ओमप्रकाश टावरी, उमेन्दर जायसवाल, सुमित राठी, मनोज जायसवाल, गिरधारीलाल डागा, रामदेव नागला आदि बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

शेख रियाज के परिवार के सदस्यों ने टीजीएचआरसी से मुलाकात की

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए शेख रियाज के परिवार के सदस्य (माँ, पत्नी और नाबालिग बच्चे) सोमवार को तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश हुए और शिकायत दर्ज कराई कि उन्हें अपने घर में घुसने नहीं दिया जा रहा है और संबंधित पुलिस अधिकारियों द्वारा उन्हें परेशान, शारीरिक यातनाएं दी जा रही हैं और थर्ड-डिग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। मृतक पुलिस कांस्टेबल, प्रमोद कुमार ने शेख रियाज से 3 लाख रुपये की मांग की थी, जिसमें से 30,000 पहले ही दिए जा चुके थे, और उनके बीच कुछ धोखाधड़ी वाले वित्तीय लेनदेन हुए थे। आयोग ने पहले ही एचआरसी संख्या 6745/2025 के तहत एक अखबार में छपी खबर के आधार पर घटना का स्वतः संज्ञान लिया था और डीजीपी, टीजी को 24 नवंबर तक एक तथ्यात्मक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। नई शिकायत पर विचार करते हुए, आयोग ने स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई आगे बढ़ा दी और डीजीपी को 3 नवंबर तक एक विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। साथ ही, यह भी आदेश दिया कि मृतक शेख रियाज के परिवार के किसी भी सदस्य के विरुद्ध किसी भी प्रकार का कोई बलपूर्वक कदम या उत्पीड़न न उठाया जाए।

चक्रवात मोन्था की तैयारी को लेकर मंत्रियों ने समीक्षा की

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के साथ सोमवार को हैदराबाद में एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की, जिसमें चक्रवात मोन्था के कारण तेलंगाना राज्य में बेमौसम बारिश होने के खतरे को देखते हुए आपातकालीन उपायों के समन्वय हेतु चर्चा की गई। डॉ. मर्री चेन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान में आयोजित इस बैठक में मुख्य सचिव एस. रामकृष्ण राव, कृषि सचिव सुरेंद्र मोहन, नागरिक आपूर्ति आयुक्त स्टीफन रवींद्र और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। जिला कलेक्टर भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए। मंत्रियों ने अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया कि चक्रवात धान खरीद प्रक्रिया को बाधित न करे। उत्तम कुमार रेड्डी ने जोर देकर कहा कि किसानों को किसी भी परिस्थिति में नुकसान नहीं होना चाहिए।

पेंशन राशि जरूरतमंदों के खाते में जमा

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुंदन सिंह चौहान ने एक विज्ञप्ति में बताया कि क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड द्वारा विधवा, वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को पेंशन राशि उनके संबंधित बचत खातों में सीधे जमा करा दी गई है। उन्होंने बताया कि यह कदम हमारे समाज के जरूरतमंद वर्गों को आर्थिक सहयोग प्रदान करने की दिशा में एक और सार्थक प्रयास है। हमें गर्व है कि ट्रस्ट बोर्ड सदैव राजपूत समाज के कल्याण, उत्थान और सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इसी भावना के साथ समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करने और राजपूत समुदाय के लोगों के हित में कार्य किया जाता रहेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

12 राज्यों में ...

हालांकि, जिन राज्यों में इस समय स्थानीय निकाय चुनाव चल रहे हैं या होने वाले हैं, वहां फिलहाल यह प्रक्रिया नहीं होगी, क्योंकि स्थानीय स्तर का प्रशासन चुनावी कामकाज में व्यस्त रहेगा।

हालांकि, अभी तक पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई है, लेकिन अधिकारियों के अनुसार पहले चरण में 10 से 15 राज्य शामिल होंगे। इनमें ऐसे राज्य होंगे, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन राज्यों में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, असम और पुद्दुचेरी शामिल हैं। एसआईआर में मतदाता सूची की संपूर्ण समीक्षा की जाएगी और आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। भारतीय निर्वाचन आयोग ने देशभर में एसआईआर अभियान की तैयारियां की तैयारी में है। ईसी के शीर्ष अधिकारियों ने हाल ही में सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक की है।

दूसरे चरण के एसआईआर के प्रक्रिया की प्रमुख तारीखें :

मुद्रण/प्रशिक्षण- 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2025
घर-घर गणना चरण- 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025
ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन- 9 दिसंबर 2025
दावे और आपत्ति अवधि- 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026
सूचना चरण (सुनवाई और सत्यापन)- 9 दिसंबर 2025 से 31 जनवरी 2026
अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन- 7 फरवरी 2026

दिपावली स्नेह मिलन व सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अम्बरपेट स्थित महाराणा प्रताप फंक्शन हॉल में राजस्थानी राजपूत संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना) संघ के सिरदारों के तत्वावधान में दिपावली स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार 26 अक्टुबर प्रात: 10 बजे

भव्य रूप से आयोजित किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष रतनसिंह शेखावत ने बताया कि संघ के सिरदारों के सानिध्य में दिपावली स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। माँ भवानी की तस्वीर एवं महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यापर्ण, दीप प्रज्वलितकर, आरती के पश्चात् कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। रतनसिंह शेखावत की अध्यक्षता में भामाशाहों ने अतिथियों को मंच पर आमंत्रित कर राजस्थानी परम्परा केसरिया साफा, शॉल, मोतियों की माला व मोमेन्टों से विशेष सम्मान किया।

समाज की प्रतिभा आयुषा कंवर राठौड़ ने समाज में मदिरा पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर संस्कारों व शिक्षा पर समाज को विशेष संदेश दिया। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों व समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का भामाशाहों द्वारा सम्मान किया गया। संस्थापक पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौड़ ने कार्यक्रम में पधारे संघ के सिरदारों को दिपावली की शुभकामनाएं दी। पूर्व अध्यक्ष रामसिंह चौहान ने महाराणा प्रताप की वीरता एवं बलिदान पर बोलते हुए बताया कि आज भी राजपूत समाज किसी से कम नही है। विशेष कर युवा पीढ़ी के शिक्षा, खेल-कूद एवं संस्कारों पर ध्यान देना चाहिए।

समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, को कार्यक्रम के लाभार्थीयों द्वारा विशेष मोमेन्टों से सम्मानित किया गया। भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। महिलाओं के लिए विशेष रजवाड़ी घूमर का सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रेमसिंह राठौड़, रामसिंह चौहान, रतनसिंह शेखावत, मदनसिंह भाटी, वनेसिंह राठौड़, छैलसिंह राठौड़, बलवन्तसिंह महेचा, नीलमसिंह महेचा, गोपालसिंह चौहान, जनकसिंह देवड़ा, गोविन्दसिंह बालावत, मदनसिंह राठौड़, भगवतसिंह बालावत, पेपसिंह भाटी, पूरनसिंह काबावत, खीमसिंह भायल, महेन्द्रसिंह महेचा, बाबूसिंह काबावत, गोपालसिंह जोधा, शैतानसिंह राणावत व सभी भामाशाहों का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन मदनसिंह शेखावत ने किया। अध्यक्ष रतनसिंह शेखावत के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

बालाजी नगर स्थित श्री आईमाता मंदिर में आयोजित दिपावली स्नेह मिलन व भजन कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हिरालाल चोयल, सहसचिव डुंगाराम सोलंकी, कालुराम गेहलोत, नारायणलाल बरपा, महिला अध्यक्षा रुपादेवी सैंणचा व समाज बन्धु।

महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। छठ महापर्व का तीसरा दिन श्रद्धा और आस्था के माहौल में बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। बतुकम्मा घाट आनंदबाग मल्काजगिरी सिकंदराबाद में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। महिलाएं पारंपरिक व्रत धारण कर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना छठ पूजा कार्यक्रम में भारी संख्या पहुंचे। छठ व्रतियों ने पूरी श्रद्धा के साथ भगवान सूर्य का पूजन किया। छठ पूजा घाट पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रामचंद्र राव, मल्काजगिरी के विधायक एम. राजशेखर रेड्डी, प्रख्यात समाजसेवी सीए मधुसूदन अग्रवाल आदि ने पूजा कार्यक्रम में भाग लिया।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 क्रिकेट प्रतियोगिता व महिला वर्ग खेल आरंभ

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के आठवें संस्करण व महिला वर्ग खेल का आज शुभारंभ हुआ। श्री आईमाताजी की तस्वीर पर माल्यापर्ण व महाआरती के पश्चात प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन अलियाबाद स्थित सीरवी क्रिकेट ग्राउण्ड एवं लीजेंड क्रिकेट ग्राउंड कीसरा में किया गया।

फ्रेन्डस क्लब के सुरेश सैणचा ने बताया कि सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 के तहत समाज के विभिन्न क्षेत्रों की 24 टीमों के मध्य टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच रविवार को खेले गये। महिला वर्ग के खेलों में एथेलेटिक्स तथा पारंपरिक खेल दौड़ की प्रतियोगिता संपन्न हुई तथा क्रिकेट प्रतियोगिता में पहले चरण का उद्घाटन मुकाबला अलवाल व कापरा ग्रेट फाइटर के मध्य खेला गया, जिसमें अलवाल 72 रनों से विजयी रही। चेनाराम सीरवी को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ दि मैच से नवाजा गया। दूसरा मैच आईजी फ्रेंड्स क्लब व केसीजी दम्माईगुडा के बीच खेला गया जीसमे आईजी फ्रेंड्स क्लब 4 विकेट विजयी रहीं मुकेश को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। तीसरा मैच बालनगर धूम इलेवन व जुबली हिल्स क्लब के माध्य खेला गया, जिसमें बालनगर की टीम 15 रन से विजयी रही। नितेश पंवार को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। चौथा मैच रामनगर रायल व शंकरपल्ली ब्लास्टर के मध्य खेला गया, जिसमें रामनगर की टीम 23 रन से विजयी रही। मुकेश चौधरी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। पांचवां मैच करमनघाट वारियर व ऑलविन इलेवन के मध्य खेला गया, जिसमें करमनघाट वारियर की टीम 123 रनों से विजयी रही।

चंपालाल काग को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। छठवां मैच शमशाबाद व संगा रेड्डी के मध्य खेला गया, जिसमें शमशाबाद की टीम 38 रनों से विजयी रही।

मधुसुदन सीरवी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। सातवां मैच टी एम जी टाइटंस व माताजी इलेवन के मध्य खेला गया, जिसमें टी एम जी टाइटंस की टीम 92 रनों से विजयी रहीं। चेतन चौधरी मैन ऑफ दि मैच रहे। आठवां मैच सीरवी टाईगर व नाचाराम स्ट्राइकर के मध्य खेला गया, जिसमें की टीम 50 रनों से विजेता रही। तुरुणराज चौधरी मैन ऑफ दि मैच रहे। नौवां सिकंदराबाद क्लब व लिंगम्मपल्ली आर्मी के मध्य खेला गया। जिसमें की टीम 138 रनों से विजेता रही राम चौधरी मैन ऑफ दि मैच रहे। दसवें सैनिकपुरी व सीरवी वायरस जिसमें 39 रनों से सैनिकपुरी की टीम विजयी रही। कमलेश मैन ऑफ दि मैच बने। ग्यारहवां अस्टिक मेडचल व एल बी नगर के माध्य खेला गया। जिसमें अस्टिक मेडचल की टीम 5 विकेट से विजयी रही अर्जुन चौधरी मैन ऑफ दि मैच रहे। सीरवी किंग इलेवन के मध्य से खेला गया। जिसमें सीरवी किंग इलेवन ने 15 रनों से विजयी रही। नरेश सीरवी मैन ऑफ दि मैच रहे। महिला वर्ग एथेलेटिक्स में में सभी वर्ग के खेल आयोजित हुए जिन खिलाड़ियों ने जीत हासिल की उनको सीरवी समाज प्रिमियर लीग 8 के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा।प्रतियोगिता का दूसरा चरण 2 नवंबर रविवार को होंगा।

छठ व्रतियों ने की अस्ताचल सूर्य की पूजा

टैंकबंड बतुकम्मा घाट पर बिहार एसोशिएशन हैदराबाद द्वारा सूर्या के उपासना का पर्व छठ मैय्या को डूबते सूर्यको अर्घ्य देती हुई महिलाएं। अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, हरेराम सिंह, मानवेन्द्र मिश्रा, उत्तम यादव, अशोक कुमार, बी.एन.दास, भरत सिंह, प्रभास कुमार, अमरेश मोरिया, रविशंकर सिंह, हरेराम यादव, विनोद गुप्ता, अरविन्द, दीपक यादव, एसोशिएशन के सदस्यगण व समाज बन्धु।

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवासी उत्तर भारतीयों द्वारा आज लोक महापर्व छठ के अवसर पर अस्ताचल सूर्य देव को अर्घ्य देकर मनोवांछित फल व सुखमय जीवन हेतु प्रार्थना की। बिहार एसोसिएशन महासचिव प्रभास कुमार बताया कि इस बार शहर के 35 से अधिक छठ घाटों पर पूजा का चाक-चौबंद व्यवस्था कराई गई है जिसको केंद्रीय कार्यकारिणी मंडल के द्वारा संचालित किया जा रहा है। एसोसिएशन अध्यक्ष हरे राम सिंह, बिहार फाउंडेशन चैप्टर हैदराबाद के अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्रा एवं उनके टीम के माध्यम से शहर के सभी घाटों पर उत्तम व्यवस्था की गई है। मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि बिहार एसोसिएशन द्वारा चार दिवसीय लोक महापर्व छठ त्योहार आज शहर के सभी तलाब के घाटों पर सायं काल पूजा भव्यता के साथ संपन्न कराया गया। इसमें चिल्ड्रन पार्क टैंकबंड मुख्य घाट हरे राम सिंह, उप्पल घाट- रविशंकर सिंह, अशोक प्रसाद सिंह, दिलीप कुमार, नागौल घाट- अमरेश कुमार मौर्य, शमीरपेट घाट- दिपक पंडा, मनोज कुमार, हसमतपेट घाट- उत्तम यादव, हरे राम यादव, दीपक यादव, जलविहार- अजय ओझा एवं रितेश सिंह, शमशाबाद घाट- नंदलाल चौहान एवं संजय कुमार यादव, मियांपुर घाट- प्रेम शंकर सिंह, सुराराम घाट- दिनेश सिंह, जीड़िमेटला घाट सौरव सिंह। बोलाराम घाट- अखिलेश सिंह अमीनपुर छठ घाट- गोपाल शाह थे। छठ घाटों पर श्रद्धालुओं ने छठ व्रतियों को नमन कर आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ अपने आराध्य देव से संसार में शांति हेतु कामना की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in द्वारा) PUB/1347

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीइ/सी।।।/एससी कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन, दक्षिण मध्य रेलवे- दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, एनआयटी नं. 27-सीएओ-सी-एससी-2025, दि.17-10-2025, कार्य विवरणः एससीआर कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशनः तिरुपति-पाकाला-काटपाडी डबलिंग (104.39 किमी) लाइन कार्यो हेतु लैण्ड एक्वीजीशन गतिविधियों का फैसिलिटेशन। विवरणः अनुमानित लागतः रु. 83,36,273.17, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.1,66,700.00, पूरा करने की अवधिः 06 (छह) महिने, खोलने की तिथिः 12-11-2025 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in पर लागिन करें।

निविदाकार, अपने आफर्स को निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पहले, जो पंद्रह दिन भीतर प्रस्तुत करना चाहिए।

निविदाकार किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं.38-2025,दि.24-10-2025 PUB/1348

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय अभियंता/को-आर्ड/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

बंद करने की तिथि व समयः 21-11-2025 के 15.00 बजे

क्रम सं.1, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-1973, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन- दो (02) वर्ष की अवधि हेतु प्राइवेट एजेंसी (कैन्स/टैंकर्स/ट्रैक्टर्स) के माध्यम से एसआर. डीइएन/साउथ/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत गैन्ग स्टाफ एवं कालोनियों में पानी की आपूर्ति। विज्ञापित मूल्य रू. 90,65,220.00, बोली सुरक्षा जमा राशि रु.1,81,300.00

क्रम सं.2, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-1974, कार्य विवरणः - टीपीटीवाय-टीसीएनआर के बीच 90/1किमी से 91/32 किमी पर स्टैबलिंग लाइन्स हेतु एप्रोच रोड का प्रावधान एवं बाउण्डरी वाल का सुधार कार्य। विज्ञापित मूल्य रू.3,20,49,619.22, बोली सुरक्षा जमा राशि रु.3,10,300.00

क्रम सं.3, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-1975, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू ।- पिलेरः मौजूदा एफओबी हेतु 2 लिफ्ट्स का प्रावधान। एसडब्ल्यू ।।- कदिरीः मौजूदा एफओबी हेतु 2 लिफ्ट्स का प्रावधान विज्ञापित मूल्य रू.99,78,832.39, बोली सुरक्षा जमा राशि रु.1,99,600.00

क्रम सं.4, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-को-आर्ड-1976, कार्य विवरणः गुंटकलः 12 महिनों की अवधि हेतु एडीइएन/एसडब्ल्यू/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत लान्स/बगीचों/श्रब्ज, हेजेस का रखरखाव। विभिन्न स्थानों पर प्रदत्त नर्सरी प्लांट्स या पौधों, वृक्षारोपण या ट्री प्लांटेशन का तत्संबंधित कार्य तथा तत्संबंधित कार्य सहित अवकाशों या वेकेशन्स जैसे पर्यावरणीय -ए डे-दिन, उच्चस्तरीय पदाधिकारियों का निरीक्षण के दौरान पौधारोपण या प्लांटेशन, सूखे या ड्राइड /मृत पौधों या डेड प्लांट्स आदि का प्रतिस्थापन कार्य। एसएसइ /डब्ल्यू/दक्षिण) तथा (एसएसइ /डब्ल्यू/उत्तर)। विज्ञापित मूल्य रू.1,38,46,520.02, बोली सुरक्षा जमा राशि रु.2,19,200.00

क्रम सं.5, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-उत्तर-1977, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-दो (02) वर्ष की अवधि हेतु प्राइवेट एजेंसी (कैन्स/टैंकर्स/ट्रैक्टर्स) के माध्यम से एसआर. डीइएन/नार्थ/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत गैन्ग स्टाफ एवं कालोनियों में पानी की आपूर्ति। विज्ञापित मूल्य रू.81,97,625.50, बोली सुरक्षा जमा राशि रु.1,64,000.00

किसी भी शुध्दिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

संख्याः जी/डब्ल्यू.496/टीसी/ई-नोटिस-38-2025 दि.24-10-2025

-विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/गुंटकल

निविदा सूचना सं.17-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2025-26, दि.24-10-2025 PUB/1349

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, सीडब्ल्यूएम/एलजीडीएस द्वारा तत्संबंधित निविदा सं.17-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2025-26 के प्रति, बंद तिथि 15-11-2025 के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। ठेकेदारों या कान्ट्रैक्टर्स को इस बात की अनुमति दी जाती है कि, वे, इस निविदा की निविदा दस्तावेज मूल्य व पूर्व धरोहर राशि-पूधरा का भुगतान केवल आनलाइन पर आईआरइपीएस पोर्टल पर उपलब्ध आनलाइन पेमेंट पध्दतियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ही करें। मैन्युएल पेमेंट्स डिमांड ड्राफ्ट्स, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रिसीप्ट्स,एफडीआर के रूप में अमान्य हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं.17-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2025-26, दि.24-10-2025, कार्य विवरणः/बीजी कोचेस का एआरटी/एआऱएमइ में कनवर्शन या रुपांतरण, अनुमानित मूल्य रु.1,00,53,105.29 (केवल रु.एक करोड तिरपन हजार एकसौ पांच व उन्तीस पैसे), पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,00,300.00 (रु.दो लाख व तीन सौ मात्र), पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 15-11-2025 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणःwww.ireps.gov.in
निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद -500017

निविदा शर्ते अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजों मे उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्रों हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

चीफ वर्कशाप मैनेजर/सीडब्ल्यूएस/ लालागुडा/ सिकंदराबाद -

एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू-।।।/निविदा सूचना/जीएस/2025-26, दि.23-10-2025 PUB/1350

निम्न कार्य हेतु खुली निविदा प्रदर्शित की गयी है तथा निविदा के विवरण को पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं.1, निविदा सं. टी-202526-जीएस-04, प्राधिकरणः डीवाय. सीइ/जीएस/एनइडी, विज्ञापित निविदा मूल्य रू.28,10,21,666.49, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.15,55,100.00, पूरा करने की अवधिः (15) पंद्रह महिने, कार्य विवरणः करमड (केएमवी) स्टेशन पर नई गूड्स लोडिंग/अनलोडिंग सुविधाओं का विकास करना। निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

क्रम सं.1, निविदा सं. टी-202526-जीएस-04, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु. 50 लाख मूल्य से अधिक) -इनफर्मेशन रिलेटेड एर्थवर्क या मिट्टी के कार्य का निष्पादन तथा किसी भी प्रकार के पुलों के कार्य से निहित कोई भी सिविल इंजीनियरींग कार्य।

उपरोक्त निविदा दि.18-11-2025 के 15.00 बजे बंद होगी।

उप मुख्य अभियंता/जीएस/नांदेड

A1698

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी एवम् निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्सः http://www.ireps.gov.in अथवा www,scr.indianrailways.gov.in देखें।

श्रेयर अय्यर को पसली में चोट के बाद इंटरनल ब्लीडिंग

सिडनी के अस्पताल में आईसीयू में भर्ती; ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में चोटिल हुए थे

सिडनी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सिडनी के अस्पताल में भर्ती किया गया है और उन्हें आईसीयू में रखा गया है। अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के दौरान लगी पसलियों की चोट के बाद आईसीयू में भर्ती कराया गया।

मैच में अय्यर ने एलेक्स कैरी का शानदार कैच पकड़ने के लिए पीछे की ओर दौड़ लगाई थी। कैच तो उन्होंने पकड़ लिया, लेकिन इसी दौरान उनकी बाईं पसली में चोट लग गई। ड्रेसिंग रूम लौटने के बाद उन्हें तेज दर्द और असहजता महसूस हुई, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, अय्यर को आंतरिक रक्तस्राव हुई है और इसलिए उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है।

एक सूत्र ने बताया कि श्रेयस पिछले दो दिनों से आईसीयू में हैं। जांच के बाद पता चला कि अंदरूनी खून बह रहा था, इसलिए उन्हें तुरंत भर्ती करना पड़ा। उन्हें 2 से 7 दिन तक निगरानी में रखा जाएगा, ताकि संक्रमण न फैले।

चोटिल श्रेयर अय्यर की वापसी में लगेगा समय

अय्यर की पसलियां टूटने के बाद उनकी वापसी में अभी समय लगेगा। सूत्र ने बताया कि श्रेयस को इंटरनल ब्लीडिंग हो रही है, जिसकी वजह से उन्हें रिकवर होने में ज्यादा समय लगेगा। कभी ये कहना मुश्किल है कि वह कब तक क्रिकेट के मैदान पर वापसी करेंगे। बता दें कि श्रेयस को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम के लिए उपकप्तान के लिए चुना गया था, जहां शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया को सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

पहले वनडे मैच में खराब प्रदर्शन के बाद अय्यर ने दूसरे वनडे में एडिलेड में कमबैक किया था और अर्धशतकीय पारी खेली थी, लेकिन टीम को फिर भी दूसरे वनडे में हार का सामना करना पड़ा। तीसरे और आखिरी वनडे मैच में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को 9 विकेट से हराया। उस मैच में अय्यर को बैटिंग करने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने मैच विनिंग पारियां खेली और टीम को जीत दिलाई।

तीसरे वनडे मैच के दौरान हुए थे चोटिल

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच जो कि सिडनी में खेला गया था, उस मैच में श्रेयस अय्यर इंजर्ड हो गए थे। कंगारू टीम ने 33.3 ओवर के खेल तक 3 विकेट के नुकसान पर 184 रन बना लिए थे।

इस बीच हर्षित राणा के ओवर की चौथी गेंद पर इनसाइट आउट शॉट खेलने की कोशिश में एलेक्स कैरी ने गेंद को मिस टाइम कर दिया। उस दौरान श्रेयस बैकवर्ड प्वाइंट पर फील्डिंग कर रहे थे और उन्होंने चीते जैसी फुर्ती दिखाई और पीछे की ओर दौड़ लगाकर शानदार कैच लपका। हालांकि, इस दौरान वह कंट्रोल में नजर नहीं आए और उनका बैलेंस डिसबैलेंस हुआ। वे गेंद पकड़ने के बाद दो-तीन पलटी खा गए और इस दौरान उनकी बाईं पसलियां टूट गई।

करुण नायर टेस्ट टीम से बाहर होने पर निराश

बोले- मैं इससे ज्यादा बेहतर का हकदार था, रणजी में जड़े 174 रन

बेंगलुरु, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के स्टार करुण नायर ने टेस्ट टीम और भारत ए टीम से बाहर किए जाने के बाद चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर पर भड़ास निकाली है। कर्नाटक के इस बल्लेबाज ने भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज में 8 साल के बाद खेल के सबसे लंबे फॉर्मेट में वापसी की थी, लेकिन उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, जिसके चलते उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। रणजी ट्रॉफी 2025-26 के दूसरे राउंड के मैच में कर्नाटक बनाम गोवा में नाबाद 174 रनों की पारी खेलने के बाद नायर ने कहा कि मैं भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से निराश हूं और मैं कहीं बेहतर हकदार हूं।

मुझे पता है कि मैं टीम में जगह पाने का हकदार हूं- नायर

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, करुण नायर ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद वह राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से निराश हैं। नायर को टेस्ट टीम में वापसी के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी और उन्होंने घरेलू टूर्नामेंटों में सभी क्रिकेट फॉर्मेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। कर्नाटक के इस बल्लेबाज ने कहा कि चयनकर्ताओं की अपनी राय हो सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं कहीं बेहतर हूं।

नायर ने कहा कि ये काफी निराशाजनक है, लेकिन मुझे पता है कि पिछले दो साल के प्रदर्शन के बाद मैं इस पद पर बने रहने का हकदार हूं। लोगों की अपनी राय हो सकती है, लेकिन निजी तौर पर मेरी राय है कि मैं इससे कहीं बेहतर का हकदार हूं। ज्ञात हो कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में नायर को अच्छी शुरुआत मिली। उन्होंने 20-30 रन बनाए, लेकिन वह कभी भी उसका फायदा नहीं उठा पाए। उनका एकमात्र अर्धशतक पांचवें टेस्ट में आया, लेकिन यह उन्हें टेस्ट टीम में बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं था।

घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड

बता दें कि करुण नायर ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में छह पारियों में 42.50 की औसत से रन बनाए और फिर विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार चार शतक जड़े और 389.50 का शानदार औसत बनाया। नायर ने रणजी ट्रॉफी में भी अपनी फॉर्म जारी रखी और 16 पारियों में 53.94 की औसत से रन बनाए। 8 साल के लंबे इंतजार के बाद इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उनकी वापसी हुई, लेकिन यहीं पर सब खत्म भी हो गया।

अनाहत सिंह कनाडा ओपन स्क्वाश के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

फ्रांस की खिलाड़ी को दी मात

टोरंटो, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। गत राष्ट्रीय चैंपियन अनाहत सिंह ने विश्व की 20वें नंबर की खिलाड़ी फ्रांस की मेलिसा एलव्स को हराकर कनाडा ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। दिल्ली की इस 17 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। विश्व की 43वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने छठी वरीयता प्राप्त मेलिसा को 41 मिनट तक चले मुकाबले में 12-10, 12-10, 8-11, 11-2 से हराया।

अनाहत का अब क्वार्टर फाइनल में सामना दूसरी वरीयता प्राप्त बेल्जियम की टिने गिलिस से होगा। अनाहत की नजरें इस दौरान सेमीफाइनल में पहुंचने पर टिकी होंगी। इस बीच टोरंटो एथलेटिक क्लब ओपन में छठी वरीयता प्राप्त वीर चोटरानी इंग्लैंड के पेरी मलिक से हार कर बाहर हो गए। मलिक ने 11-7, 11-5, 9-11, 5-11, 11-5 से जीत हासिल की।

भारत के खिलाफ पहले टी-20 में जम्पा की जगह संघा

29 अक्टूबर को कैनबरा में पहला मुकाबला

सिडनी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बहुप्रतीक्षित पांच मैचों की टी20 सीरीज 29 अक्टूबर को मनुका ओवल में शुरू होने जा रही है। वनडे सीरीज के बाद अब दोनों टीमें छोटे फॉर्मेट में अपनी ताकत आजमाने को तैयार हैं। हालांकि, इस रोमांचक मुकाबले से पहले ही ऑस्ट्रेलियाई टीम को एक बड़ा झटका लगा है। उनके प्रमुख लेग स्पिनर एडम जाम्पा निजी कारणों के चलते सीरीज के पहले मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे और इस अप्रत्याशित बदलाव के कारण, युवा लेग स्पिनर तनवीर संघा को ऑस्ट्रेलियाई टी20 स्क्वाड में शामिल किया गया है, जिससे टीम की स्पिन गेंदबाजी इकाई में एक नया चेहरा देखने को मिलेगा।

एडम जाम्पा जल्द ही पिता बनने वाले हैं, और इसी निजी वजह से उन्होंने पहले टी20 मुकाबले से अपना नाम वापस ले लिया है। जाम्पा हाल ही में समाप्त हुई वनडे सीरीज में शानदार फॉर्म में थे, जहां उन्होंने महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और अपनी टीम के लिए मैच विजेता प्रदर्शन किया। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिनके नाम 131 विकेट दर्ज हैं। उनकी अनुपस्थिति निश्चित रूप से ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए एक बड़ा नुकसान है, खासकर तब जब टीम भारत जैसी मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप का सामना कर रही है। उनकी गैरमौजूदगी से मिडिल ओवर्स में विकेट लेने की क्षमता और रन गति पर अंकुश लगाने की रणनीति प्रभावित हो सकती है। एडम जाम्पा की जगह टीम में शामिल किए गए तनवीर संघा के लिए यह एक सुनहरा अवसर है और युवा लेग स्पिनर तनवीर संघा ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई-ए टीम के लिए भारत-ए के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके अलावा, उन्होंने घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट वनडे कप में भी अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया है और तनवीर ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक 7 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने कुल 10 विकेट हासिल किए हैं। उनके पास बिग बैश लीग (BBL) में सिडनी थंडर की तरफ से खेलने का भी अनुभव है, जो उन्हें भारत के खिलाफ इस हाई-प्रेशर सीरीज में मदद कर सकता है। उनकी विविधतापूर्ण गेंदबाजी और आत्मविश्वास ऑस्ट्रेलिया के लिए अहम साबित हो सकते हैं। यह केवल जाम्पा का मामला नहीं है; ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के ठीक बाद ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ प्रतिष्ठित एशेज टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसी वजह से टीम के कई प्रमुख खिलाड़ी एशेज की तैयारी में लगे हुए हैं। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड शुरुआती दो टी20 मैचों में तो खेलेंगे, लेकिन इसके बाद वह टीम से हट जाएंगे और इसी तरह, सीन एबॉट भी तीसरे टी20आई के बाद ऑस्ट्रेलियाई स्क्वाड से बाहर हो जाएंगे। इन बदलावों के कारण ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपनी बेंच स्ट्रेंथ और युवा प्रतिभाओं पर अधिक निर्भर रहना पड़ रहा है।

सिंधु इस साल अब कोई टूर्नामेंट नहीं खेलेंगी

इंजरी हर प्लेयर की जर्नी का हिस्सा; पैर की चोट से रिकवरी कर रहीं

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू मौजूदा सत्र में अब किसी बीडब्ल्यूएफ टूर टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी। सिंधू ने यह फैसला पैर में लगी चोट से उबरने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए लिया है। सिंधू ने यूरोपीय चरण से पहले यह निर्णय लिया है। हैदराबाद की 30 वर्षीय शटलर ने कहा कि यह फैसला उनकी सहयोगी टीम और चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श करने के बाद लिया गया। इन चिकित्सा विशेषज्ञों में प्रसिद्ध खेल हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला भी शामिल हैं।

सिंधू ने कहा, अपनी टीम के साथ विचार विमर्श करने और डॉक्टर पारदीवाला से सलाह लेने के बाद हमने महसूस किया कि मेरे लिए 2025 में शेष सभी बीडब्ल्यूएफ टूर प्रतियोगिताओं से हटना सबसे अच्छा होगा। यूरोपीय चरण से पहले मेरे पैर में जो चोट लगी थी वह अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है। चोट लगना किसी भी खिलाड़ी के करियर का अहम हिस्सा होता है हालांकि इसे स्वीकार करना आसान नहीं होता है। इस तरह की परिस्थितियां आपके धैर्य की परीक्षा लेती हैं और आपको मजबूत होकर वापसी करने के लिए प्रेरित भी करती हैं।

पिछले साल पेरिस ओलंपिक में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद यह साल भी सिंधू के लिए अच्छा नहीं रहा। वह कई प्रतियोगिताओं के पहले दौर में बाहर हो गई और इस दौरान एक भी खिताब नहीं जीत सकीं।

भारोत्तोलक प्रीतिस्मिता ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

युवा एशियाई खेलों में जीता स्वर्ण पदक

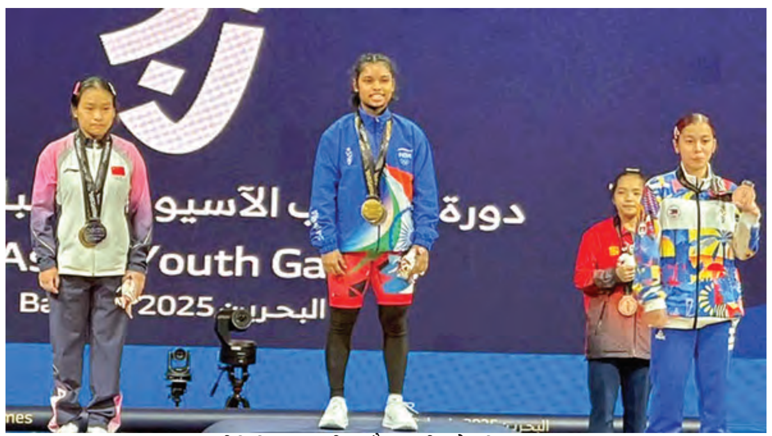

मनामा, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय भारोत्तोलक प्रीतिस्मिता भोई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई यूथ खेलों में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने इन खेलों में देश को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया है। प्रीतिस्मिता ने क्लीन एंड जर्क और कुल वजन में यूथ का विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 44 किलो भार वर्ग में 158 किलो वजन उठाते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने स्नैच में 66 और और क्लीन एंड जर्क में 92 किलो वजन उठाया। राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली प्रीतिस्मिता ने 150 किलो वजन उठाया।

प्रीतिस्मिता की स्नैच की दो लिफ्ट अगर विफल नहीं हुई होतीं तो उनका कुल वजन ज्यादा होता। स्नैच में वह पहली ही लिफ्ट में सफल हो सकीं, उन्होंने इसकी भरपाई क्लीन एंड जर्क में पूरी कर ली और 87, 90 और 92 की तीन लिफ्ट उठाईं।

दो वर्ष की आयु में पिता को खोया, मां ने दिया साथ

मोदीनगर में भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षक विजय शर्मा के संरक्षण में तैयारियां कर रहीं प्रीतिस्मिता जब दो वर्ष की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था। उनका और उनकी बड़ी बहन का लालन-पालन उनकी मां ने किया। दोनों एथलेटिक्स करती थीं। वेटलिफ्टिंग कोच गोपाल दास ने दोनों को मां से वेटलिफ्टिंग में उतारने का अनुरोध किया। मां तैयार नहीं थीं, लेकिन कोच के समझाने पर वह राजी हुईं। प्रीतिस्मिता बीते वर्ष 40 भार वर्ग में विश्व यूथ चैंपियनशिप में भी स्वर्ण जीत चुकी हैं।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

शाइना और दीक्षा ने स्वर्ण पदक जीते

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। शाइना मणिमुथु और दीक्षा सुधाकर ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीते जिससे भारत बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप में अपना अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहा। अंडर-15 बालिका एकल फाइनल में शाइना ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से हराया, जबकि दीक्षा ने हमवतन लक्ष्य राजेश को 21-16, 21-9 से हराकर अंडर-17 बालिका एकल का खिताब जीता।

इस तरह से भारतीय दल ने दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदकों के साथ महाद्वीपीय स्पर्धा का समापन किया जो चैंपियनशिप में उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत ने पिछली बार 2013 में दो स्वर्ण पदक जीते थे। तब सिरिल वर्मा ने अंडर-15 लड़कों का एकल खिताब और चिराग शेट्टी और एमआर अर्जुन ने अंडर-17 लड़कों का युगल खिताब जीता था। शाइना अंडर-15 वर्ग का खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय महिला एकल खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने पहले गेम में तोमिता पर दबदबा बनाया और फिर दूसरे गेम में जापान की खिलाड़ी की कड़ी चुनौती से पार पाते हुए मैच 44 मिनट में जीत लिया। दीक्षा 27 मिनट तक चले फाइनल में अपना दबदबा कायम रखते हुए अंडर-17 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला एकल खिलाड़ी बनीं। जगशेर सिंह खंगगुरा तथा जंगजीत सिंह काजला और जननिका रमेश की मिश्रित युगल जोड़ी ने शनिवार को कांस्य पदक जीता था।

क्लच शतरंज चैंपियंस में हिस्सा लेंगे भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश, सामने होगी कड़ी चुनौती

सेंट लुईस, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर विश्व चैंपियन डी गुकेश को शुरू हो रहे 412000 डॉलर इनामी क्लच शतरंज चैंपियन मुकाबले में अब तक की सबसे कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। यूरोपियन क्लब कप में अपनी टीम सुपर चेस को शानदार जीत दिलाने के बाद इस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अमेरिका पहुंचने वाले गुकेश को अगर जीत हासिल करनी है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा क्योंकि विश्व रैंकिंग में पहले तीन स्थान पर काबिज खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन का ब्रेक हाल ही में पिता बनने के बाद समाप्त हो गया है और वह खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। उनके अलावा अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारूआना जैसे दमदार खिलाड़ी भी 18 गेम तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में चैंपियन बनने के दावेदारों में शामिल हैं। एक पखवाड़े के भीतर क्लच शतरंज के दूसरे टूर्नामेंट में बड़ी पुरस्कार राशि गांव पर लगी है। इसके विजेता को 120000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि मिलेगी।

पैट कमिंस बाहर, एशेज के पहले टेस्ट में स्टीव स्मिथ होंगे ऑस्ट्रेलिया के कप्तान

पर्थ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। पर्थ में खेले जाने वाले एशेज के पहले टेस्ट से पैट कमिंस बाहर हो गए हैं. कमिंस ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम के कप्तान थे. ऐसे में उनकी गैर-मौजूदगी में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एशेज के पहले टेस्ट में अब स्टीव स्मिथ कप्तानी करते दिखेंगे. पर्थ में होने वाले पहले एशेज टेस्ट से कमिंस के बाहर होने की जानकारी देते हुए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि उन्होंने दौड़ना शुरू कर दिया है. मगर अभी तक गेंदबाजी का अभ्यास शुरू नहीं किया है.

एशेज के पहले टेस्ट से कमिंस बाहर

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक एशेज सीरीज के शुरू होने में अब महीने भर से भी कम वक्त बचा है.

और, कमिंस अभी भी अपनी बैक इंजरी से रिकवर हो रहे हैं. उन्हें अभी गेंदबाजी शुरू करने में कम से कम 4 हफ्ते का वक्त और लगेगा. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के इस बयान के बाद साफ हो गया कि कमिंस, एशेज सीरीज के पहले टेस्ट का हिस्सा नहीं होंगे.

दूसरे एशेज टेस्ट से हो सकती है कमिंस की वापसी

एशेज सीरीज का आगाज 21 नवंबर से हो रहा है, जिसका पहला टेस्ट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पर्थ में खेला जाना है.

अब चूंकि कमिंस को कम से कम 4 हफ्ते गेंदबाजी शुरू करने में और लगेंगे तो ऐसे में एशेज के दूसरे टेस्ट से कमिंस के कमबैक की उम्मीद जताई जा रही है. एशेज का दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ब्रिसबेन में खेला जाना है.

एशेज सीरीज के बाकी 3 टेस्ट एडिलेड, मेलबर्न और सिडनी में खेला जाएगा. एडिलेड में तीसरा एशेज टेस्ट 17 दिसंबर से शुरू होगा. वहीं 26 दिसंबरे से मेलबर्न में होने वाला एशेज का चौथा मैच, बॉक्सिंग डे टेस्ट होगा. 5 और आखिरी एशेज टेस्ट नए साल में खेला जाएगा, जिसकी शुरुआत 4 जनवरी से होगी.

स्मिथ कप्तान, ये गेंदबाज ले सकता है कमिंस की जगह

पैट कमिंस के बाहर होने के बाद स्टीव स्मिथ तो इंग्लैंड के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट में कप्तान होंगे. वहीं ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग इलेवन में कमिंस की जगह स्कॉट बोलैंड लेते दिख सकते हैं, जिनका गेंद के साथ घरेलू टेस्ट में औसत 12.63 का रहा है.

सरकार का लक्ष्य लोगों को जान-माल के नुकसान से बचाना है : मुख्यमंत्री नायुडू

हर घंटे चक्रवात बुलेटिन जारी किए जाएं

अमरावती, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने अधिकारियों को चक्रवात 'मोंथा' और उसके प्रभाव के बारे में जानकारी का वास्तविक समय पर प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। सोमवार को सचिवालय स्थित आरटीजीएस केंद्र में तैयारियों की समीक्षा करते हुए, उन्होंने निर्देश दिया कि जनता को सूचित रखने के लिए मंगलवार सुबह से हर घंटे चक्रवात बुलेटिन जारी किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता जान-माल के किसी भी नुकसान को रोकना है। उन्होंने संचार नेटवर्क को मजबूत करने के लिए सैटेलाइट फोन और अस्थायी मोबाइल टावरों के उपयोग का निर्देश दिया और सभी 2,707 प्रभावित गांवों और वार्ड सचिवालयों में निर्बाध सूचना प्रवाह का आदेश दिया। नायुडू ने कहा कि 110 मंडलों में बिजली बैकअप के लिए 3,211 जनरेटर की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा, चक्रवात से किसी को भी दुर्घटना या जान नहीं गंवानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि तटीय निवासियों को पुनर्वास केंद्रों में स्थानांतरित किया जाए और उन्हें प्रति परिवार 25 किलो चावल सहित आवश्यक आपूर्ति प्रदान की जाए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिति की जानकारी लेने के लिए उन्हें फोन किया था और मंत्री नारा लोकेश सहायता उपायों के संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ समन्वय करेंगे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि चक्रवात मोंथा, जो वर्तमान में 680 किलोमीटर दूर है और 16 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ रहा है, मंगलवार रात को तट पर पहुंचने की उम्मीद है। कृष्णा, गुंटूर, बापटला, एनटीआर, पालनाडु और पश्चिम गोदावरी जिलों में भारी बारिश की संभावना है, जिसके कारण शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। समुद्र में मौजूद मछुआरों को पहले ही सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। नायुडू ने निर्देश दिया कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें, अग्निशमन सेवाएं और पंचायत राज, सड़क एवं भवन निर्माण, तथा बिजली सहित प्रमुख विभाग पूरी तरह से अलर्ट पर रहें। उन्होंने क्षति के बाद सड़कों, बिजली के खंभों और अन्य बुनियादी ढांचे की तत्काल बहाली पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने चक्रवात के बाद बीमारी फैलने से रोकने के लिए सख्त स्वच्छता उपाय करने और 108 और 104 चिकित्सा वाहनों को चालू रखने का भी आह्वान किया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सर्प-विष रोधी और रेबीज रोधी टीके उपलब्ध कराए जाएं और फसलों को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए पर्याप्त तिरपाल उपलब्ध कराए जाएं। अधिकारियों ने बताया कि राहत कार्यों के लिए 851 जेसीबी और 757 पावर टिलर तैयार कर लिए गए हैं। नायुडू ने कहा कि चक्रवात के बाद उपकरणों के इस्तेमाल का ऑडिट किया जाएगा और जल प्रवाह को सुचारू बनाने के लिए नालियों को मजबूत करने के आदेश दिए।

चिरंजीवी की शिकायत पर अश्लील वीडियो मामले में केस दर्ज

डीपफेक वीडियो से छवि को हुआ नुकसान, पुलिस ने शुरू की जांच

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टॉलीवुड सुपरस्टार और पूर्व केंद्रीय मंत्री कोनिडेला चिरंजीवी की शिकायत के बाद हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने कुछ वेबसाइटों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। इन वेबसाइटों पर चिरंजीवी के नाम और छवि का इस्तेमाल करते हुए एआई-जनरेटेड और मॉर्फ्ड अश्लील वीडियो प्रकाशित किए गए थे। पुलिस ने मामला आईटी अधिनियम की धारा 67 और 67ए, भारतीय न्याय संहिता की धारा 79, 294, 296 और 336(4), तथा महिलाओं का अशिष्ट चित्रण (निषेध) अधिनियम, 1986 की धाराओं के तहत दर्ज किया है।

चिरंजीवी ने शिकायत में कहा कि इन वेबसाइटों ने उनके चेहरे की विशेषताओं और व्यक्तित्व का दुरुपयोग करते हुए फर्जी वीडियो बनाए हैं, जिनमें उन्हें "मीनाक्षी' नामक व्यक्ति और अन्य के साथ अश्लील दृश्यों में दिखाया गया है।

उन्होंने कहा, ये वीडियो पूरी तरह से मनगढ़ंत हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए बनाए गए हैं। यह मेरे सम्मान और निजता पर हमला है।

अभिनेता ने मांग की कि इन वेबसाइटों और उनसे जुड़े सभी व्यक्तियों व संस्थाओं के खिलाफ तत्काल आपराधिक और तकनीकी जांच की जाए। उन्होंने ऐसे सभी वीडियो को इंटरनेट से तुरंत हटाने और ब्लॉक करने का आग्रह किया। चिरंजीवी ने अपनी शिकायत में कहा कि उन्होंने दशकों की कड़ी मेहनत, ईमानदारी और परोपकार के ज़रिए अपनी साख बनाई है। उन्होंने कहा, मेरे फ़िल्मी और सामाजिक कार्यों ने मुझे सम्मान और विश्वास दिलाया है। लेकिन इन एआई-जनरेटेड अश्लील वीडियो ने मेरी प्रतिष्ठा को गहरा आघात पहुँचाया है।

उन्होंने कहा कि यह कृत्य न केवल सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम का गंभीर उल्लंघन है बल्कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित उनके निजता और सम्मान के अधिकार का भी हनन है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायत की जांच शुरू कर दी गई है और संबंधित वेबसाइटों की डिजिटल फोरेंसिक ट्रेसिंग की जाएगी, ताकि इस आपत्तिजनक सामग्री को फैलाने वालों का पता लगाया जा सके।

विधायक येन्नम श्रीनिवास रेड्डी ने फिर अपनी ही सरकार पर साधा निशाना

फंड की कमी और बढ़ते कर्ज़ को लेकर कांग्रेस विधायकों में नाराज़गी बढ़ी

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबनगर के विधायक येन्नम श्रीनिवास रेड्डी ने एक बार फिर कांग्रेस सरकार की वित्तीय नीतियों की आलोचना करते हुए कहा है कि राज्य में बढ़ते कर्ज़ और फंड की कमी के कारण विधायक अपने क्षेत्रों में विकास कार्य नहीं करा पा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि कई विधायक अब गांवों का दौरा करने से भी कतराने लगे हैं, क्योंकि लोगों की छोटी-छोटी मांगें भी पूरी नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने कहा, जब हम गाँवों का दौरा करते हैं, तो लोग एक-दो लाख रुपये के छोटे कामों की अपील करते हैं, लेकिन हमारे पास मंज़ूरी के लिए भी धन नहीं होता।

विधायक ने कहा कि कई बार ये मुद्दे उठाए जाने के बावजूद मंत्री इन पर चर्चा नहीं कर रहे हैं और न ही कोई समाधान पेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विधायक अब केवल शादियों और सामाजिक समारोहों में शामिल होने तक सीमित रह गए हैं, क्योंकि विकास कार्यों को लेकर वे कुछ नहीं कर पा रहे। श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि अधिकारी भी परियोजनाओं को लेकर विधायक के निर्देशों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

उन्होंने तंज कसा कि अब विधायक घोषणा करने की या अधिकारियों को आदेश देने की भी हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि श्रीनिवास रेड्डी मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के गृह ज़िले महबूबनगर से आते हैं। यह दूसरी बार है जब उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपनी ही सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं।

पिछले महीने भी उन्होंने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए सालाना 25 करोड़ रुपये फंड देने की मांग की थी और आरोप लगाया था कि राज्य सरकार कल्याणकारी कार्यक्रमों और बड़ी परियोजनाओं पर तो खर्च कर रही है, लेकिन स्थानीय ज़रूरतों के लिए बजट का 10 प्रतिशत भी नहीं दे रही। उनकी इस मांग का समर्थन जादचेरला विधायक जे. अनिरुद्ध रेड्डी और मुनुगोड़े विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने भी किया है। फंड आवंटन और ऋण प्रबंधन को लेकर कांग्रेस विधायकों में बढ़ती असहमति ने पार्टी के भीतर नए राजनीतिक तनाव को जन्म दे दिया है।

छात्रा की मौत पर केटीआर ने जताया दुख

बीआरएस नेता बोले - कांग्रेस सरकार की लापरवाही शर्मनाक

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने वंगारा स्थित सरकारी गुरुकुल स्कूल की दसवीं कक्षा की छात्रा वर्षिता की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए इसे हृदयविदारक और शर्मनाक बताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना जताई और कहा कि यह घटना कांग्रेस सरकार की उदासीनता को उजागर करती है।

वर्षिता, जो स्कूल की टॉपर और कैप्टन थी, को हाल ही में ज़िला कलेक्टर ने सम्मानित किया था। उसने कथित तौर पर अपने माता-पिता को प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल द्वारा उत्पीड़न की शिकायत करने के एक घंटे बाद ही अपने हॉस्टल में आत्महत्या कर ली। उस पर आरोप था कि उसने स्कूल की सामग्री के दुरुपयोग के मामले में शिक्षकों की मदद की थी।

रामा राव ने कहा कि गुरुकुल स्कूल, जो कभी राज्य के शिक्षा क्षेत्र की पहचान हुआ करते थे, सिर्फ़ दो सालों में ही बिखर गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दो सालों में गुरुकुल स्कूलों में 100 से ज़्यादा छात्रों की मौत हो चुकी है, फिर भी कांग्रेस सरकार ने न तो कोई जवाबदेही दिखाई है और न ही सहानुभूति। उन्होंने राज्य सरकार से वर्षिता की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग की।

तेलंगाना में भारी बारिश का अनुमान

सीएम का हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में भारी बारिश के अनुमान के बाद, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने संबंधित अधिकारियों को धान, कपास और मक्का की खरीद के दौरान सावधान रहने का निर्देश दिया।

अधिकारियों को आदेश दिया गया कि वे सभी कदम उठाएं ताकि किसानों को बिना किसी परेशानी और नुकसान के खरीद हो सके। मुख्यमंत्री के निर्देश पर, सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी और कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने जिला कलेक्टरों और संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और उनसे आईएमडी के अनुमान के अनुसार जरूरी सावधानी बरतने को कहा है।

आरटीसी बस की टक्कर से 15 बकरियों और भेड़ों की मौत, चालक फरार

मेदक, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को कुलचरम के पास मेदक-नरसापुर मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 15 बकरियों और भेड़ों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गईं। यह हादसा तब हुआ जब महबूबनगर जिले के कुछ किसान अपने पशुओं को सड़क किनारे लेकर जा रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नरसापुर से मेदक की ओर जा रही एक आरटीसी बस तेज रफ्तार से आई और अचानक झुंड को कुचल दिया। हादसे के तुरंत बाद चालक बस को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद सड़क पर मृत और घायल पशु बिखर गए, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा।

अंतर्राष्ट्रीय एनीमेशन दिवस पर आसिफा इंडिया का भव्य आयोजन

रवींद्र भारती में 1,100 से अधिक छात्रों और विशेषज्ञों ने लिया हिस्सा

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफा इंडिया ने रविवार को रवींद्र भारती ऑडिटोरियम में अंतर्राष्ट्रीय एनीमेशन दिवस 2025 का आयोजन किया। एनीमेशन, वीएफएक्स और गेमिंग की इस एक दिवसीय उत्सव में 1,100 से अधिक छात्र, शिक्षक और उद्योग से जुड़े पेशेवर शामिल हुए।

इस अवसर पर उद्योग जगत की कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं, जिनमें महावतार नरसिम्हा के निर्देशक अश्विन कुमार, डीएनईजी के प्रमुख शेष प्रसाद, गेमिट्रोनिक्स के सीईओ रजत ओझा और पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता उपमन्यु शामिल थे। कार्यक्रम में आसिफा इंडिया के अध्यक्ष संजय खिमेसरा, उपाध्यक्ष राजा शेखर बुग्गावेती और उपाध्यक्ष (संचालन एवं आउटरीच) विनीता बचानी के साथ कई प्रायोजक कॉलेजों के प्रमुख भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान उद्योग विशेषज्ञों द्वारा चार मुख्य सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 'महावतार नरसिंह की यात्रा, कल्कि 2898 ई. - वीएफएक्स, एआई और सीजी का भविष्य तथा पुरस्कार विजेता कहानियां तैयार करना' जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इन सत्रों में प्रतिभागियों को एनीमेशन और वीएफएक्स उद्योग की बदलती तकनीकों, रचनात्मकता और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी गई।

महिला अधिकारियों को रात में बुलाने के आरोपों पर बीआरएस का विरोध

बीआरएस ने कहा- यह प्रशासनिक आचरण और महिलाओं की गरिमा का उल्लंघन है

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ कांग्रेसी मंत्रियों द्वारा महिला अधिकारियों को देर रात अपने आवास पर समीक्षा बैठकों के लिए बुलाने के आरोपों के बीच, तेलंगाना में मुख्य विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने इस तरह की हरकतों की कड़ी निंदा की है। बीआरएस ने इसे प्रशासनिक मर्यादा और महिलाओं की गरिमा का गंभीर उल्लंघन बताया है। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक वी. सुनीता लक्ष्मा रेड्डी के नेतृत्व में बीआरएस महिला नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को तेलंगाना राज्य महिला आयोग के सचिव को शिकायत सौंपकर दोषी मंत्रियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

बुद्ध भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सुनीता लक्ष्मा रेड्डी ने कहा कि कई महिला अधिकारी वरिष्ठ मंत्रियों के दबाव और अपमान का सामना कर रही हैं। उन्होंने कहा, कुछ मंत्री महिला अधिकारियों को अपने घर पर समीक्षा के लिए बुला रहे हैं। यह अस्वीकार्य और खतरनाक है। महिला अधिकारियों को बिना भय और उत्पीड़न के काम करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की गरिमा की रक्षा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा, उन्होंने इंदिरा राज्यम का वादा किया था, लेकिन महिलाओं के अपमान का माहौल बना दिया। यहाँ तक कि एक महिला मंत्री भी मुख्यमंत्री से मिलने में असहज महसूस करती हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने महिला प्रतिनिधियों, पत्रकारों और अधिकारियों के प्रति डर और अनादर की संस्कृति पैदा कर दी है।

उन्होंने कोठागुडेम में एक आदिवासी महिला पर हमले, गुरुकुल स्कूलों में छात्राओं की आत्महत्या और महिला पत्रकारों के खिलाफ मुकदमों जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार की चुप्पी उसकी असंवेदनशीलता को दर्शाती है। उन्होंने कहा, दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास पर एक महिला अधिकारी का अपमान हुआ, फिर भी महिला आयोग की अध्यक्ष अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम हैं। पूर्व विधायक पद्मा देवेंद्र रेड्डी ने सवाल किया कि जब नया सचिवालय मौजूद है तो मंत्रियों को आवास पर बैठकें करने की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा, अगर मंत्री समीक्षा करना चाहते हैं, तो उसे अपने कार्यालय में करें, न कि रात में बंद दरवाजों के पीछे। उन्होंने जुबली हिल्स उपचुनाव की उम्मीदवार सुनीता गोपीनाथ के प्रति एकजुटता जताई, जिन्हें कांग्रेस मंत्रियों ने कथित रूप से सार्वजनिक रूप से अपमानित किया था और जो अपने पति के निधन पर भावुक हो गई थीं।

गोदावरी नदी में डूबी युवती युवक को मछुआरे ने बचाया

पवित्र स्नान के दौरान हुआ हादसा 1 नवंबर को शादी की थी तैयारी

पेद्दापल्ली, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के गोदावरीखानी कस्बे के बाहरी इलाके में रविवार को एक दुखद हादसे में एक युवा जोड़ा गोदावरी नदी के तेज बहाव में बह गया।

हादसे में युवती की मौत हो गई, जबकि युवक को एक मछुआरे ने बचा लिया। पुलिस के अनुसार, गोदावरीखानी के विट्ठलनगर निवासी दारावेनी रवितेजा और पेड्डाबोंकुर की मौनिका दो साल पहले इंस्टाग्राम पर मिले थे। धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती प्यार में बदल गई और उन्होंने 1 नवंबर को शादी करने की योजना बनाई थी। मौनिका दो सप्ताह पहले रवितेजा के घर आई हुई थी।

परिवार की परंपरा के अनुसार, रविवार को दोनों परिवार के लोग गोदावरी नदी में पवित्र स्नान के लिए गए थे। स्नान के दौरान मौनिका अचानक गहरे पानी में चली गई और तेज बहाव में बह गई। रवितेजा ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह खुद भी बहने लगा। इसी दौरान पास में मौजूद मछुआरा नागुला रामुलु मौके पर पहुंचा और उसने रवितेजा को किसी तरह बचा लिया। हालांकि, जब तक मौनिका को नदी से बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विजयवाड़ा मंडल चक्रवात 'मोंथा' के लिए तैयार, जीएम ने तैयारियों का जायजा लिया

हमें किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए : महाप्रबंधक

विजयवाड़ा, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विजयवाड़ा मंडल, दक्षिण मध्य ने चक्रवात 'मोंथा' के संभावित प्रभाव से निपटने के लिए व्यापक तैयारी के उपाय शुरू कर दिए हैं। यह चक्रवात 28 अक्टूबर की शाम को मछलीपट्टनम और काकीनाडा के बीच आंध्र प्रदेश के तट को 100-110 किमी प्रति घंटे की गति वाली हवाओं के साथ एक भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में पार कर सकता है।

संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने विजयवाड़ा के अपने दौरे पर, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के मंडल सम्मेलन कक्ष में आयोजित एक बैठक में तैयारियों का जायजा लिया। मोहित सोनकिया, मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा ने महाप्रबंधक को चक्रवात 'मोंथा' से निपटने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। श्रीनिवास

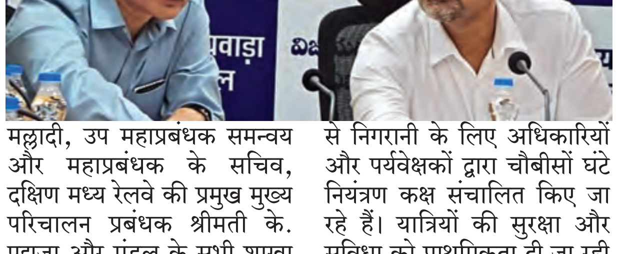

मल्लादी, उप महाप्रबंधक समन्वय और महाप्रबंधक के सचिव, दक्षिण मध्य रेलवे की प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्रीमती के. पद्मजा और मंडल के सभी शाखा अधिकारी बैठक में उपस्थित थे। यात्रियों, कर्मचारियों और रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मंडल के सभी विभागों- परिचालन, इंजीनियरिंग, विद्युत, यांत्रिक, वाणिज्यिक और चिकित्सा- को हाई अलर्ट पर रखा गया है। रेल संचालन, पुलों की स्थिति और संवेदनशील स्थानों पर जल स्तर की बारीकी से निगरानी के लिए अधिकारियों और पर्यवेक्षकों द्वारा चौबीसों घंटे नियंत्रण कक्ष संचालित किए जा रहे हैं। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता दी जा रही है।

विजयवाड़ा, राजमंड्री, काकीनाडा टाउन, भीमावरम और तेनाली सहित प्रमुख स्टेशनों पर हेल्प डेस्क और 24x7 पीआरएस रिफंड काउंटर स्थापित किए गए हैं। खानपान इकाइयों और रेलवे कॉलोनियों में पर्याप्त भोजन और पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए चिकित्सा दल, एम्बुलेंस और प्राथमिक चिकित्सा केंद्र तैयार हैं। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) के साथ समन्वय में, मंडल ने संचार माध्यमों को मजबूत किया है और वास्तविक समय में अपडेट और संयुक्त प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन के साथ घनिष्ठ संपर्क स्थापित किया है। तैयारियों पर बोलते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा, हमें किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए और स्थिति के अनुसार योजनाओं में बदलाव करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। यात्रियों, हमारे कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा सर्वोपरि है। हमारी प्रणाली मजबूत, सक्षम है और एक अनुभवी टीम द्वारा समर्थित है जिसने कठिन समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

हरीश राव ने राहुल गांधी को चेताया

ऑटो चालकों की समस्याओं पर जताया रोष

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को चेतावनी दी कि जब तक राज्य सरकार ऑटो चालकों की समस्याओं का समाधान नहीं करती, तब तक वह दोबारा हैदराबाद न आएँ। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादे के अनुसार अब तक ऑटो चालकों को 24,000 रुपये की बकाया सहायता राशि का भुगतान नहीं किया है।

हरीश राव ने कहा, राहुल गांधी चुनाव प्रचार के समय वोट के लिए ऑटो में बैठे थे, लेकिन अब उन्हीं चालकों की परेशानियों को भूल गए हैं। अगर वे दोबारा हैदराबाद आए, तो ऑटो चालक शमशाबाद एयरपोर्ट पर उनका रास्ता रोक देंगे। बीआरएस नेताओं ने सोमवार को हैदराबाद में ऑटो चालकों के समर्थन में एक प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया। हरीश राव, कुकटपल्ली के विधायक माधवराम कृष्ण राव के साथ, कोकापेट स्थित अपने आवास से एर्रागड्डा और फिर तेलंगाना भवन तक ऑटो से यात्रा कर ड्राइवरों से बातचीत की।

इस दौरान हरीश राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार किसानों, महिलाओं, कर्मचारियों और अब ऑटो चालकों के साथ भी वादाखिलाफी कर रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने 12,000 रुपये वार्षिक सहायता, ऑटो नगर और ऑटो कल्याण बोर्ड के गठन का वादा किया था, लेकिन दो साल बीत जाने के बाद भी एक रुपया नहीं दिया गया। सरकार पर 1,500 करोड़ रुपये का बकाया है। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार मूसी नदी के सौंदर्यीकरण जैसी परियोजनाओं पर हज़ारों करोड़ रुपये खर्च कर रही है, लेकिन संघर्षरत ऑटो चालकों को 1,000 रुपये मासिक सहायता देने में असमर्थ है।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी दिल्ली में नकदी लेकर जाते हैं, लेकिन तेलंगाना के ऑटो चालकों के प्रति उनकी कोई संवेदना नहीं है। महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा देने से ऑटो चालकों की आमदनी पर और असर पड़ा है। हरीश राव ने आत्महत्या करने वाले 161 ऑटो चालकों के परिवारों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की माँग की और राज्य के सभी चालकों से अपील की कि वे जुबली हिल्स उपचुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाएँ ताकि वह अपने चुनावी वादे पूरे करने पर मजबूर हो।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.